khabardrishtikon@gmail.com https://khabardrishtikon.com/ https://l.facebook.com khabardrishtikon.com

KD NEWS सच का सामना

लखनऊ

सोमवार – 04 सितम्बर 2023

वर्ष : 02 – अंक : 311

पृष्ठ–8 मूल्य – 1:00 रूपये

आरएनआई : UPHIN/2021/82210

हिन्दी दैनिक

खबर दृष्टिकोण

समाचार ही नहीं, विश्वास भी...

2 महिला पुलिस पिंक बूथ से सटी हुई धूम्रपान की दुकान..

3 अनशन के तीसरे दिन शाजापुर से रेलवे ऑफिसर...

5 तीन साल से लिव इन रिलेशन में रह रहे रोडवेज कंडक्टर का ..

जब चाहूं तब फोन पर होती है सीएम योगी जी से बात, शिवपाल सिंह यादव ने खोले दिल के राज

शिवपाल सिंह यादव उन नेताओं में से हैं जो बेबाकी से अपनी बात कहने के लिए जाने जाते हैं। वह सीएम योगी आदित्यनाथ से व्यक्तिगत सम्बन्धों को लेकर फिर चर्चा में हैं। शिवपाल का एक वीडियो सामने आया है।

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह यादव उन नेताओं में से हैं जो बेबाकी से अपनी बात कहने के लिए जाने जाते हैं। वह एक बार फिर सीएम योगी आदित्यनाथ से व्यक्तिगत सम्बन्धों को लेकर चर्चा में हैं। शिवपाल का एक वीडियो सामने आया है जिसमें वह सीएम से अपने व्यक्तिगत सम्बन्धों का जिक्र करते हुए कह रहे हैं कि वह जब चाहें उनसे फोन पर बात कर सकते हैं।

मीडिया में प्रसारित इस वीडियो में सीएम योगी से सम्बन्धों के बारे में पूछे जाने पर शिवपाल कहते हैं, ...तो नेताजी ने, अखिलेश यादव ने, हमने भी मदद करी है। तभी तो हमारा ये सम्मान करते हैं। मुख्यमंत्री से लेकर सभी लोग तभी तो सम्मान करते हैं। रिपोर्टर के यह पूछने पर कि क्या मुख्यमंत्री आपकी बात सुनते हैं शिवपाल कहते हैं कि बिल्कुल, टेलीफोन पर

अभी कहो तो अभी बात हो जाए। हम जब भी फोन करना चाहें तो बात हो जाती है और होनी भी चाहिए। मंत्री रहते हुए हमने भी मदद की है।

घोसी में बोले शिवपाल–दलबदलू हैं दारा

शिवपाल सिंह ने यादव ने शनिवार को घोसी

> ...तो नेताजी ने, अखिलेश यादव ने, हमने भी मदद करी है। तभी तो हमारा ये सम्मान करते हैं।

विधान सभा क्षेत्र में सघन जनसंवाद किया। इस दौरान राष्ट्रीय महासचिव ने विधानसभा क्षेत्र के बरुहां, दर्पनारायणपुर, अकोल्ही मुबारकपुर, बीबीपुर, खानपुर, जमालपुर विक्क्मपुर, अमिला बाजार समेत अन्य स्थानों पर जन संवाद किया। जनसंवाद कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए समाजवादी पार्टी राष्ट्रीय महासचिव शिवपाल सिंह ने कहा कि भाजपा प्रत्याशी दारा सिंह चौहान ने दलबदल करके घोसी की जनता को धोखा देने का काम किया है। कहा कि दारा सिंह चौहान सत्ता व कुर्सी के लोभ में दल बदलते हैं। इस चुनाव में जनता उनका हिसाब करेगी। शिवपाल यादव ने कहा कि सुधाकर सिंह का इतिहास रहा है कि उन्होने कभी भी दल नहीं बदला और वे जनता के दुख, दर्द में हमेशा खड़े रहते हैं। कहा कि भाजपा की तानाशाह सरकार से समाज का हर वर्ग त्रस्त हो चुका है। शिवपाल सिंह यादव ने वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिहाज से घोसी विधान सभा उप चुनाव को काफी महत्वपूर्ण बताया। रामगोविंद चौधरी ने कहा कि समाजवादी पार्टी में ही सभी लोगों का हित सुरक्षित है। रामअचल राजभर ने कहा कि पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों समेत सभी वर्गों के लोग इस बार समाजवादी पार्टी की तरफ काफी आशा भरी नजर लगाए हुए हैं।

राजस्थान में आपदा प्रभावितों को मानवीय दृष्टिकोण के साथ राहत उपलब्ध कराने का किया जा रहा है काम–गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा है कि राज्य सरकार आपदा से प्रभावित प्रत्येक नागरिक के लिए मानवीय दृष्टिकोण के साथ राहत उपलब्ध कराने का कार्य कर रही है और उसके प्रयास फलस्वरूप केन्द्र सरकार ने एसडीआरएफ नियमों में संशोधन किया है, जिसका प्रदेश के किसानों को फायदा मिलने लगा है। गहलोत शनिवार को रात मुख्यमंत्री निवास पर आयोजित राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार किसी भी प्रकार की आपदा में न्यूनतम हानि तथा अधिकतम राहत सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों के फलस्वरूप केन्द्र सरकार ने एसडीआरएफ नॉर्म्स में संशोधन किया है। उल्लेखनीय है कि श्री गहलोत ने पत्र लिखकर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से कृषि आदान-अनुदान को प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत कृषि बीमा दावे के विरूद्ध समायोजित करने के प्रावधान को समाप्त करने की मांग की थी। मुख्यमंत्री के इस आग्रह पर केन्द्र सरकार ने एसडीआरएफ नॉर्म्स में संशोधन किया। अब प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत कृषि बीमा में समायोजन किए बिना सीधे ही प्रभावित किसानों को अलग से इनपुट सब्सिडी की पूरी राशि भी दी जा रही है। इससे किसानों को इनपुट सब्सिडी का तत्काल भुगतान होगा तथा फसल बीमा राशि का भी पृथक से भुगतान हो सकेगा। गहलोत ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के पुराने तथा नये क्लेमों का भुगतान शीघ्र करने के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों को 2022-23 की समस्त इनपुट सब्सिडी भी आगामी 15 सितम्बर तक वितरित किए जाने के निर्देश दिए। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2020-21 से वर्ष 2022-23 के दौरान लगभग 30.15 लाख काश्तकारों को 2595.57 करोड़ रुपए की इनपुट सब्सिडी दी गई है, जिसमें वर्ष 2022-23 में 6.82 लाख कृषकों को 800 करोड़ रूपये की इनपुट सब्सिडी शामिल है। बैठक में विभिन्न आपदाओं के दौरान पूर्व में दी गई तत्काल सहायता एवं स्वीकृतियों का कार्योत्तर अनुमोदन भी किया गया। इनमें कोविड-19 से मृत्यु होने पर मृतकों के आश्रितों को एसडीआरएफ से अनुग्रहिक सहायता के भुगतान के लिए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग को वर्ष 2021-22 में 137.56 करोड़ एवं वर्ष 2022-23 में 53 करोड़ रूपये का बजट आवंटन।

परषोत्तम रूपाला ने तमिलनाडु में बहुउद्देशीय समुद्री शैवाल पार्क की रखी आधारशिला

नई दिल्ली । सागर परिक्रमा के आठवें चरण के तीसरे दिन, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेरी मंत्री परषोत्तम रूपाला ने शनिवार को तमिलनाडु में बहुउद्देशीय समुद्री शैवाल पार्क की आधारशिला रखी। समुद्री शैवाल पार्क का उद्देश्य तटीय युवा और महिला मछुआरों के लिए रोजगार के अवसर पैदा करना है। कार्यक्रम की शुरुआत परषोत्तम रूपाला, डॉ. एल. मुरुगन और अन्य गणमान्य व्यक्तियों द्वारा वलमावुर, थोंडी, रामनाथपुरम में मल्टीपर्पस सीवीड पार्क स्थल पर भूमि पूजन और शिलान्यास के साथ की गई। वलमावुर में समुद्री शैवाल पार्क स्थल पर पहुंचने से पहले परषोत्तम रूपाला ने सीएमएफआरआई के मंडपम केंद्र में समुद्री शैवाल की खेती में लगे मछुआरों के समूहों के साथ बातचीत की। उन्होंने कहा कि समुद्री शैवाल पार्क होने से तमिलनाडु के छह तटीय जिलों नागपट्टिनम, तंजावुर, तिरुवरुर, पुदुकोट्टई, रामनाथपुरम और थूथुकुडी में 136 तटीय मछली पकड़ने वाले गांवों में समुद्री शैवाल की खेती को बढ़ावा मिलेगा। इसमें 8821 लोगों की आजीविका को बढ़ावा देने, टिशू कल्चर प्रयोगशालाओं और अनुसंधान एवं विकास सुविधाओं की स्थापना, तट-आधारित बुनियादी सुविधाओं (सुखाने वाले यार्ड, गोदाम आदि), कौशल विकास और क्षमता निर्माण, भंडारण और विपणन सुविधा, प्रसंस्करण और मूल्य को बढ़ावा देने के लिए जनशक्ति को शामिल किया जाएगा। समुद्री शैवाल पार्क उद्यमियों, प्रसंस्करणकर्ताओं आदि को आवश्यक योजनाओं, लाइसेंस देने के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए एकल खिड़की सहायता के साथ प्रसंस्करण केंद्र

स्थापित करने के लिए जगह भी प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि समुद्री शैवाल की खेती को बढ़ावा देने के अलावा, पार्क समुद्री पारिस्थितिक तंत्र के संरक्षण पर भी ध्यान केंद्रित करेगा। जो जीवित रहने के लिए समुद्री शैवाल पर निर्भर हैं वैसे विभिन्न समुद्री प्रजातियों को उजागर करने वाला एक मछलीघर होगा। भारत सरकार का मत्स्य पालन विभाग जमीनी स्तर की चुनौतियों को समझकर मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र को मजबूत करने और भारत को जलीय कृषि और मत्स्य पालन निवेश का केंद्र बनाने के लिए कार्यान्वित किए जाने वाले कार्यों के साथ एक रोडमैप तैयार कर रहा है।

स्टालिन के बेटे के बयान पर बखेड़ा, बीजेपी ने इंडिया गठबंधन से मांगा जवाब

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के बेटे और मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने सनातन धर्म को लेकर विवादित बयान दिया है। उनके बयान पर सियासी बवाल मच गया है। भारतीय जनता पार्टी ने इंडिया गठबंधन से स्टैंड साफ करने के लिए कहा है। वहीं, धर्म गुरुओं ने भी नाराजगी व्यक्त की है। भाजपा प्रवक्ता शाहनवाज हुसैन ने पलटवार करते हुए कहा, स्टालिन INDIA के मजबूत स्तंभ हैं और उनके बेटे सनातन धर्म की तुलना डेंगू और मलेरिया से कर रहे हैं, उसे खत्म करने की बात कर रहे हैं। कांग्रेस पार्टी और INDIA को अपनी राय स्पष्ट करनी चाहिए वे लोग इकट्ठे हो कर गठबंधन बना रहे हैं या सनातन धर्म को खत्म करने लिए इस प्रकार की बयानबाजी कर रहे हैं? वहीं, राम जन्मभूमि के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येन्द्र दास ने कहा, सनातन धर्म को किसी भी कीमत पर खत्म नहीं किया जा सकता है।

सनातन धर्म सदियों से अस्तित्व में है और रहेगा। वह (उदयनिधि स्टालिन) सनातन धर्म का वास्तविक अर्थ नहीं समझते हैं, वह जो भी कह रहे हैं वह बिल्कुल गलत है। भाजपा नेता सैयद शाहनवाज हुसैन ने कहा, ये बयान दुर्भाग्यपूर्ण है इसकी जितनी भी निंदा की जाए वो कम है। क्या INDIA उनके बयान से सहमत है इसका जवाब INDIA को देना चाहिए। भाजपा नेता शहजाद पूनावाला ने कहा, "INDIA का भारत विरोधी और हिंदू विरोधी चेहरा आज साफ तरीके से उजागर हो चुका है। जिस प्रकार से DMK के नेता ने कहा कि वे न केवल सनातन धर्म का विरोध करते हैं बल्कि उसकी तुलना बीमारियों से करते हुए उसे खत्म करने की बात करते हैं। जिस धर्म में भारत के 80 फीसद लोगों की आस्था है उसे खत्म करने की बात हैं। उनका समर्थन कांग्रेस पार्टी के कार्ति चिदंबरम भी करते हैं। क्या यही मोहब्बत की दुकान है राहुल गांधी जी? उदयनिधि स्टालिन की सनातन धर्म को खत्म कर देना चाहिए वाली टिप्पणी पर महाराष्ट्र कांग्रेस प्रमुख नाना पटोले ने कहा, कांग्रेस का रुख साफ है, हम किसी धर्म पर टिप्पणी नहीं करना चाहते या किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं चाहते। हम बाबा साहब अंबेडकर के सर्वधर्म समभाव की भूमिका साथ लेकर चलते हैं, किसने क्या बोला वे हमारे हाथ में नहीं है। आपको बता दें कि स्टालिन ने सनातन धर्म को मलेरिया और डेंगू की तरह बताते हुए कहा है कि इसका विरोध नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि पूरी तरह से खत्म कर देना चाहिए। सनातन धर्म को खत्म के लिए आयोजित किए गए एक सम्मेलन में बोलते हुए उदयनिधि ने कहा, मुझे विशेष संबोधन देने का अवसर देने के लिए मैं इस सम्मेलन के आयोजकों को धन्यवाद देता हूं। आपने सम्मेलन का नाम सनातन विरोधी सम्मेलन के बजाय सनातन उन्मूलन सम्मेलन रखा है, मैं इसकी सराहना करता हूं।

जी 20 की पहली तीन बैठकों में ही उपस्थित हो सके थे शीर्ष नेता

नयी दिल्ली। आगामी जी20 शिखर सम्मेलन में कुछ राष्ट्राध्यक्षों की अनुपस्थिति को लेकर भले ही कुछ अलग तरह की चर्चाएं चल रही हों लेकिन यह भी तथ्य है कि 2008 से अब तक हुए 16 शिखर-सम्मेलनों में से केवल शुरुआती तीन में ही सभी देशों के राष्ट्राध्यक्षों या शासनाध्यक्षों ने भाग लिया था। रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन की अनुपस्थिति और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के बारे में अनिश्चितता को लेकर जी 20 शिखर-सम्मेलन की कामयाबी को लेकर कुछ हलकों में कुछ टीका टिप्पणियां की जा रही हैं लेकिन पिछले सम्मेलन पर निगाह डाली जाए तो कुछ और तथ्य सामने आते हैं। पिछले रिकॉर्ड से पता चलता है कि वैश्विक शिखर सम्मेलनों में उपस्थिति का स्तर साल-दर-साल बदलता और व्यस्तताओं के चलते हर नेता के लिए हर शिखर सम्मेलन में भाग लेना हमेशा संभव नहीं होता है। कई बार नेता अपने निजी कारणों से शिखर सम्मेलन में भाग नहीं ले पाते हैं। यहां सबसे उदाहरण इटली में वर्ष 2021 का जी20 शिखर सम्मेलन है जहां नेताओं के लिए इसे छोड़ने का कोई बड़ा भू-राजनीतिक या स्वास्थ्य कारण नहीं था, लेकिन कुछ परिस्थितियां इस तरह से हुईं कि 20 सदस्य देशों में से छह देशों के राष्ट्राध्यक्षों या शासनाध्यक्षों की बजाय उनके प्रतिनिधि नेताओं ने भाग लिया था। जानकारी के अनुसार वर्ष 2008 से, जी 20 का प्रत्यक्ष रूप से 16 शिखर सम्मेलनों और एक वर्चुअल शिखर सम्मेलन (सऊदी अरब, 2020) का आयोजन हो चुका है। वर्ष 2009 और 2010 में दो-दो शिखर सम्मेलन हुए। इन 16 प्रत्यक्ष शिखर सम्मेलनों में से, 2008 और 2009 के पहले तीन शिखर सम्मेलनों को छोड़कर, 2010 से अब तक एक भी अवसर ऐसा नहीं आया जब कि इसमें प्रत्येक देश ने राष्ट्राध्यक्ष या शासनाध्यक्ष स्तर पर भाग लिया हो। जी 20 शिखर-सम्मेलन के इतिहास को देखें तो छह बार - 2010, 2011, 2012, 2013, 2016, 2017 में एक देश के राष्ट्राध्यक्ष या शासनाध्यक्ष ने भाग नहीं लिया। पांच बार 2010, 2014, 2015, 2018, 2019 में दो देशों के राष्ट्राध्यक्ष या शासनाध्यक्ष नहीं आये।

मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में 7 सितंबर तक भारी बारिश के आसार, आईएमडी का पूर्वानुमान

नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने 3 सितंबर के लिए अपना पूर्वानुमान जारी किया है। आईएमडी के मुताबिक, असम और मेघालय के साथ-साथ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में आज भारी बारिश हो सकती है। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल और ओडिशा में भी आज अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश का अनुमान है। मौसम विभाग के मुताबिक, इन दोनों राज्यों में 6 सितंबर तक बारिश का दौर रहेगा। आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक, छत्तीसगढ़ में 4 से 7 सितंबर तक और मध्य प्रदेश में 7 सितंबर को अलग-अलग जगहों पर भारी होने की पूरी संभावना है। साथ ही विदर्भ में 5-7 सितंबर तक बारिश के आसार बन रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, महाराष्ट्र में 3 से 7 सितंबर तक हल्की से भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान बिजली गिरने की भी संभावना है।

हिमाचल में पहाड़ी काटने पर दो सप्ताह का प्रतिबंध

हिमाचल प्रदेश में आपदा प्रभावित इमारतों और सड़कों के पुनर्निर्माण को छोड़कर किसी भी प्रकार की निजी विकास और निर्माण गतिविधि के लिए पहाड़ी काटने पर 16 सितंबर तक दो सप्ताह के लिए प्रतिबंध लगा दिया गया है। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने शनिवार को यह जानकारी दी। इसके अलावा, शिमला, मंडी, कुल्लू, कांगड़ा, सोलन और चंबा जिलों में वाणिज्यिक या पर्यटन इकाइयों के लिए योजना और भवन निर्माण की नई अनुमति पर भी दो सप्ताह के लिए रोक लगा दी गई है। प्रवक्ता ने कहा कि चालू मानसून के मौसम के दौरान, राज्य भर में विनाशकारी भूस्खलन, भूमि धंसाव, नदी-तट विफलता और गंभीर कटाव सहित अभूतपूर्व पर्यावरणीय बाधाएं आई हैं। इससे जीवन और संपत्तियों की दुखद क्षति हुई है। उन्होंने कहा कि मानव जीवन, आवास, बुनियादी ढांचे के लिए अत्यधिक सुरक्षा सुनिश्चित करने और पहाड़ी राज्य के नाजुक पारिस्थितिक पर्यावरण को संरक्षित करने के लिए यह निर्णय लिया गया है। प्रवक्ता ने कहा कि आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा और उल्लंघन से कानून के मुताबिक निपटा जाएगा।

इसरो के आदित्य एल-1 ने अंतरिक्ष में लगाई छलांग, नए ऑर्बिट में हुआ स्थापित

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का पहले सूर्य मिशन आदित्य–एल1 आज दूसरी कक्षा में सफलतापूर्वक प्रवेश कर लिया. इस संबंध में भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो ने जानकारी साझा की। इसरो ने बताया कि आदित्य– एल1 ने आज पहली बार अपनी कक्षा बदल ली है। अब ये 235म19500 किलोमीटर की कक्षा से सफलतापूर्वक 245म22459 किलोमीटर की कक्षा में पहुंच गया है। जिसे आदित्य–एल1 की सूर्य की ओर पहली छलांग भी कहना उचित होगा। बता दें कि आदित्य–एल1 16 दिनों के दौरान पांच बार अपनी कक्षा बदलेगा। उसके बाद ये एल1 पॉइंट की ओर छलांग लगाएगा। शनिवार को आदित्य–एल1 की लॉन्चिंग के बाद ये एक घंटा 3 मिनट और 19 सेकंड में पृथ्वी की कक्षा में

स्थापित हो गया था। इसके बाद रविवार को आदित्य–एल1 को थ्रस्टर फायर कर इसकी अगली कक्षा में भेजा गया। बता दें कि आदित्य–एल1 का पूरा कंट्रोल धरती से यानी इसरो से किया जा रहा है। अब आदित्य–एल1 अपनी कक्षाओं को चार बार और बदलेगा। कक्षा बदलने के लिए अगली फायरिंग 5 सितंबर को की जाएगी। उसके बाद 16 दिन पूरे होने पर ये सूर्य की ओर प्रस्थान कर जाएगा। बता दें कि आदित्य–एल1 पृथ्वी से 15 लाख किलोमीटर की दूरी चार महीने में तय करेगा। इसके बाद ये लैंगरेंज पॉइंट–1 तक पहुंचेगा। यह ऐसा बिंदु है जहां सूर्य और पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बैलेंस हो जाता है। इसलिए यहां किसी भी ऑब्जेक्ट को ठहरने के लिए ज्यादा ऊर्जा की जरूरत नहीं पड़ती।

यही नहीं यहां से सूर्य ग्रहण का भी असर नहीं होता। ऐसे में आदित्य–एल1 लगातार सूर्य पर निगाह रख पाएगा। साथ ही ये सूर्य के अंदर तक झांक पाएगा। आदित्य–एल1 में फायरिंग के जरिए ही इसरो इसे एल–1 पर हेलो ऑर्बिट में स्थापित करेगा।

इसरो के मुताबिक आदित्य–एल1 125 दिनों यानी 6 जनवरी तक एल1 पॉइंट तक पहुंच जाएगा। इस उपग्रह के साथ सात पेलोड भेजे गए हैं। जो सोलर विंड, चुंबकीय क्षेत्र के साथ अन्य क्रियाओं का अध्ययन करेंगे। बता दें कि भारत का ये मिशन दुनियाभर के लिए फायदेमंद होगा। बता दें कि इस साल भारत की अंतरिक्ष के क्षेत्र में ये दूसरी बड़ी सफलता है। इससे पहले 23 अगस्त को इसरो ने चंद्रयान–3 को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफलतापूर्व लैंड कराया था। इसी के साथ भारत दुनिया का पहला देश बन गया था जो चंद्रमा के दक्षिणी ध्रूव पर लैंड कर सका।

आवश्यकता है

आवश्यकता है, उ0प्र0 राजधानी लखनऊ से प्रकाशित राष्ट्रिय हिंदी दैनिक समाचार पत्र खबर दृष्टिकोण ,वेब पोर्टल व चैनल को मंडल स्तर/जिला स्तर/तहसील स्तर व ब्लाक स्तर पर पार्टनर/क्षेत्रीय पार्टनर/ब्यूरो/सवांददाता की। पत्रकारिता जगत से जुड़ने के लिए इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करे ।

संपर्क नं.

8840277268 / 522–4073793

ई मेल–

khabardrishtikon@gmail.com

Website :

www.khabardrishtikon.com

Off Add- 6A/101,Sector&6 Vrindavan Yojana Rai Bareli Road Lucknow.

महिला पुलिस पिंक बूथ से सटी हुई धूम्रपान की दुकान हटवाने में पुलिस असमर्थ

लखनऊ। कोतवाली सरोजनी नगर अन्तर्गत चौकी ट्रांसपोर्ट नगर सेक्टर 'ए' हनुमान मंदिर के बाहर मौजूद पुलिस पिंक बूथ से सटा कर चलाई जा रही धूम्रपान की दुकान जिसमे सिगरेट ,बीड़ी, तम्बाकू, पान मसाला गुटखा आदि नशे से सम्बंधित सामग्री बेची जा रही जो कि देखने मे तो अशोभनीय गलत लगता है, पुलिस कमिश्नरेट लागू होने के बावजूद कामी मशक्कतों के बाद भी पिंक से नही हटा पायी स्थानीय पुलिस धूम्रपान की दुकान ,जनता में इससे पुलिस व सरकार की छवी भी धूमिल होती है ,लेकिन चौकी प्रभारी व पिंक बूथ में तैनात पुलिस कर्मियों की मिली भगत होने की वजह से लिखित शिकायत मुख्यमंत्री पोर्टल पर करने के बावजूद चौकी प्रभारी द्वारा यह कह कर निस्तारण कर दिया गया कि मामला नगर निगम से सम्बंधित है ,इतना ही नही ए सी पी कृष्णा नगर को भी जब निस्तारण हेतु भेजा गया तो वहाँ से भी दुकान वाले पर सहानुभूति दिखाते हुए शिकायत निस्तारण कर दिया गया तब मामला पूरा समझ मे आया, ये पब्लिक है सब जानती है ,वरना बिना पुलिस के सहयोग से किसकी मजाल है की धूम्रपान की दुकान सीधा महिला पुलिस पिंक बूथ से सटा कर खोल सके लेकिन स्थानीय पुलिस चाहे तो सब सम्भव हैं जब कि महिला पिंक बूथ महिला पुलिस कर्मियों की व्यवस्था और महिलाओं की समस्या के समाधान हेतु खोला गया है ,धूम्रपान की दुकान होने की वजह से दिभर नशेड़ियों का आवागमन रहता है क्या महिलाएं अपने आपको सुरक्षित महसूस कर सकती है ,पिंक बूथ पर बनी खिड़की जो बाहर नजर रखने के लिये बनायी गयी है वह खिड़की भी दुकान की वजह से बंद है ,इससे भी किसी पुलिस वालो को

कोई फर्क नही पड़ता धूम्रपान की दुकान पर जाने किस किस प्रकार के लोगो का आना जाना रहता है,चिड़िया घर के पास स्थित गेट नम्बर 2 के पास पिंक बूथ के पास महिला से अश्लीलता का मामला जो कि सभी प्रतिष्ठित समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ इसके बाद भी सरोजनी नगर पुलिस को सबक नही मिल पाया इतना ही नही सूत्रों द्वारा ज्ञात हुआ है कि नगर निगम द्वारा अभियान के दौरान जब भी कोई इस धूम्रपान की दुकान को हटाने पहुँचता है तो उसे भी पिंक बूथ पर तैनात पुलिस कर्मियों द्वारा बचाने का प्रयास किया जाता है,इसी मेहरबानी की वजह चौकी प्रभारी और निरीक्षक द्वारा धूम्रपान की दुकान हटवाने में असमर्थता जताई जाती है ।

गोमतीनगर व सर्विलांस टीम की संयुक्त पुलिस टीम द्वारा दस हजार रूपये इनामिया गिरफ्तार

खबर दृष्टिकोण लखनऊ।गोमती नगर पुलिस द्वारा सर्विलांस टीम पूर्वी के सहयोग से रविवार को कई मुकदमो में वांछित दस हजार रूपये का इनाम घोषित एक इनामिया को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है गोमती नगर थाना प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि सर्विलांस टीम पूर्वी के सहयोग से रविवार को अर्धरात्रि समय बाराबंकी रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया गया है द्य गिरफ्तार अभियुक्त पीयूष मिश्र पुत्र तारकेश्वर मिश्रा निवासी तमकुही विद्यालय टोला परसौनी जनपद देवरिया के खिलाफ दर्ज मुकदमो में आरोप पत्र दाखिल किया गया था द्य कोरोना काल में जेल से पैरोल पर रिहा किया गया थाद्य जिसके बाद आरोपी प्रस्तुत नहीं हुआ था जिसपर अभियुक्त पर दस हजार रूपये का इनाम घोषित किया गया था द्य जिसपर कार्यवाई करते हुए जेल भेज दिया गया है द्य

खबर एक नजर में

रेलवे उप निदेशक के बंद मकान से कीमती ज्वैलरी व नकदी चोरी

खबर दृष्टिकोण
आलमबाग। मानक नगर थाना क्षेत्र में रहने वाले एक उप निदेशक के बंद मकान पर बेखौफ घुमन्तु चोरो ने निशाना बना लाखो रूपये के कीमती ज्वैलरी व नकदी चोरी कर फरार हो गए चोरी की जानकारी होने पर पीड़ित ने स्थानीय पुलिस से शिकायत की है। शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर चोरो की तलाश में जुटी है मानक नगर थाना क्षेत्र के आरडीएसओ कॉलोनी मकान संख्या बी-6/1 में रमेश्वर तिवारी रेलवे पेंशन विभाग में उपनिदेशक पद पर कार्यरत है। पीड़ित के मुताबिक वह बीते 1 सितम्बर को अपनी बीमार माताजी को देखने प्रयागराज जाने के लिए घर में ताला बंद कर गए थे और अगले दिन पड़ोसी जितेन्द्र व उनके घर साफ सफाई करने वाली महिला रेनू ने घर के मेन गेट का ताला खुला होने की जानकारी दी। जिसकी सूचना तत्काल पीड़ित ने आरडीएसओ रेलवे आरपीएफ थाने पर दे के साथ घर के मेन गेट के खुले होने की पुष्टि होने पर चोरी की जानकारी स्थानीय थाने में देने के बाद लखनऊ अपने घर पहुंचकर पुलिस से लिखित शिकायत की है। पीड़ित के मुताबिक चोरों ने अलमारी का लाकर तोड़कर सोने व हीरे के करीब 6 लाख 51 हजार रूपये के आभूषण व 50 हजार रूपये नकदी चोरी कर फरार हो गए हैं। मानक नगर थाना प्रभारी निरीक्षक शिव मंगल सिंह ने बताया कि पीडित की शिकायत पर चोरी की धारा में मुकदमा दर्ज कर चोरों की तलाश की जा रही है।

निर्माणाधीन मकान से वायरिंग का तार एवं वन विभाग का ट्री गार्ड चोरी करने वाले तीन शातिर चोर गिरफ्तार।

खबर दृष्टिकोण
आलमबाग।आशियाना पुलिस ने थाना क्षेत्र में हुए निर्माणाधीन मकानों एवं वन विभाग द्वारा वृक्षारोपण के लिए लगाए गए ट्री गार्ड चोरी मामले में तीन शातिर चोरो को गिरफ्तार कर हुई चोरियों का खुलासा किया है। शातिरों के कब्जे से पुलिस टीम को चोरी हुए लोहे की जाली एक बोरी कटपीस तारो का बण्डल एवं चोरी में उपयुक्त एक दो पहिया वाहन बरामद हुआ है। आशियाना थाना प्रभारी अनिल कुमार पांडेय ने बताया

कि थाना क्षेत्र में निर्माणधीन मकानों से चोरी हुए लाखो रूपये के वायरिंग के तारो एवं मानसरोवर योजना में वन विभाग द्वारा किये गए वृक्षारोपण में लगाए गए लोहे की जाली चोरी करने के मामले में मुकदमा दर्ज कर चोरो की तलाश में पुलिस टीम लगाया गया था वहीं रविवार को मुखबिर की सूचना पर तोंदे खेड़ा तिराहे रेलवे ब्रिज के पास से तीन शातिर चोरो को गिरफ्तार कर तीनो चोरियों का खुलासा किया गया है। जिनके कब्जे से पुलिस टीम को चोरी हुए दो लोहे की जाली एक बोरी कटपीस तारो का बण्डल एवं चोरी में उपयुक्त एक दो पहिया वाहन बरामद हुआ है। पुलिस की पूछताछ में शातिरों ने अपना परिचय मुकेश कुमार उर्फ बूटा पुत्र स्व0 बृजलाल निवासी हैबत मऊ मवैया थाना पीजीआई , अनिकेत शाही उर्फ प्रिन्स शाही पुत्र विनोद कुमार शाही निवासी 500क हैबत मऊ मवैया थाना पीजीआई एवं बाबू राम पुत्र सूरज लाल निवासी चिनगा पतेरी थाना बरगवा जिला सिंगरौली मध्य प्रदेश हाल पता झोपडी रतनखण्ड नगर निगम आफिस के सामने थाना आशियाना लखनऊ के रूप में दिया है। गिरफ्त में आये शातिरों के खिलाफ दर्ज मुकदमो में धाराओं की बढ़ोतरी करते हुए जेल भेज दिया गया है।

पिता के निधन पर पैतृक गाँव गया था परिवार , घर में हो गई चोरी

खबर दृष्टिकोण लखनऊ। पीजीआई थाना क्षेत्र में बेखौफ चोरो ने एक बंद मकान में घुस चोरी की वारदात को अंजाम दे फरार हो गए। वहीं चोरो की करतूत सीसी कैमरे में कैद हो गया। पड़ोसियों की सूचना पर घर पहुंचे पीड़ित की शिकायत ने स्थानीय थाने पर लिखित शिकायत की है। पुलिस शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर फुटेज आधार पर चोरो की तलाश में जुटी है। पीजीआई थाना क्षेत्र के बंगाली टोला, खरिका तेलीबाग मकान संख्या 592छ9चए निवासी दिवाकर सिंह भदौरिया पुत्र स्व0 मोहन सिंह के मुताबिक उनके पिताजी का स्वर्गवास हो जाने पर बीते 18 अगस्त को सपरिवार अपने पैतृक गाँव चले गए थे। इस दौरान उनके का इंटरलॉक तोड़ घर में घुसे चोरो ने चोरी कर लिया जिसकी सूचना पड़ोसियों ने फोन पर दिए थे। पीड़ित के मुताबिक जब वह अपने घर लौटे तो देखा कि सारे दरवाजों के इन्टरलाक टूटे है और सारा सामान बिखरा पड़ा है । घर की आलमारी से चोरो ने सोने की चौन, टॉप्स व 25 हजार रूपये नगद चोरी कर लिया है। पीड़ित के मुताबिक घर में लगे कमरे को खंगाला तो 25 अगस्त अर्धरात्रि चोरो ने घर में घुस चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। जिसकी शिकायत पीड़ित ने पुलिस से की है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोरो के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर फुटेज आधार पर चोरो की तलाश में जुटी है।

कस्टम विभाग द्वारा नशीला पदार्थ पकड़े जाने का भय दिखाकर जालसाजों ने ट्रांसफर कराये हजारो रूपये।

खबर दृष्टिकोण
सरोजनीनगर। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र में रहने वाले एक पीड़ित को जालसाजों ने मुंबई कस्टम द्वारा उनके नाम पर भेजे गए कोरियर में नशीला पदार्थ भेजे जाने की बात कह जेल भेजे जाने का भय दिखाकर दो अलग अलग बैंक खाते में 98 हजार रूपये ट्रांसफर करा लिए। अपने संग ठगी का एहसास होने पर साइबर सेल में शिकायत दर्ज करा स्थानीय थाने पर शिकायत की है। सरोजनीनगर थाना क्षेत्र के हिन्द नगर निवासी वरूण शुक्ला पुत्र प्रदीप कुमार शुक्ला के मुताबिक उनके पास शनिवार को एक नंबर से कॉल आया जोकि ऑटो जेनरेटेड काल था। कॉलर ने कहा कि मुंबई कस्टम विभाग द्वारा उनके भेजे गए कोरियर को पकड़ा है जिसमे नशीला पदार्थ मिला है जबकि पीड़ित ने कहा कि उसने कोई कोरियर नहीं भेजा है इसके बावजूद उन लोगो कस्टम विभाग का डीसीपी बता किसी से बात कराया उसे इस दौरान कार्यवाई की जानकारी देते हुए जेल भेजे जाने का भय दिखाया गया जिससे पीड़ित भयभीत हो गया और बचाव के लिए कहा। जिसपर उसे दो अलग अलग बैंक खाता भेजा गया और बचने के लिए रूपये भेजने को कहा गया। जिसपर पीड़ित घबराहट में आकर बैंक खाते में दो बार में 98754 रूपये भेज दिए। अपने संग ठगी का एहसास होने पर पीड़ित ने मोबाईल नंबर आधार पर साइबर सेल में शिकायत दर्ज करा स्थानीय थाने पर शिकायत की है। पुलिस ने शिकायत पर आईटी एक्ट की धारा में मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सरकारी योजना में मकान व नौकरी के नाम पर महिला से हड़पे पचास हजार रूपये।

खबर दृष्टिकोण लखनऊ। गुडम्बा थाना क्षेत्र में रहने वाली एक महिला ने अपने परिचितों पर सरकारी योजना में आवास दिलाने एवं नौकरी दिलाने के नाम पचास हजार रूपये हड़पने का आरोप लगा शिकायत की है। शिकायत पर पुलिस ने धोखाधड़ी एवं अमानत में ख्यानत की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। दुबग्गा थाना क्षेत्र में रहने वाली पीड़िता अनीता तिवारी पत्नी सियाराम तिवारी के मुताबिक उसने अपने परिचित महिला हीना सिंह पत्नी बांकेबिहारी सिंह निवासी न्यू हैदर गंज थाना ठाकुर गंज के बातो में फंसकर कर सरकारी योजना के अन्तर्गत आवास एवं नौकरी दिलाने के लिए दो वर्ष पूर्व पचास हजार रूपये दिए थे लेकिन न ही उसे सरकारी आवास मिला और न ही नौकरी मिली । जिसपर उसने अपने पैसे वापस मांगे तो वह उसे टरकाती रही लेकिन पैसा नहीं दी। जिससे तंग आकर पीड़िता ने महिला के खिलाफ स्थानीय थाने पर शिकायत की है। पुलिस ने शिकायत पर धोखाधड़ी एवं अमानत में ख्यानत की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई में जुटी है।

बीए प्रथम वर्ष की किशोरी छात्रा ने फांसी लगा दी जान

खबर दृष्टिकोण आलमबाग। आशियाना थाना क्षेत्र में रहने वाली एक किशोरी छात्रा ने बीती रात अपने घर के प्रथम तल पर बने टीनशेड कमरे में लोहे के एंगल से दुपट्टे के सहारे फांसी का फंदा बना फांसी लगा अपनी जान दे दी। भाई ने बहन को फंदे से झूलता देख चीख पुकार मचाने लगे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतका का शव फंदे से उतार पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं पुलिस को मृतका के कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। आशियाना थाना क्षेत्र के सेक्टर एच मकान संख्या ई 3छ34 में रहने वाली केकेसी कॉलेज में बीए प्रथम वर्ष की 17 वर्षीय छात्रा आर्या पुत्री संजय अग्निहोत्री ने शनिवार रात करीब 11रू00 बजे अपने घर के प्रथम तल पर बने टीनशेड के कमरे में दरवाजा बंद कर एंगल से दुपट्टे के सहारे फांसी का फंदा बना फांसी लगा अपनी जान दे दी। छोटा भाई जब बहन को ढूंढते हुए ऊपर गया तो खिड़की से बहन को लटका देख चीख पुकार मचाने लगा जिससे परिवारीजन एवं पडोसी एकत्र हो छात्रा का शव फंदे से निचे उतार पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने छात्रा के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं पुलिस को मृतक के कमरे से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। मृतक छात्रा के पिता के मुताबिक परिवार पत्नी एक बेटा बउवा एवं मृतक छात्रा के साथ रहते थे। मृतका रात्रि समय खाना खा कर पढाई के बहाने अपने कमरे में जाकर फांसी लगा ली।

डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल, मौत

खबर दृष्टिकोण
लखनऊ। बीबीडी थाना क्षेत्र में शनिवार शाम एक बाइक सवार युवक अनियंत्रित डीसीएम की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया था और मौके पर ही युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज भाई की शिकायत पर डीसीएम चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। बीबीडी थाना क्षेत्र के ग्राम अनौरा कला निवासी ननकऊ पुत्र स्व विश्राम पाल ने बताया कि शनिवार शाम करीब 5:00 बजे उसका छोटा भाई मुकेश पाल (25) अपनी बाइक से किसान पथ होकर पपनामऊ की तरफ से गोयल कालेज की तरफ आ रहा था कि किसान पथ पर गौशाला के सामने पीछे से आ रहे डीसीएम यूपी 32 सीजेड 7932 ने तेज रफ्तार में उसके भाई को टक्कर मार दी जिससे उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतक के भाई की शिकायत पर डीसीएम चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

युवक उपेन्द्र की हत्या के फरार छरूआरोपियों को गिरफ्तार करने में नाकाम पुलिस

पीड़ित भाई ने सीएम समेत जनसुनवाई पोर्टल में शिकायत कर फरार आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग

पीड़ित का आरोप आरोपी मुकदमा वापस ना लेने पर पूरे परिवार की हत्या करने की दे रहे धमकी

मोहनलालगंज ।मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र जबरौली गांव में युवक उपेन्द्र की गला कसकर हत्या के फरार छरूआरोपियों को पुलिस घटना के 19दिन बीत जाने के बाद भी गिरफ्तार नही कर सकी ओर जांच चलने की बात कहकर हाथ पर हाथ धरे बैठी है। पीड़ित सजंय ने पुलिस पर जानबूझकर आरोपियों को गिरफ्तार ना करने का आरोप लगाते हुये सीएम योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखने के साथ ही जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर फरार आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है ।पीड़ित सजंय का आरोप है हत्यारोपी मुकदमा वापस लेने का दबाब बना रहे है ओर वापस ना लेने पर पूरे परिवार की हत्या करने की धमकी दे रहे है।धजिसके चलते परिवारध बुरी तरह डरा सहमा हुआ है। मोहनलालगंज के जबरौली गांव निवासी संजय कुमार ने बताया उनके भाई उपेन्द्र की 16अगस्त को गला कसकर हत्या के बाद घटना को आत्महत्या का रूप देने के लिये पुरानी रंजिश में हत्यारो ने फांसी के फंदे से खेत की झोपड़ी में लटका दिया था,मृतक भाई के शव के पोस्टमार्टम में हत्या की पुष्टि होने पर पुलिस ने उसकी तहरीर पर राजकपूर साहू,अरूण साहू,प्राजुंल साहू,पुष्पेन्द्र साहू,गनेश यादव व उनके बेटो पिंटू यादव,सोनू यादव के खिलाफ हत्या समेत एससीध्एसटी एक्ट की धाराओ में मुकदमा दर्ज किया था,जिसके बाद पुलिस ने एक आरोपी पिंटू यादव को हिरासत में लेने के कई दिन बाद जेल भेज दिया था,लेकिन अन्य फरार छरूआरोपियों को घटना के 19दिन बाद भी गिरफ्तार नही कर सकी ।ध्संजय ने बताया हत्यारोपी उसपर व परिवार पर मुकदमाध वापस लेने का दबाब बना रहे ओर वापस ना लेने पर पूरे परिवार की हत्या करने की धमकी ध ।मकी दे रहें है ।आरोपियों की धमकी से पूरा परिवार डरा सहमा हुआ है ।पीड़ित ने सीएम योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखने के साथ ही जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराकर फरार हत्यारोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है ।एसीपी नितिन सिहं ने बताया मुकदमें में हत्या समेत एससीध एसटी की धारा लगी है,जिसकी विवेचना वो स्वंय कर रहे है। फरार आरोपियों की तलाश जारी है,जल्द ही गिरफ्तार कर उन्हे जेल भेजा जायेगा।

मारवाड़ी युवा मंच ने निकाली साइकिल रैली

लखनऊ, संवाददाता। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच द्वारा साइकिल रैली साइक्लोथॉन का आयोजन रविवार को प्रातः 7 बजे, महाराजा अग्रसेन पब्लिक स्कूल सेक्टर–8 जानकीपुरम में किया गया। जिसको लखनऊ में मुस्कान शाखा ,श्रद्धा शाखा, अवध ा शाखा और लखनऊ शाखा द्वारा आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 6 साल के बच्चों से लेकर 60 वर्ष के बुजुर्ग सभी उम्र के प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। रही।

षडयन्त्र कर युवती का शारीरिक शोषण कर उसका व्यक्तिगत फोटोग्राफ, वीडियो वायरल कर बदनाम करने की धमकी देने वाले आरोपी गिरफ्तार।

खबर दृष्टिकोण आलमबाग। आशियाना पुलिस टीम ने रविवार को थाना क्षेत्र से युवती को षड्यंत्र के तहत फंसा कर शारीरिक शोषण करने एवं उसका व्यक्तिगत फोटो वीडियो बना सोसल मिडिया पर वायरल करने की धमकी

देने के मामले में वांछित चल रहे दो शातिरों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। आशियाना थाना प्रभारी अनिल कुमार पांडेय ने बताया कि युवती को फंसा का विश्वास में ले शारीरिक सम्बन्ध बनाने एवं युवती का वीडियो फोटो बना सोसल मिडिया पर वायरल करने की धमकी देने के मामले में पीड़िता की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर कार्यवाई किया जा रहा था। जिस मामले में विशाल कश्यप पुत्र दिलीप कश्यप निवासी 105ध480 श्रीनगर आनन्द बाग आर के नगर थाना चमनगंज जनपद कानपुर नगर हाल पता किराये का कमरा मुन्नु खेडा पारा चार मन्जिला बिल्डिंग थाना पारा को पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चूका है। उक्त मामले में आरोपी के दो अन्य साथी शोहित पाण्डेय उर्फ रोहित पाण्डेय पुत्र स्व0 रवेन्द्र पाण्डेय निवासी मकान संख्या 5 हरिहरनगर, थाना–इन्दिरानगर लखनऊ व मो0 रेहान पुत्र मो0 स्व0 हसीम निवासी निवासी रामनगर, थाना रामनगर, जनपद बाराबंकी की तलाश किया जा रहा था जिन्हे रविवार को बंगला बाजार क्षेत्र के सामुदायिक केन्द्र निकट पीडब्यूडी मार्ग के पास से गिरफ्तार कर दर्ज मुकदमे में कार्यवाई कर जेल भेज दिया गया है।

ढाई सौ ग्राम अवैध चरस संग तस्कर गिरफ्तार

खबर दृष्टिकोण आलमबाग। आलमबाग पुलिस ने शनिवार रात मुखबिर की सूचना पर एक तस्कर को थाना क्षेत्र स्थित भारत पेट्रोल पम्प, एसबीआई मोड के पास, चन्द्रनगर से गिरफ्तार किया। जिसके जामातलाशी में पुलिस को ढाई सौ ग्राम अवैध चरस बरामद हुआ है। जिसपर पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट की धाराओं में कार्यवाई निरुद्ध कर जेल भेज दिया है ।आलमबाग अतिरिक्त प्रभारी शिवशंकर महादेवन के मुताबिक गिरफ्त में आये तस्कर ने अपना परिचय रविनाथ सिंह पुत्र प्रभुनाथ सिंह निवासी 554ख / 8ई विश्वेश्वर नगर थाना कृष्णा नगर लखनऊ के रूप में दिया है।

किशोर ने फांसी लगाकर आत्महत्या

मोहनलालगंज ।मोहनलालगंज

के दहियर मजरा शिवढरा गांव निवासी राजगीर राकेश रावत बताया बीते शनिवार की देर रात परिवार के सभी सदस्य खाना खा रहे थे तभी बेटे करन(17वर्ष) अचानक दरवाजे से घर के अंदर आकर कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर छत में लगी बांस बल्ली में साड़ी के फंदे के सहारे फांसी लगा ली ।काफी देर तक बेटे करन की आहट ना मिलने पर कमरे का दरवाजा खटखटाया लेकिन कोई प्रतिक्रिया नही मिली,जिसके बाद कमरे की छत में चढकर सीमेंट की चादरे हटायी तो अंदर बेटे का शव साड़ी के फंदे के सहारे लटक रहा था,जिसके बाद परिजन आनन–फानन बेटे के जिंदा होने की आस में फंदे से उतारकर सीएचसी लेकर गये,जहां डाक्टरो ने किशोर को मृत घोषित कर दिया ।डाक्टर की सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक किशोर के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पीएम के लिये भेजा ।इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया प्रथम दृष्टया जांच में प्रेस प्रसग में किशोर द्वारा आत्महत्या किये जाध्ने की बात पता चली है।

उप मुख्यमंत्री ने सीएम ने अन्नप्राशन प्रेरणा महिला लघु उद्योग का किया निरीक्षण

पूर्व विधायक स्वद्धरानरेश रावत की प्रतिमा का किया अनावरण

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आज जनपद बाराबंकी के ग्राम पंचायत प्यारेपुर सरैया मे उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत संचालित अन्नप्राशन प्रेरणा महिला लघु उद्योग केंद्र का जायजा लिया तथा उद्योग केंद्र मे बनने वाली 6 माह से 3 वर्ष तक के बच्चो के लिए बनने वाली रेशपी, 3 वर्ष से 6 वर्ष तक के बच्चो, गर्भवती एव धात्री महिलाओ के लिए आटा वेशन हलुआ, बर्फी व मुंग दाल खिचड़ी व कुपोषित बच्चो के लिए ऊर्जा युक्त हलुआ सामग्री की क्वालिटी का जायजा लिया। उपमुख्यमंत्री टी एच आर प्लांट की सराहना की और स्वयं सहायता समूहों की दीदियों का उत्साहवर्धन किया ।केशव प्रसाद मौर्य ने उद्योग केंद्र को सौर ऊर्जा से संचालित कराने का आश्वासन दिया तथा समूह की महिलाओ का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि महिलाओ के सशक्तीकरण का बेहतर प्रयास देखने को मिला। आज महिलाए किसी भी मायने मे पुरुषो से पीछे नही है। निरीक्षण के दौरान माननीय सांसद उपेंद्र सिंह रावत, माननीय विधायक साकेन्द्र प्रताप वर्मा, माननीय अंगद सिंह,

माननीय श्रीमती राजरानी रावत, परियोजना निदेशक मनीष कुमार, जिला विकास अधिकारी भूषण कुमार आदि गणमान्य उपस्थित रहे। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने प्रध ानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अंतर्गत निर्मित लखनऊ अयोध्या रोड से ग्राम गदिया सम्पर्क मार्ग का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सड़क की गुणवत्ता ठीक मिली। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने लखनऊ जाते समय सफेदाबाद–बाराबंकी मुख्य मार्ग से रघईपुर, मुबारकपुर होते हुए गदिया संपर्क मार्ग का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बताया कि यह मार्ग प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के तहत बनी है। डिप्टी सीएम ने सड़क से गदिया गांव तक पहुंचे। मौर्य ने गदिया गांव के पास रुककर सड़क से जाने वाले राहगीरों को रोक उनसे फीडबैक भी लिया ।

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने पारिजात संस्थान, प्यारे पुर, निकट सफदरजंग बाराबंकी मे पूर्व विधायक, स्वर्गीय राम नरेश रावत की प्रतिमा का अनावरण कर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की और अपने क्षेत्र में उनके द्वारा किए गए विकास कार्यों की चर्चा की। इस दौरान जनप्रतिनिधि ागण, गणमान्य नागरिक ,घ्व जिले के अधिकारी प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

गंदे कूड़े से हो रहा ऐशबाग रामलीला मैदान का पटान, जनता में आक्रोश

लखनऊ, संवाददाता। राजधानी लखनऊ स्थित प्राचीन ऐशबाग रामलीला मैदान जहां प्रत्येक वर्ष दशहरे में राम लीला का आयोजन व दशहरा पर्व बड़े धूमधाम से मनाया जाता है। तथा प्राचीन समय से ऐशबाग रामलीला मैदान हिंदू समाज की आस्था का केंद्र है। इस स्थान की विशेषता इस बात से भी लगाई जा सकती है कि वर्ष 2017 मैं देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने यहीं से चुनाव का आगाज किया था। एवं संत शिरोमणि तुलसीदास ने यहां प्रवास किया लेकिन आज ऐशबाग रामलीला मैदान का व्यवसायीकरण एवं उसकी हरियाली को छिन्न–भिन्न करने एवं दयनीय स्थित कर देने पर क्षेत्र वासियों में खासा आक्रोश है।

डीसीएम की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल, मौत

खबर दृष्टिकोण लखनऊ। बीबीडी थाना क्षेत्र मेंशनिवार शाम एक बाइक सवार युवक अनियंत्रित डीसीएम की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गया था और मौके पर ही युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज भाई की शिकायत पर डीसीएम चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। बीबीडी थाना क्षेत्र के ग्राम अनौरा कला निवासी ननकऊ पुत्र स्व विश्राम पाल ने बताया कि शनिवार शाम करीब 5रू00 बजे उसका छोटा भाई मुकेश पाल (25) अपनी बाइक से किसान पथ होकर पपनामऊ की तरफ से गोयल कालेज की तरफ आ रहा था कि किसान पथ पर गौशाला के सामने पीछे से आ रहे डीसीएम यूपी 32 सीजेड 7932 ने तेज रफ्तार में उसके भाई को टक्कर मार दी जिससे उसका भाई गंभीर रूप से घायल हो गया और मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज मृतक के भाई की शिकायत पर डीसीएम चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

अतिक्रमणको लेकर एल्डिको हाइवे प्लाजा उतरेठिया व्यापार मंडल ने पुनः आयोजित की बैठक

खबर दृष्टिकोण लखनऊ। लखनऊ के राय बरेली रोड पर अवैध रूप से कब्जा कर बनाई गई दुकानों से व्याप्त अतिक्रमण के खिलाफ आदर्श व्यापार मण्डल अध्यक्ष ने नगर निगम जोन 8 में घुस कर अर्धनग्न प्रदर्शन किया था,जिस पर नगर निगम जोन 8 के जोनल अधिकारी अजीत राय की टीम ने अतिक्रमण मुक्त कर दिया था ।लेकिन उसके बाद फुटपाथ पर कब्जा जमाए लोगों के गुट ने फिर से रायबरेली रोड स्थित फुटपाथ,नाले पर कब्जा कर लिया है। इसी विषय पर आदर्श व्यापार मंडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय गुप्ता की अध्यक्षता एक महत्वपूर्ण बैठक साईं विहार गेस्ट हाउस कृष्ण विहार कालोनी में रविवार को संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता ने की, अध्यक्ष संजय गुप्ता ने हाईवे प्लाजा व्यापारियों की समस्याएँ सुनी। और जल्द ही उनका निवारण करने का आश्वासन दिया। उनका कहना था कि स्थानीय पुलिस,और नगर निगम के स्थानीय कर्मचारियों की मिलीभगत से ही दुबारा कब्जा किया जा रहा है। इसकी शिकायत,महापौर, नगर आयुक्त, और पुलिस कमिश्नर से व्यापार मंडल करेगा। और अगर कार्रवाई नहीं होती तो व्यापार मंडल सड़क पर उतरेगा ।बैठक में प्रमुख रूप से तेलीबाग व्यापार मंडल अध्यक्ष राजन मिश्रा आलमबाग व्यापार मंडल अध्यक्ष मोहित कपूर, पीजीआई व्यापार मण्डल अध्यक्ष अमित अग्रवाल,हाइवे प्लाजा आदर्श व्यापार मंडल अध्यक्ष क्षितिज अवस्थी, और व्यापार मंडल के पदाधिकारी मौजूद रहे।

अनशन के तीसरे दिन शाजापुर से रेलवे ऑफिसर चौधरी एवं जेड यू आर सी सी सदस्य तिवारी ने आकर की बात

पचोर (हरीश भारतीय) खबर दृष्टिकोण। नगर में रेलवे गेट बंद होने की समस्या से परेशान नागरिकों के लिए अनशन पर बैठे रामचंद्र नागर के समर्थन में मात्र 24 घंटे के लिए पूर्व नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि पंकज यादव के अनशन पर बैठकर अपना समर्थन दिया। पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह के इस मसले पर ट्वीट करने के बाद कई कांग्रेसियों का समर्थन मिला। वही भाजपा नेता नगर परिषद अध्यक्ष विकास करेड़िया भाजपा जिला मंत्री राधेश्याम गुर्जर संदेश राजोरे मनीष कर्नल हेमंत शर्मा ने रेलवे विभाग की तरफ से आए अफसरों के साथ अनशन स्थल पर पहुंचकर अनशन रत लोगों तथा समस्या से ग्रस्त नागरिकों से बात की। वहीं अनशन स्थल पर पहुंचे,भाजपा नेताओं ने नागरिकों से बात की तो नागरिकों का कहना था कि उक्त गेट खोला जाना चाहिए।वहीं भाजपा नेताओं सहित अफसरों तथा सभी का मत था कि किसी भी दृष्टि से गेट का पुनः खोला जाना संभव नहीं है।विकल्प के रूप में गेट वाले स्थान पर एक अंडरपास या फुटओवर ब्रिज बनाया जाना संभव है। जब नागरिक और अनशन रत इस बात पर सहमत हो गए तो रेलवे अफसरों ने भाजपा नेताओं जनप्रतिनिधियों के साथ रेलवे पटरी के आसपास दौरा किया और यह पाया कि ना तो हनुमान मंदिर वाली गली में अंडर पास संभव है और मुख्य गेट के पास भी अंडर पास में जगह कम पड़ रही है तो विकल्प के रूप में दूसरी जगह का मुआयना करवाया। अधिकारियों ने उक्त स्थल के बारे में कहा कि हां यह जगह भी पर्याप्त है लेकिन हम रेलवे के बड़े अफसरों के संज्ञान में लाकर ही यहां पर वैकल्पिक मार्ग का आश्वासन दे सकते हैं।जब रेलवे अफसरों और अध्यक्ष विकास करेड़िया ने नागरिकों को विभाग का पत्र दिखाया कि उक्त जगह की समस्या विभाग के पास पहुंच गई है तथा उन्होंने एफओबी या अंडरब्रिज निर्माण का प्रस्ताव तैयार कर कार्यालय भेजने की बात कही है। तो नागरिक कहने लगे कि यही बात सांसद को अनशन स्थल पर आकर दोहराना चाहिए। उपस्थित भाजपा नेताओं ने कहा किजब रेलवे विभाग ने पत्र लिखकर अवगत करा दिया है कि यहां पर फुटओवर ब्रिज या अंडरपास के लिए हमने सर्वे कराना शुरू कर दिया है तो फिर किसी और के आश्वासन की गुंजाइश कहां रह जाती है।

रेलवे गेट खोले जाने की संभावना नहीं होने की बात बताने पर उपस्थित आंदोलनकारी ने जमकर हल्ला किया तो फिर रेलवे अफसर वहां से उठकर चले गए।चौथे दिन के अनशन के लिए पूर्व पार्षद सुदीप सिंह शक्तावत तथा कॉलोनी निवासी मनीष यादव ने रामचंद्र नागर के समर्थन मेंअनशन पर बैठने की घोषणा की। हालांकि भाजपा नेताओं द्वारा जब बाद में रेलवे अधिकारियों से बात की गई तो उनका कहना था कि हम हमारी तरफ से पूरी तरह प्रयासरत हैं कि उचित जगह पर फुटओवर ब्रिज या अंडरपास शीघ्र अति शीघ्र बना दिया जावेगा।

सेवानिवृत्त शिक्षक नारायण सिंह मालवीय का मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के द्वारा किया स्वागत

पचोर (खबर दृष्टिकोण)। शासकीय हाई स्कूल साबरस्या के प्रभारी प्राचार्य नारायण सिंह मालवीय की सेवानिवृत्ति 31 अगस्त 2023 को हो जाने के दौरान उनके द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए इस दौरान मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के सदस्यों द्वारा श्री मालवीय का साफा बांधकर पुष्पहारों से स्वागत किया गया इस अवसर पर मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के संभाग के अध्यक्ष राम रतन सिंह चौहान ने कहा कि नारायण सिंह मालवीय हमेशा एक ईमानदार शिक्षक रहे हैं और पूरे जीवन उन्होंने शिक्षा विभाग की सेवा तन मन से की है मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला राजगढ़ के जिला संयोजक दिनेश चौहान ने कहा कि नारायण सिंह मालवीय ने पूरे 42 वर्ष शिक्षा विभाग में सेवा दी है वह जन शिक्षक प्राचार्य विभिन्न पदों पर रहे लेकिन हमेशा उनकी छवि स्वच्छ शिक्षक की रही है कर्तव्य के प्रति सजग रहकर हमेशा उन्होंने बच्चों के हित में कार्य किया मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के नगर अध्यक्ष हरीश शर्मा ने कहा कि मालवीय जी को में पिछले 40 वर्षों से जानता हूं मेरे डाइट के सहपाठी भी रहे हैं वह वे जहां भी रहे उनका शिक्षकों के प्रति अपार स्नेह रहा इस अवसर पर मध्य प्रदेश शिक्षक संघ जिला अध्यक्ष नरसिंह शर्मा ब्लॉक अध्यक्ष घासीराम मालवीय तहसील अध्यक्ष मोहन जाटव उपाध्यक्ष मांगीलाल भिलाला शिव देथलिया अर्जुन वात्रे गोपाल सेवनिया रमेश राजपूत रामबाबू कारपेंटर माखन सौराष्ट्रीय छगन मालवीय सुनील ब्यास संजय चौहान दुर्गा प्रसाद जोशी एलकार सिंह राजपूत ओम प्रकाश लोधा तेज सिंह भिलाला सहित शिक्षक एवं ग्रामीण जन उपस्थित थे।

जब चाहे गुल हो रही बिजली रात व दिन में ट्रिपिंग से भी लोग हलाकान

पचोर (खबर दृष्टिकोण)। बार–बार बिजली गुल होने से ग्रामीण परेशान होने के साथ पानी का संकट भी बढ़ रहा है दो दिनों से हो रही बिजली कटौती से परेशानी बढ़ती जा रही है अघोषित विद्युत कटौती के चलते पीने के पानी की किल्लत भी होने लगी है एक तरफ बारिश नहीं होने से गर्मी और उमस ने लोगों को परेशान कर रखा है वही दूसरी और बिजली की आंख मिचोली लोगों को परेशान कर रही है 24 घंटे में कब बिजली आ जाए और चली जाए कहा नहीं जा सकता है इसी क्रम में रविवार को विद्युत स्टेशन मऊ पर ट्रांसफार्मर में तकनीकी खराबी की चलते प्रातः 6रू00 बजे से बंद बिजली 3रू00 बजे तक चालू नहीं हो सकी तथा बीच में बंद चालू होती रही जो की दिन भर यह सिलसिला चलता रहा बिजली न होने के कारण गर्मी और उमस से लोगों को बुरा हाल किया विद्युत सिस्टम सुधारने की बजाय लगातार बिगड़ रहा है दिन एवं रात में3 से4 बार ट्रिपिंग होना आम बात हो गई है हर क्षेत्र की जनता विद्युत कटौती और ट्रिपिंग को लेकर परेशान है सुबह से जो ट्रिपिंग शुरू होती है शाम तक न जाने कई बार लाइट गुल होने का सिलसिला लगातार चलता रहता है वहीं रात मेंभी बिजली सप्लाई बंद होने का सिस्टम अनवरत जारी है इसके बाद जब उपभोक्ता बिजली अधिकारियों को सूचना देता है तो एक ही जवाब मिलता है कि फाल्ट आ गया है सुधार कार्य जारी है पड़ना सहित आसपास के गांव में बिजली के हाल बेहाल है जिसके चलते लोग परेशान है।

जर्जर सड़क के निर्माण पर अड़े किसान नेता,15वें दिन भी अनिश्चितकालीन धरना रहा जारी

मोहनलालगंज एखुजौली– नगराम जर्जर मार्ग के तत्काल निर्माण समेत किसानो की जमीनो का सर्किल रेट बढाने जाने की मांग पर अड़े भारतीय किसान मजदुर संगठन का अनिश्चितकालीन धरना 15वें दिन रविवार को भी प्रदेश अध्यक्ष प्रताप बहादुर के नेतृत्व व जिलाध्यक्ष दिनेश यादव,जिला उपाध्यक्ष जंग बहादुर,जिला महासचिव प्रेमचंद व ब्लाक अध्यक्ष अशोक यादव समेत पदाधिकारियों व किसानो की मौजूदगी में खुजौली चौराहे पर जारी रहा।ज्ञात हो जर्जर सड़क के निर्माण पर अड़े किसान नेताओ की एसडीएम समेत पीडब्लूडी विभाग से वार्ता विफल हो गयी थी,जिसके बाद किसान नेताओ ने अनिश्चितकालीन धरना जारी रखने का घ्लाघ्न किया था।प्रदेश अध्यक्ष प्रताप बहादुर ने बताया जर्जर सड़क का निर्माण शुरू होने समेत किसानो की जमीनो का सर्किल रेट डीएम द्वारा तत्काल बढाये जाने के बाद ही अनिश्चितकालीन धरना समाप्त होगा,अगर अफसर नही चेते तो आर पार की लड़ाई लड़ने को किसान तैयार हैं।रविवार को ब्लाक प्रमुख ओम प्रकाश शुक्ला अनिश्चितकालीन धरने पर बैठे किसान नेताओ से मिलने पहुंचे।उन्होने किसान नेताओ को जर्जर सड़क के जल्द निर्माण के लिये विभागीय मंत्री समेत उच्चाधिकारियों से मिलने का आश्वासन दिया।इस मौके पर राजेश पांडे,ब्लाक उपाध्यक्ष सुरेश पाल,रामकिशोर,मुन्नीलाल,रामलखन,महेशकुमार,अखिलेश,रामलोधी,महामंत्री हरपाल सिहं वर्मा,राजेश कुमार,सुरेन्द्र यादव मौजूद रहें।

अल्प वर्षा से फसलों में हुए नुकसान को लेकर सारंगपुर तहसील को सूखाग्रस्त घोषित करने की विधायक ने मुख्यमंत्री को लिखा मांग पत्र

पचोर (खबर दृष्टिकोण)। क्षेत्र के विधायक कुंवर कोठार ने मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को पत्र लिखकर विधानसभा क्षेत्र सारंगपुर में अल्प वर्षा से खराब हो रही फसलों का सर्वे करवाकर सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग की गई है मुख्यमंत्री श्री चौहान को लिखे पत्र में श्री कोठार ने लिखा है कि मेरे विधानसभा क्षेत्र सारंगपुर के किसानों द्वारा मुझे अवगत कराया और मेरे द्वारा स्वयं भी निरीक्षण किया गया बता दे की वर्तमान में औसत से कम बारिश होने से खरीफ की फसल का किसानों को किसी प्रकार का लाभ नहीं मिलेगा तथा बारिश कम होने से आने वाली रबि की फसल भी नहीं होगी विधानसभा क्षेत्र सारंगपुर को सूखाग्रस्त घोषित करने की मांग की है क्योंकि क्षेत्र में करीब दो माह से वर्षा नहीं होने के कारण किसानों के खेतों में खड़ी सोयाबीन फूल एवं पत्ते के साथ दाने पर है इसके चलते यह स्थिति निर्मित हुई है किसानों के खेतों में खड़ी सोयाबीन की फसल खराब हो रही है उक्त स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए सारंगपुर विधानसभा क्षेत्र सारंगपुर को सूखाग्रस्त घोषित करवा कर किसानों के हित मैं कदम उठाने की मांग की गई है।

अमर शहीद की गाथा..

किला अमरगढ़ के रियल हीरो अमर शहीद कुंवर जयेंद्रसिंह

गोली लगने के बाद भी हैंडग्रेनेड दाग उड़ा दिया था दुश्मन का मोर्चा, 6 सितंबर को 58 वें शहादत दिवस पर विशेष

पचोर (खबर दृष्टिकोण)। ये 6 सितंबर 1965 की एक खूनी सुबह थी। जब भारत–पाक सीमा पर दोनों ओर से गोलाबारूद दागने, टैंकों की घरघराहट और राइफल व मशीनगनों की कर्कश आवाजें माहौल को लगातार भयाभय बना रही थीं। दरअसल, सीमा पर अप्रैल के महीने से शुरू हुआ भारत–पाकिस्तान के बीच छिड़ा युद्ध अब निर्णायक दौर में पहुंच रहा था। दोनों तरफ ही भारी संख्या में सैनिक जान गंवा चुके थे। कश्मीर की दूसरी लड़ाई के तौर पर जानी जाने वाली इस दूसरी जंग में अन्य रेजिमेंट के साथ डोगरा रेजिमेंट भी फ्रंट पर थी, जिसके जांबाज सिपाही, दुश्मनों के दांत लगातार खट्टे कर रहे थे। इसी रेजीमेंट की 15वीं बटालियन में तैनात लेफ्टिनेंट जयेंद्र सिंह अपनी टुकड़ी के साथ दुश्मन से लोहा ले रहे थे। सुबह के छह बजने को थे और उजाला फैल चुका था। मगर छम्ब (कश्मीर) की घाटी में बारूद के धुंआ से आसमान अब भी काला था। लेफ्टिनेंट जयेंद्र सिंह अपने प्लाटून को लेकर सबसे आगे बढ़ रहे थे। उनका लक्ष्य था कि वे दुश्मन सेना के एलएमजी मोर्चे को ध्वस्त करें, जो भारतीय सेना के आगे बढ़ने के रास्ते में सबसे बड़ा रोड़ा था। दुश्मन के एलएमजी मोर्चा को उखाड़ फेंकने के लिए लेफ्टिनेंट जयेंद्र अपनी कोहनी के बल सावधानी से खिसकते हुए आगे बढ़ रहे थे। उनके दोनों हाथों में हैंडग्रेनेड थे। बदकिस्मती से मोर्चे से महज थोड़ी दूरी पर ही दुश्मन खेमे से लगातार बरस रही गोलियों में से एक गोली सीधी आकर उनके सिर के पास जा धंसी। सिर से लहू का फव्वारा छूट पड़ा। लेकिन वीर जवान ने अपना दम छूटने से पहले ही अपने हाथों में पकड़े एलएमजी मोर्चे पर दे मारे और उसे ध्वस्त कर दिया। दुश्मन सैनिकों के परखच्चे उड़ गए जिससे टुकड़ी के लिए आगे बढ़ने का रास्ता साफ हो गया।

बड़े भाई को लिखा था अंतिम पत्र

अपनी शहादत के महज दो दिन पहले यानि 4 सितंबर 1965 को जयेंद्र ने अपने बड़ेभाई तत्कालीन एडिशनल कमिश्नर नारायण सिंह को एक पत्र लिखा था। जिसमें उन्होंने जंग के मौजूदा हालतों में वापसी न हो पाने की आशंका जाहिर की थी।लेफ्टिनेंट जयेंद्र सिंह के भतीजे अजय सिंह बताते हैं कि उनके पिता को काका जयेंद्र सिंह ने यह खत अमृतसर बेस से रवाना होने से पहले लिखा था। इसमें उन्होंने अपनी बटालियन के साथ फ्रंट लाइन छम्ब (कश्मीर) जाने की बात बताते हुए लिखा था कि–ष्पता नहीं अब वापसी हो या नहीं। इसलिए आप पिता (जागीरदार रामसिंह) और परिवार का खयाल रखिए। इस अंतिम खत के बाद परिजनों को उनकी शहादत की जानकारी ही मिली। जो 23 सितंबर को कमांडिंग ऑफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल एआर सिंह ने उन्हें पत्र के जरिए भेजी थी।

इंदौर उज्जैन में हुई पढ़ाई, हॉकी भी खेली

लेफ्टिनेंट जयेंद्र राजगढ़ रियासत की किला अमरगढ़ के जागीरदार रहे ठाकुर रामसिंह के बेटे थे। उनके बड़े भाई इंदौर, देवास, ग्वालियर, मुरैना आदि जिलों में कलेक्टर रहे और जबलपुर कमिश्नर बतौर रिटायर्ड हुए। जबकि दूसरे भाई उस समय विदेश सेवा में थे। किला अमरगढ़ में जन्में जयेंद्र की शुरुआती शिक्षा डेली कॉलेज इंदौर में हुई। उन्होंने उज्जैन के माधव कॉलेज में भी पढ़ाई की। बाद में क्रिश्चियन कॉलेज से अंग्रेजी में एमए किया था। वे शुरू से ही बेहतरीन एथलीट और हॉकी के बहुत शानदार खिलाड़ी थे। प्रदेश और दूसरी जगहों पर आयोजित कई खेल प्रतियोगिताओं में उन्होंने भाग लिया और मेडल भी जीते थे।

डेली कश्वलेज में पढ़े और फिर दो साल तक पढ़ाया भी

पढ़ाई खत्म करने के बाद उन्होंने मध्यभारत के सबसे प्रसिद्ध डेली कॉलेज में दो सालों तक अध्यापन भी किया। वे यहां हॉकी की कोचिंग भी देते रहे। इसी बीच सन 1963 में उनका सिलेक्शन इंडियन आर्मी में हो गया। 8 महीने की सफल ट्रेनिंग के बाद उन्हें कमीशन मिला। वे डोगरा रेजिमेंट की 15वीं बटालियन का हिस्सा बने। 26 अक्टूबर 1963 से 26 अक्टूबर 1964 तक कश्मीर फ्रंट पर उन्होंने सेवा दी। अपनी उत्कृष्ट सेवा के लिए सेना ने उन्हें 1 दिसंबर 1965 को सैन्य सेवा पदक से सम्मानितभी किया था।

जयेंद्र के नाम से हुआ डेली कॉलेज से जोपीओ चौराहे की सड़क का नामकरण।

शहीद लेफ्टिनेंट जयेंद्र सिंह की स्मृति को चिरस्थाई बनाने के लिए सरकार ने 1966 में इंदौर में डेली कॉलेज से जीपीओ चौराहा तक की सड़क का नाम उनके नाम पर रखा। उनके नाम की पट्टिका भी लगाई गई थी। ' मगर अव्यवस्था के चलते वो कहां गई, नहीं पता। बाद में इंदौर नगर निगम ने इस पट्टिका को वापस लगाने में रुचि नही दिखाई । राजगढ़ के किला अमरगढ़ में भी पैतृक गड़ी में उनके नाम का एक स्मारक बनाया गया। तत्कालीन शिक्षा मंत्री अर्जुनसिंह इसके लोकार्पण पर आए थे। यहां अब भी उन्हें शहादत और अन्य मौकों पर याद कर श्रद्धांजलि दी जाती है। स्थानीय प्रशासन और जिम्मेदारों की रुचि के अभाव में राजगढ़ के इस अमर शहीद की वीर गाथा से उनके अपने क्षेत्र के अधिसंख्य लोग भी अब तक अनजान ही हैं।।

सेवानिवृत्त होकर गांव पहुंचे जवान का ग्रामीणों ने किया भव्य स्वागत कर सम्मान

पचोर (खबर दृष्टिकोण)। देश की सेवा में वर्षों तक अपनी सेवाएं देकर सेवानिवृत होकर अपने गांव लोटे सीआरपीएफ सेना के जवान का ग्रामीणों ने रविवार को आगरा मुंबई राष्ट्रीय राजमार्ग टोल प्लाजा पर पहुंचने के दौरान भव्य स्वागत किया गया इस दौरान टोल प्लाजा से करीब 4 किलोमीटर नैनवाड़ा गांव तक राम मानव सेवा समिति के द्वारा डीजे की धुन में मोटरसाइकिलों की लंबी कतार के साथ–साथ युवाओं का काफिला देश भक्ति गीत की धुन में फूलों की वर्षा के साथ आतिशबाजी करते हुए उनके ग्रह ग्राम नैनवाड़ा पहुंचा उनका ग्राम वासियों के द्वारा तिलक लगाकर आरती कर फूल माला पहनकर स्वागत किया गया 22 वर्ष की सेवा पूर्ण कर अपनी जन्मस्थली नैनवाड़ा गांव पहुंचने पर घर–घर से लोगों ने फूलों की वर्षा कर प्रेम सिंह राजपूत का अभिनंदन किया इस दौरान सेवानिवृत्ति जवान ग्रामीणों से आह्वान किया कि देश की सेवा के लिए हमें हमेशा तत्पर रहना चाहिए इसके लिए सर्वप्रथम हम अपनी शिक्षा और संस्कारों के प्रति जागरूक होना होगा तथा अपने सेवा कार्यकाल के अनुभव भी जवान के द्वारा साझा किया गया इस दौरान ग्रामीण जन दिनेश राजपूत ने कहा कि हमें गर्व है कि हमारे गांव के जवान देश की रक्षा के लिए जा करके हमारा गांव का नाम रोशन कर रहे हैं रास्ते में जगह–जगह भारत माता की जय के उद्घोष से जगह–जगह क्षेत्र गूंजायमान होता रहा इस दौरान सरपंच राजेंद्र सिंह राजपूत मांगीलाल सेठ भैरों सिंह सिसोदिया दिनेश चौहान हीरा सिंह सिसोदिया लोकेश चौहान रितेश राठौर राहुल ठाकुर बंटी भिलाला श्याम राजपूत ओम राजपूत मऊ अर्जुन सिंह राजपूत ग्वाड़ा सहित आसपास क्षेत्र के ग्रामीण सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण जन मौजूद थे।

वक्फ बोर्ड के संभागीय प्रभारी पहुंचे राजगढ़

अतिक्रमण संबंधित विषय पर की समीक्षा

पचोर (खबर दृष्टिकोण)। वक्फबोर्ड मध्यप्रदेश के चेयरमैन सनवर पटेल के आदेश पर संभागीय प्रभारी परवेज खान के नेतृत्व में एक टीम वक्फ भूमि से सम्बंधित अतिक्रमण व अवैध कब्जोंको लेकर राजगढ़ दरगाह हजरत बाबा बदरख्शानी रह. पर पहुँची। जहां उनके द्वारा वेध एवं अवैध दुकानों एवं कब्जों का निरक्षण व नापतौल किया गया।वक्फ अधिकारी ने समस्त दुकानदारों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी दुकानदार दुकानों से सम्बंधित समस्त एग्रीमेंट इत्यादि नई दरगाह प्रबंधक कमेटी को तुरन्त प्रभाव से उपलब्ध कराएं अन्यथा उनके विरुद्ध वक्फबोर्ड द्वारा एक पक्षीय कार्यवाही की जाएगी। वक्फबोर्ड द्वारा गठित टीम ने दरगाह प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष मो. शफीक खान व समस्त कमेटी सदस्यों को आदेशित करते हुए कहा कि जहां कहीं भी पूर्व प्रबंधन कमेटियों द्वारा वक्फ की प्रॉपर्टी व वक्फ के पैसे का अवैध इस्तेमाल वक्फ के नियमों के खिलाफ दूसरे स्थानों पर किया गया है तुरंत प्रभाव से उनके विरुद्ध कार्यवाही करते हुए वक्फबोर्ड को सूचित करें। वहीं राजगढ़ नगर में बिरजीपुरा स्थित बिलाल मस्जिद से बिना वक्फबोर्ड की अनुमति से अवैध दुकान निर्माण व पेड़ों की अवैध कटाई की शिकायत मिलने पर वक्फ टीम बिलाल मस्जिद पहुंची और अंजुमन इस्लाम कमेटी सदर राजगढ़ के समक्ष इस अवैध निर्माण को लेकर अपना विरोध जताया।ज्ञात रहे कि अंजुमन इस्लाम कमेटी राजगढ़ वक्फबोर्ड में दर्ज संस्था होकर वक्फबोर्ड के अधीन आती है जिसका आय व्यय का लेखा जोखा भी पिछले कई वर्षों से वक्फबोर्ड में जमा नहीं हुआ है, जिस कारण जल्द ही वक्फबोर्ड द्वारा कोई कार्यवाही संभव है।

नदियों में मछली के शिकार का कारोबार शुरू

खबर दृष्टिकोण

जालौन, कालपी । जालौन 3 महीने का मछलियों का प्रजनन काल समाप्त होने के बाद से यमुना तथा बेतवा नदियों में मत्स्य आखेट करने का कारोबार की अनुमति ठेकेदारों को मिल गई है। जानकारी देते हुए कालपी तहसील के मत्स्य विभाग के प्रभारी अधिकारी मनोज कुमार गुप्ता ने बताया कि 1 जून से 30 अगस्त तक मछलियों के शिकार करने पर पाबंदी रहती है क्योंकि यह 3 महीने का समय मछलियों के प्रजनन काल का समय माना जाता है। उन्होंने बताया कि प्रतिबंधित 3 महीने के अंदर अलगअलग स्थान में यमुना नदी में अवैधानिक तरीके से मछलियों का शिकार करने के मामले में तीन अलगअलग थानो में मुकदमे पंजीकृत कराए गए हैं। कुठौंद, सिरसा कलार तथा कालपी के थान में एक–एक मुकदमा विभाग के द्वारा अवैध मत्स्य आखेट की सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत कराए गए हैं। उन्होंने अवगत कराया की यमुना नदी में 6 खंड है तथा बेतवा नदी में मछलियों के शिकार करने का एक खंड है। सभी वैधानिक ठेकेदारों को मछलियों का शिकार करने की अनुमति दी जा चुकी है। मत्स्य अधिकारी के अनुसार कालपी तहसील के अलग–अलग ग्रामों में छह तालाबों को मत्स्य पालन का पट्टा आवंटित करने की प्रक्रिया चल रही है। उन्होंने कहा कि प्रक्रिया पूरे होने के बाद कई लोगों को रोजगार मिलने लगेगा तथा राजस्व की भी बढ़ोत्तरी होगी।

जी-20 नेताओं को आकाश को छूते भारत को दिखायेंगे

आर.के. सिन्हा

> जी-20 देशों के अधिकतर नेताओं के लिए गांधी जी को श्रद्धा सुमन पेश करने के लिये जाना किसी तीर्थ यात्रा से कम नहीं होगा। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइस इनासियो लूला डिसिल्वा राजघाट 4 जून, 2007 को आये थे। सबको उम्मीद थी कि लूला राजघाट से 15-20 मिनट में विदा हो जायेंगे, पर यह नहीं हुआ। वे राजघाट में करीब 40 मिनट तक रहे। राजघाट से जाते हुये उन्होंने विजिटर्स बुक में लिखा कि 'मैं शांति के दूत महात्मा गांधी की समाधि पर आकर अपने को बहुत बेहतर महसूस कर रहा हूं। गांधी के जीवन का उन पर गहरा प्रभाव रहा है।' वे फिर से राजघाट जा सकते हैं।

आगामी 9-10 सितंबर को राजधानी में जी-20 देशों का शिखर सम्मेलन उस समय आयोजित हो रहा है, जब भारत को अलग-अलग क्षेत्रों में अभूतपूर्व सफलता मिल रही है। बेशक, चंद्रयान-3 की लॉन्चिंग भारतीय अंतरिक्ष की दुनिया में एक गर्व का क्षण है। सैकड़ों वैज्ञानिकों की मेहनत का फल देश को अंततः मिल गया है। चंद्रयान-3 को अंतरिक्ष में पृथ्वी की कक्षा में स्थापित कर दिया गया है। चंद्रयान-3 की कामयाबी से सारा देश गर्व महसूस कर रहा है। इसी तरह से जैवलिन थ्रो में नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतकर देशवासियों को गौरव के फिर से क्षण दिए। वे शायद पहले भारतीय खिलाड़ी हैं जिनसे देश सिर्फ गोल्ड की ही उम्मीद करता है। वे सारे देश के नायक बन चुके हैं। शायद इसीलिए नीरज चोपड़ा ने वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप का गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया। उन्होंने 88.17 मीटर तक जैवलिन फेंका। वे इस तरह वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल जीतने वाले पहले भारतीय बन गए हैं।

नीरज की प्रेरणा के चलते हमारे दो अन्य जैवलिन थ्रोअर क्रमशः किशोर जेना पांचवें और डीपी मनू छठे नंबर पर रहे। खेलों में एथलेटिक्स को सबसे अव्वल स्थान प्राप्त है। खेलों की जननी है एथलेटिक्स। उसी एथलेटिक्स में भारत के हिस्से में ओलंपिक खेलों या वर्ल्ड चैंपियनशिप में एकाध बार को छोड़कर कभी कोई बड़ी सफलता नहीं लगी थी। नीरज चोपड़ा ने टोक्यो ओलंपिक खेलों में जेवलिन थ्रो में गोल्ड मेडल जीतकर साबित कर दिया था कि भारत के खिलाड़ी एथलेटिक्स में भी किसी से कम नहीं हैं। हमारे शतरंज के युवा खिलाड़ी रमेशबाबू प्रज्ञानंदा वर्ल्ड चैंपियन बनने से जरा सा के लिये रह गए। उन्हें शतरंज वर्ल्ड कप के फाइनल में हार मिली। पर उन्होंने संकेत दे दिए कि वे भविष्य के वर्ल्ड चैंपियन हैं।

वर्ल्ड मिलेट वर्ष में जी-20 के मेहमानों को निश्चित तौर पर मिलेट के पकवान भी परोसे जाएंगे कअब इस सकारात्मक माहौल में जी-20 शिखर सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। अब भारत आयोजन के लिए तैयार है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने प्रगति मैदान में पुनर्विकसित अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शनी-सह-सम्मेलन केंद्र (आईईसीसी) का उदघाटन कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन, चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग, ब्राजील के राष्ट्रपति लूला समेत जी- 20 देशों के सभी प्रमुख राष्ट्राध्यक्ष राजधानी नई दिल्ली में आ रहे हैं। पर रूस के राष्ट्रपति पुतिन की कमी खलेगी। वे यूक्रेन युद्ध के कारण सम्मेलन में नहीं आ रहे।

भारत में 1983 के बाद जी-20 सम्मेलन पहला बड़ा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन हो रहा है। तब से भारत लगभग बदल चुका है। अब भारत विश्व की एक बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन चुका है। कुछ समय पहले भारत ब्रिटेन को पछाड़कर विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। अब अमेरिका, चीन, जापान और जर्मनी की ही अर्थव्यवस्था हमारे से आगे है। जी-20 देशों के सम्मेलन में भाग लेने के लिए आने वाले नेताओं को यह तो पता ही होगा कि भारत का सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र लगातार आग बढ़ रहा है। वह वित्त वर्ष 2021-22 में 15.5 फीसदी की वृद्धि के साथ 227 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इस दौरान हुई 15.5 फीसदी की वृद्धि पिछले एक दशक के किसी भी वर्ष में हुई वृद्धि में सबसे अधिक है। भारत से संबंध रखने वाले आई टी पेशेवरों की सारी दुनिया भर में धूम है। आईटी सेक्टर भारत की तस्वीर बदल रहा है।

इसमें कोई शक नहीं है कि जी-20 के नेताओं को भारत में अपनापन मिलेगा और अपने देश के प्रतीक भी मिलेंगे। उदाहरण के रूप में अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन को लेकर खबरें आ रही हैं वे और कुछ अन्य जी-20 देशों के राष्ट्राध्यक्ष भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (पूसा) भी जायेंगे। जाहिर है, वहां पर उन्हें कृषि क्षेत्र में भारत की लंबी छलांग की विस्तार से जानकारी मिलेगी। उन्हें पूसा में अपने देश के महान कृषि वैज्ञानिक नॉर्मन बोरलॉग की कुछ फोटो भी लगी मिलेंगी। पूसा के किसी अधिकारी को बाइडेन को बताना होगा अगर आज भारत खाद्यान्न उत्पादन में आत्म निर्भर हो चुका है तो इसका श्रेय अमेरिका के महान कृषि वैज्ञानिक नॉर्मन बोरलॉग और उनके साथी कृषि वैज्ञानिकों को देना होगा। वे भारत में हरित क्रांति के जनक थे। नॉर्मन बोरलॉग की सरपरस्ती में हुए अनुसंधानों के चलते भारत में भूख को शिकस्त दी। उन्होंने बीमारियों से लड़ सकने वाली गेहूं की एक नई किस्म विकसित की थी। इसके पीछे उनकी यह समझ थी कि अगर पौधे की लंबाई कम कर दी जाए, तो इससे बची हुई ऊर्जा उसके बीजों यानी दानों में लगेगी, जिससे दाना ज्यादा बढ़ेगा, लिहाजा कुल फसल का उत्पादन बढ़ेगा।

जी-20 देशों के अधिकतर नेताओं के लिए गांधी जी को श्रद्धा सुमन पेश करने के लिये जाना किसी तीर्थ यात्रा से कम नहीं होगा। ब्राजील के राष्ट्रपति लुइस इनासियो लूला डिसिल्वा राजघाट 4 जून, 2007 को आये थे। सबको उम्मीद थी कि लूला राजघाट से 15-20 मिनट में विदा हो जायेंगे, पर यह नहीं हुआ। वे राजघाट में करीब 40 मिनट तक रहे। राजघाट से जाते हुये उन्होंने विजिटर्स बुक में लिखा कि 'मैं शांति के दूत महात्मा गांधी की समाधि पर आकर अपने को बहुत बेहतर महसूस कर रहा हूं। गांधी के जीवन का उन पर गहरा प्रभाव रहा है।' वे फिर से राजघाट जा सकते हैं।

जापान के प्रधानमंत्री किशिदा फुमियो को भी दिल्ली में अपने देश के बहुत सारे प्रतीक मिलेंगे। उनके पूर्ववर्ती शिंजो अबे जब भी राजधानी आए तो वे यहां रहने वाले जापानी नागरिकों से भी मिले। वे अपनी 2014 की नई दिल्ली यात्रा के समय वसंत कुंज में स्थित जापानी स्कूल के बच्चों से भी मिले थे। दिल्ली में जापानी राजनयिकों और दूसरे जापानी नागरिकों के बच्चों के लिए जापानी स्कूल खोला गया था। दिल्ली, गुरुग्राम और नोएडा में तीन हजार से अधिक जापानी नागरिक रह रहे हैं। ये मारुति, होंडा सिएल कार, होंडा मोटरसाइकिल, फुजी फोटो फिल्म्स, डेंसो सेल्ज लिमिटेड, डाइकिन श्रीराम एयरकंडशिनिंग, डेंसो इंडिया लिमिटेड जैसी कपनियों में काम करते हैं। ये भगवान बुद्ध के अनुयायी तो हैं ही। ये भारतभूमि को गौतम बुद्ध की भूमि होने के कारण ही पूजनीय मानते हैं। ये मानते हैं कि भगवान बौद्ध का जीवन समाज से अन्याय को दूर करने के लिए समर्पित था। उनकी करुणा भावना ने ही उन्हें विश्व भर के करोड़ों लोगों के हृदय तक पहुंचाया। कुल मिलाकर कहा जा सकता है कि नई दिल्ली में होने वाला जी-20 शिखर सम्मेलन यादगार बनकर रहेगा।

(लेखक, वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं।)

संपादकीय

विशेष सत्र की रणनीति

केंद्र सरकार ने 18-22 सितम्बर तक यानी जी-20 शिखर सम्मेलन के समाप्त हो जाने के बाद संसद का विशेष सत्र आहूत किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का यह कदम जैसा कि प्रायः होता है, चौंकाने वाला ही है। यह घोषणा भी उस समय हुई जब विपक्षी गठबंधन के नेता मुबंई में आगे की योजनाओं को लेकर बैठक कर रहे थे। इस घोषणा में जैसा कि अपेक्षित था विपक्षी नेताओं को चौंकाया भी और हड़ब़ड़ाया भी। जो पहली प्रतिक्रिया उनकी आई वह यही थी कि मोदी समय से पहले ही आम चुनाव कराना चाहते हैं। इस समय की राजनीति का कोई भी अध्येता उसमें सचाई तलाश लेगा और इधर 'एक देश, एक चुनाव' के विचार को सिरे से चढ़ाने के लिए पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में जिस कमेटी के गठन की घोषणा की गई है, उससे भी विपक्षी आशंका की पुष्टि होती है। हालांकि एक देश, एक चुनाव की अवधारणा पर सरकारी खेमा लगातार चर्चा कर रहा है। 2018 के अपने संसदीय संबोधन में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कहा था कि लगातार होते चुनाव मानव संसाधनों पर भारी बोझ ड़ालते हैं और इनके कारण लागू होने वाली आदर्श चुनाव संहिता से विकास की प्रक्रिया बाधित होती है। एक देश, एक चुनाव की यही सैद्धांतिकी है जिसे सरकार अब राजनीतिक तौर पर आगे बढ़ाना चाहती है। विशेष सत्र में कौन-कौन से प्रस्ताव आएंगे और वे भाजपा की चुनावी रणनीति को कैसे प्रभावित करेंगे, यह तो स्पष्ट नहीं है, लेकिन यह तय है कि विशेष संसद सत्र का उपयोग सरकार चुनावी एजेंडे.के तौर पर करेगी। बहरहाल, इधर विपक्षी गठबंधन की मुंबई बैठक आधे-अधूरे परिणामों के साथ समाप्त हो गई है। न तो गठबंधन का कोई लोगो जारी हो सका है और न संयोजक के नाम की घोषणा की जा सकी है। हां, 13 सदस्यों की समन्वय समिति की घोषणा जरूर कर दी गई है। स्पष्ट है मुंबई बैठक के अपेक्षा के अनुरूप परिणाम नहीं आए हैं। ऐसे में अगर सचमुच विशेष सत्र चुनावों को पहले कराने की घोषणा के साथ समाप्त होता है तो जाहिर है कि विपक्षी खेमा नुकसान उठा सकता है। अब होना यह चाहिए कि विपक्षी गठबंधन विशेष सत्र से पहले इतनी तैयारियां कर ले और अपनी एकजुटता का कोई ऐसा व्यवस्थित और विश्वसनीय रूप तैयार कर ले जो जनता को कई अर्थों में एक होने का संदेश दे सके और सरकारी खेमे के लिए वास्तविक चुनौती खड़ी कर सके।

चिंतन-मनन

अहिंसा का आलोक

वे सभी व्यक्ति अहिंसा की शीतल छाया में विश्राम पाने के लिए उत्सुक रहते हैं, जो सत्य का साक्षात्कार करना चाहते हैं। अहिंसा का क्षेत्र व्यापक है। यह सूर्य के प्रकाश की भांति मानव मात्र और उससे भी आगे प्राणी मात्र के लिए अपेक्षित है। इसके बिना शांतिपूर्ण सहअस्तित्व की बात केवल कल्पना बनकर रह जाती है। अहिंसा का आलोक जीवन की अक्षय संपदा है। यह संपदा जिन्हें उपलब्ध हो जाती है, वे नए इतिहास का सृजन करते हैं। वे उन बंधी-बंधाई परंपराओं से दूर हट जाते हैं, जिनकी सीमाएं हिंसा से स्पृष्ट होती हैं। परिस्थितिवाद का बहाना बनाकर वे हिंसा को प्रश्रय नहीं दे सकते। अहिंसा की चेतना विकसित होने के अनंतर ही व्यक्ति की मनोभूमिका विशद बन जाती है। वह किसी को कष्ट नहीं पहुंचा सकता। इसके विपरीत हिंसक व्यक्ति अपने हितों को विश्व-हित से अधिक मूल्य देता है। किंतु ऐसा व्यक्ति भी किसी को सताते समय स्वयं संतप्त हो जाता है। किसी को स्वायत्त बनाते समय उसकी अपनी स्वतंत्रता अपहृत हो जाती है। किसी पर अनुशासन थोपते समय वह स्वयं अपनी स्वाधीनता खो देता है। इसीलिए हिंसक व्यक्ति किसी भी परिस्थिति में संतुष्ट और समाहित नहीं रह सकता। उसकी हर प्रवृत्ति में एक खिंचाव-सा रहता है। वह जिन क्षणों में हिंसा से गुजरता है, एक प्रकार के आवेश से बेभान हो जाता है। आवेश का उपशम होते ही वह पछताता है, रोता है और संताप से भर जाता है। हिंसक व्यक्ति जिस क्षण अहिंसा के अनुभाव से परिचित होता है, वह उसकी ठंडी छांह पाने के लिए मचल उठता है। उसका मन बेचैन हो जाता है। फिर भी पूर्वोपात्त संस्कारों का अस्तित्व उसे बार-बार हिंसा की ओर धकेलता है। ये संस्कार जब सर्वथा क्षीण हो जाते हैं तब ही व्यक्ति अहिंसा के अनुत्तर पथ में पदन्यास करता है और स्वयं उससे संरक्षित होता हुआ अहिंसा का संरक्षक बन जाता है। अहिंसा के संरक्षक इस संसार के पथ-दर्शक बनते हैं और हिंसा, भय, संत्रास, अनिश्चय, संदेह तथा असंतोष की अरण्यानी में भटके हुए प्राणियों का उद्धार करते हैं।

50 साल बाद भयंकर सूखे की आशंका

सनत जैन

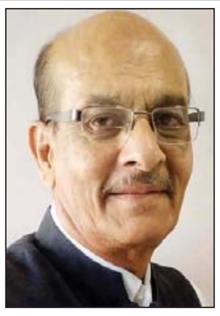

भारत में मौसम का चक्र बदल गया है 50 साल बाद भयंकर सूखे की आशंका व्यक्त की जा रही है हिमालय क्षेत्र में जहां सबसे कम बारिश होती थी। वहां पर भारी बारिश होने से भूस्वखलन से हजारों मकान जमीदोज हो गए। प्रकृति ने हिमालयन क्षेत्र में भारी नुकसान पहुंचाया है। हिमाचल, उत्तराखंड में कहर देखने को मिला। अनियमित बारिश के कारण देश में 50 साल बाद सबसे बड़े सूखे की आशंका व्यक्त की जा रही है। अगस्त माह में बहुत कम बारिश हुई है। मौसम बदलाव की दो बड़ी वजह वैज्ञानिक बता रहे हैं। जलवायु परिवर्तन के कारण वायुमंडल में ग्रीन हाउस में गैसों की मात्रा बढ़ रही है। फलस्वरूप पृथ्वी का तापमान बढ़ता ही जा रहा है। अलनीनों मौसमी चक्र है, इसका प्रभाव बारिश पर पड़ रहा है। जब बारिश होनी चाहिए थी, तब बारिश नहीं हुई। जो बारिश हुई, या तो वह समय से पहले हो गई। जिसके कारण फसलो की बुवाई नहीं हो पाई थी। जब फसल बोई गई, उसके बाद पानी नहीं गिरा, फसले सूखने लगी। बांधों में पानी नहीं भरा। तापमान अगस्त और सितंबर के माह में बढ़ने लगा। 1 माह पहले मौसम बदलने के कारण सीताफल अमरूद के फल बाजार में आने लगे। कांस में फूल लगने लगे, कांस में फूल तभी लगते हैं जब मानसून की विदाई होने लगती है। आमतौर पर कांस में अक्टूबर माह के बाद फूल लगते हैं। जो इस बार अगस्त में ही दिखने लगे। सारे देश में 12 से लेकर 17 फीसदी औसत बारिश कम हुई है। कई स्थानों पर बारिश 30 से 50 फीसदी तक कम होने से मानसून के साथ-साथ फसल चक्र भी बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। बारिश नहीं होने से बांध नहीं भरे गए जो फसल किसानों ने वही थी पानी नहीं गिरने से वह सूखने लगी क्योंकि बारिश कम हुई है। बांध नहीं भरे हैं। इसके कारण आगे भी सिंचाई और पेयजल के लिए बड़े संकट की आशंका व्यक्त की जाने लगी है। अगस्त में 122 साल के बाद सबसे कम बारिश होने का रिकॉर्ड बना है। अभी तक मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में 36 फीसदी कम बारिश होने की सूचना मानसून विभाग ने दी है। मध्य प्रदेश के 32 जिले सूखे की चपेट में है। सोयाबीन, मक्का, धान सहित अन्य फसलों को भारी नुकसान हो रहा है। कुछ ऐसी ही स्थिति छत्तीसगढ़ के अलावा अन्य राज्यों में देखने को मिल रही है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार अबकी बार सामान्य से 50 फीसदी कम बारिश होने का अनुमान है। बंगाल की खाड़ी से जो मानसून सक्रिय होता था। वह इस बार बहुत कमजोर है। मौसम वैज्ञानिक सितंबर माह में बारिश होने की संभावना तो व्यक्त कर रहे हैं, लेकिन मानसून कमजोर होने के कारण पर्याप्त बारिश नहीं होने की कोई संभावना भी व्यक्त कर रहे है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने यह कहकर और चिंता बढ़ा दी है कि 50 साल बाद सबसे बड़ा सूखा मध्य प्रदेश में पड़ने की संभावना है। तापमान ज्यादा होने से बिजली की डिमांड बढ़ गई है। फसलों की सिंचाई के लिए पानी की मांग समय के पूर्व बढ़ गई है। मुख्यमंत्री ने सभी प्रदेशवासियों से प्रार्थना की है, कि वह अपनी ओर से भगवान से प्रार्थना करें। बारिश समय पर और अच्छी बारिश हो। मौसम की मार अकेले मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ या भारत में देखने को नहीं मिल रही है। दुनिया के लगभग सभी देशों में मौसम का चक्र बड़ी तेजी के साथ बदल रहा है। जहां बारिश नहीं होती थी, वहां तेज बारिश हुई है। जहां ज्यादा बारिश होती थी, वहां सूखा पड़ा हुआ है। बारिश का समय चक्र बदल रहा है। जिसके कारण सारी दुनिया में खाद्यान्न संकट की आशंका भी जताई जाने लगी है। मौसम विज्ञानी कह रहे हैं, कि इस बार 40 से 50 फीसदी बारिश कम होगी। इससे सरकारों के हाथ-पैर फूलने लगे हैं। पिछले कई दशकों से भारत खाद्यान्न के मामले में आत्मनिर्भर बना हुआ था। जरूरत से ज्यादा भंडारण खाद्यान्न का रहता था। पिछले कई वर्षों से हम खाद्यान्न निर्यात भी करने लगे थे। जिस तरह की स्थिति वर्तमान देखने को मिल रही है। उसने सभी को चिंता में डाल दिया है। खाद्यान्न और पेयजल संकट के साथ-साथ बिजली का संकट भी आने वाले समय में, मध्य प्रदेश- छत्तीसगढ़ सहित सभी राज्यों में तेजी के साथ बढ़ने की संभावना जताई जाने लगी है। देशभर में बड़े पैमाने पर पूजा-पाठ शुरू हैं। बारिश के लिए टोने-टोटके करके बारिश करने के प्रयास भी आम जनता कर रही है। इसके सार्थक परिणाम अभी देखने को नहीं मिल रहे हैं। जिसके कारण सभी की चिंता स्वाभाविक है।

गठबंधन में कहीं गांठ न जाय

डॉ. भरत मिश्र प्राची

देश से अंग्रेज तो चले गये पर फूट डालो, राज करो की उनकी नीति आज भी कायम है। जिसके चलते आज देश की राजनीति में अनेक छोटे- छोटे दल उभरे नजर आ रहे है। जिसके चलते मत विभाजन की प्रक्रिया जारी है जो फूट डालो राज करो की राजनीति को उजागर करती है। इस तरह के परिवेश में स्वयं भू की राजनीति भी सर्वोपरि उभरी है जो देश की राजनीति को असंतुलित करने की भूमिका निभा रही है। बेमेल संगम, क्रय विक्रय प्रवृति को प्रश्रय दे रही हैं । जिससें गठबंधन में गांठ पड़ने की प्रक्रिया को सदैव बल मिला है। इस परिप्रेक्ष्य में जनता द्वारा चुनी गई सरकार का गिरना, अस्थिर होना, मोल-भाव को बढ़ावा मिलना आदि उभरते परिदृश्य को आसानी से देखा जा सकता जहां केन्द्र एवं राज्यों की बहुमत की सरकार अल्पमत में आ जाने के कारण समय से पूर्व हीं गिर गई । जिससे देश को मध्यावधि चुनाव का अनावश्यक बोझ उठाना पड़ा। आगे भी इस तरह की स्थिति बन सकती है। जो लोकतंत्रहित में कदापि नहीं।

देश में चल रहे वर्तमान में राजनीतिक दलों की संख्या भले बहुतायत है पर ये सभी राजनीतिक दल मुख्य रूप से तीन वैचारिक विचार धारा वाम, साम्य एवं धर्म से जुड़े हुये है। जहां प्रगतिवादी, उदारवादी, रूढिवादी, और समाजवादी राजनीतिक दृष्टिकोण शामिल है। कांग्रेस, वाम दल, समाजवादी, जनसंघ , मुस्लिम लीग आदि दल पहले से प्रमुख रहे । वर्तमान में वाम दल, कांग्रेस, भाजपा, अकाली दल, एनसीपी, मस्लिम लीग ,जदयू, राजद, बसपा, सपा, शिव सेना, झामुओ, तृणमूल कांग्रेस, बीजद, तेलगू देशम सहित अनेक राजनीतिक दल है जिनमें कुछ सत्ता पक्ष एनडीए के साथ है तो कुछ विपक्ष आइएनडीआइए के साथ है तो कुछ अभी भी इन दोनों गठबंधन से बाहर है। आज प्रमुख से भरतीय राजनीति में उभरे दो प्रमुख गठबंधन एनडीए एवं आईएनडीआईए में शामिल राजनीतिक दलों की विचार धारा भी अनेक अनेक है जहां गांठ कभी भी पड़ सकती है। जिससे गठबंधन टूटने के आसार स्वतः ही बनने लगते। जब तक गठबंधन में अलग - अलग विचारधारा धारा एवं स्वयं भू प्रवृति वाले शामिल रहेगे, गठबंणन टूटने का खतरा बना हीं रहेगां । भारतीय लोकतंत्र वर्तमान में गठबंधन की राजनीति पर टिका हुआ है !

वर्ष 2024 में लोकसभा के चुनाव होने वले है। सत्ता पक्ष एनडीए और विपक्ष आइएनडीआइए दोनों गठबंधन इस चुनाव में सत्ता हासिल करने की रणनीति बना रहे है। सत्ता पक्ष एनडीए में फिलहाल भाजपा सबसे बड़ा राजनीतिक दल है जिसके वर्चस्व के सामने उसमें शामिल दूसरे राजनीतिक दल बौने है , दूसरी ओर विपक्ष आइएनडीआइए में कांग्रेस सबसे बड़ा राजनीतिक दल तो जरूर है पर दूसरे शामिल अपने को कम नहीं समझने वाले राजनीतिक दल है जहां आपसी सामंजस्य बैठाना कुछ टेढ़ी खीर है। आइएनडीआइए में शामिल अधिकांश राजनीतिक दल कांग्रेस से ही बाहर निकले हुये है पर वे आज भी कांग्रेस से दूरी बनाकर चल रहे है। इस गठबंधन में शामिल आप सबसे बड़ा महत्वाकांक्षी नजर आ रहा है जिसके नेता प्रधानमंत्री बनने का सपना अभी से देखने लगे है। आइएनडीआइए की मुंबई बैठक में आप अभी से देश भर में सीट के बटवारे की बात करने लगी है। कहीं इस मामले को लेकर गठबंधन में गांठ न पड़ जाय। यदि ऐसा हुआ तो आइएनडीआइए चुनाव पूर्व बिखर न जाय। सत्ता पक्ष एनडीए में फिलहाल ऐसा कुछ नजर नहीं आ रहा है। जिससे एनडीए का पलड़ा आइएनडीआइए से वजनदार लगने लगा है। इस ताज को सत्ता पक्ष से हासिल करने के लिये आइएनडीआइए को सयंम बरतने की महती आवश्यकता है जहां से उसमें कहीं से चुनाव पूर्व गांठ पड़ने की संभवना न उभरे। इस दिशा में कांग्रेस से बाहर गये कांग्रेस जनों एवं उससे जुड़े राजनीतिक दलों की घर वापसी की योजना गठबंधन को मजबूत बना सकती है। एक देश एक चुनाव की भी वकालत सत्ता पक्ष की ओर से की जा सकती है। ऐसे परिवेश में आइएनडीआइए की जिम्मेवारी और बढ़ जायेगी जहां केन्द्र एवं प्रदेश की जंग एक साथ लड़नी होगी।

(स्वतंत्र पत्रकार)

सदर तहसील में आय, जाति व निवास प्रमाण पत्र बनवाना टेढ़ी खीर

एक माह में लंबित हैं आय,जाति और निवास के कुल 845 आवेदन

रायबरेली। आम लोगों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासन द्वारा भले ही आनलाइन व्यवस्था की गई है लेकिन विभागीय अधिकारियों की उदासीनता के कारण इसका लाभ लोगों को नहीं रहा है। नजीर के तौर पर आय, जाति व निवास प्रमाण पत्र बनवाने में लोगों के पसीने छूट जा रहे हैं। आनलाइन आवेदन के बाद तहसील से लेकर सहज जनसेवा केंद्रों तक लोग चक्कर काट रहे हैं लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं है। योजनाओं में पारदर्शिता एवं गुणवत्तापूर्ण बनाने के मकसद से शासन ने लगभग हर सिस्टम को ऑनलाइन कर दिया है। ताकि आम जन को त्वरित एवं सही तरीके से लाभ मिल सके लेकिन कुछ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की वजह से शासन की मंशा पर पानी फिर रहा है। बताते चलें कि सदर तहसील में आय,जाति निवास बनवाना टेढ़ी खीर हो गया है।सरकारी सिस्टम की गवाही और लंबित आवेदनों की संख्या इसकी गवाही दे रही है।यही वजह है कि निर्धारित समय के बाद भी सदर तहसील में 845 आवेदन लंबित पड़े हुए हैं।इसका खामियाजा आवेदकों को भुगतना पड़ रहा है।प्रमाण पत्र समय से न मिलने पर आवेदकों के काम ठप पड़े हुए हैं। ऑनलाइन आवेदन के बाद आय,जाति और निवास प्रमाण पत्र 15 से 20 दिन में जारी करने का नियम है लेकिन सदर तहसील की स्थिति इस मामले में बहुत ही खराब है। आय,जाति निवास प्रमाण पत्र जारी करने की जिम्मेदारी तहसील के लेखपालों के कंधों पर हैं।लेकिन उनकी

प्राथमिकता में प्रमाण पत्र के आवेदन नहीं रहते हैं। अगर रहते तो लंबित आवेदनों की संख्या इतनी ज्यादा नहीं होती।3 सितंबर तक सदर तहसील में कुल 845 आवेदन लंबित हैं।इसमें आय निवास और जाति के प्रमाण पत्र शामिल है।इन लंबित आवेदनों की समय सीमा निकल चुकी है।सबसे ज्यादा लंबित रहने वाले आवेदन आय प्रमाण पत्र के है।ऐसे में आवेदक जरूरी प्रमाण पत्र हासिल करने के लिए विभिन्न जनसेवा केंद्रों से लेकर तहसील के चक्कर काटने को मजबूर है।जिम्मेदारों के लापरवाही के कारण विभिन्न प्रमाण पत्र के आवेदकों को समय से प्रमाण पत्र न मिलने से उनके कई काम अटके हुए हैं।वे व्यवस्था को कोस रहे हैं।

सदर तहसील के एक लेखपाल ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि एक लेखपाल के पास कई गांव होते हैं।और उनके पास उन गांव के लोगों की ओर से किए जाने वाले आवेदनों के मामले आते हैं। काम का बोझ अधिक होने से इन आवेदनों की संख्या बढ़ती जाती है। लेकिन इसके इतर देखे तो लेखपालों की ओर से इसमें दिलचस्पी न लेना एक बड़ी वजह है।

नाबालिग से छेड़छाड़ करने के मामले में 2 युवक अरेस्ट

आगरा। आगरा थाना कोतवाली क्षेत्र में एक नाबालिग को 2 युवक बहला फुसलाकर घुमाने ले गए। उसके बाद मौका देखकर उसके साथ अश्लील हरकतें कीं। दोनों आरोपियों को पुलिस ने अरेस्ट कर लिया है। नाबालिग के परिजनों ने थाना कोतवाली पर मामले में दो सितंबर को केस दर्ज कराया था। परिजनों ने बताया कि उनकी 14 वर्षीय नाबालिग बेटी को आरोपी पियूष राठौर उर्फ पवन राठौर और उसका साथी शुब्हान बहला–फुसलाकर घुमाने ले गए थे। संजय पैलेस और भगवान टॉकीज क्षेत्र में ले जाकर युवकों उसके अश्लील हरकत की। बेटी ने विरोध किया तो उसे घर के पास हलवाई की दुकान पर छोड़कर चले गये थे। मामले में पुलिस युवकों की

घर के बाहर सो रही युवती से दबंग ने छेड़छाड़,मुकदमा दर्ज

मोहनलालगंज।मोहनलालगंज के एक गांव निवासी युवती ने पुलिस से लिखित शिकायत करते हुये बताया बीते शनिवार की देर रात वो अपनी बहन के साथ घर के बाहर सो रही थी,तभी दबंग सरवन मौके पर आ ग।मका ओर उसका जबरन पकड़कर घसीटने के साथ छेड़छाड़ करने लगा,चीखने चिल्लाने पर बहन उठी तो आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुये मौके से भाग निकला।इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया पीड़िता की तहरीर पर आरोपी के विरुद्ध छेड़छाड़ समेत अन्य धाराओ में मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गयी है।

सरकारी बंजर जमीन पर अवैध निर्माण कराने वाले कब्जेदार पर मुकदमा दर्ज

मोहनलालगंज।मोहनलालगंज तहसील के कोराना गांव में हल्का लेखपाल के रोकने के बाद भी सरकारी बंजर जमीन पर जबरन अवैध निर्माण करा रहे दबंग के विरुद्ध पुलिस ने लेखपाल की तहरीर पर 2व3 लोक सम्पत्ति क्षति निवारण अधिनियम की धाराओ में मुकदमा दर्ज किया है।लेखपाल महताब ने बताया उनके क्षेत्र गोविंदपुर मजरा कोराना गांव में सरकारी बंजर जमीन पर दबंग मोतीलाल अवैध रूप से कब्जा कर शौचालय व नींव भराकर अवैध पक्का निर्माण करा था,सूचना पर 17अगस्त को मौके पर जाकर अवैध निर्माण रुकवा दिया गया था,जिसके बाद दोबारा मोतीलाल ने सरकारी जमीन पर निर्माण शुरू कर दिया।एसडीएम ने दोबारा अवैध निर्माण शुरू होने की शिकायत मिलने पर हल्का लेखपाल को कब्जेदार के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराने के निर्देश दिये।जिसके बाद शनिवार को लेखपाल महताब ने कोतवाली पहुंचकर पुलिस से लिखित शिकायत कर अवैध कब्जेदार के विरुद्ध कार्यवाही की मांग की।इंस्पेक्टर संतोष कुमार सिंह ने बताया लेखपाल की तहरीर पर आरोपी मोतीलाल के विरुद्ध 2व3लोक सम्पत्ति क्षति निवारण अधिनियम की धाराओ में मुकदमा दर्ज कर तलाश शुरू कर दी गयी है।

शराब तस्करी का यह तरीका आपको चौंका देगा... लेकिन पुलिस के सामने एक न चली, पकड़ा 15 लाख का माल

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में रविवार की सुबह पुलिस ने शराब का जखीरा पकड़ा है। यह लखनऊ–आगरा एक्सप्रेसवे के रास्ते बिहार ले जाई जा रही थी। पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। साथ ही शराब और ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया है। पकड़ी गई शराब की कीमत करीब 15 लाख बताई जा रही है। सीओ चंद्रकेश सिंह ने बताया कि सुबह करहल थाना प्रभारी केपी सिंह को सूचना मिली कि आगरा–लखनऊ एक्सप्रेसवे पर एक ट्रैक्टर में गैर प्रांत की शराब लादकर तस्कर लखनऊ की ओर से आ रहे हैं। इस पर उन्होंने टीम के साथ घेराबंदी की। पुलिस ने ट्रैक्टर रुकवाकर तलाशी ली। उसमें भूसा लदा हुआ था। भूसा हटाकर देखा गया तो उसके नीचे गैर प्रांत की शराब की कई पेटियां छिपाकर रखी गई थीं। पुलिस ने ट्रैक्टर पर मौजूद दो तस्करों को तत्काल गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने पूछताछ में अपने नाम चमन निवासी गांव रिठाक, थाना सदर, रोहतक, हरियाणा और निक्की निवासी गांव मोही, थाना बरौदा सोनी, हरियाणा, बताया। शराब की सभी 78 पेटियों को जब्त कर लिया गया। इनकी कीमत 15 लाख बताई जा रही है। तस्करों को अदालत में पेश किया गया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि बिहार में शराब बंदी लागू है। इस कारण वहां शराब तस्करी कर ले जाई जाती है। वहां पर शराब बिक्री कर चार गुना तक मुनाफा मिल जाता है। इसी के चलते शराब माफिया बिहार तक शराब ले जाने के लिए जोखिम उठाते हैं। बिहार पहुंचने के बाद शराब छिपा दी जाती है। चोरी छिपे बिक्री की जाती है।

तीन साल से लिव इन रिलेशन में रह रहे रोडवेज कंडक्टर का शव फंदे पर लटका मिला, महिला फरार, चर्चाएं तेज

मैनपुरी। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में एक महिला के साथ लिव इन रिलेशन में रह रहे रोडवेज के परिचालक का शव फंदे पर लटकता मिला। जिस महिला के साथ रह रहा था वह फरार है। खबर मिली तो घर में चीख पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करके जानकारी की। पुलिस मामले की जांच कर रही है। मूल रूप से कन्नौज के पलिया कुंदपुर निवासी सुशील दुबे (50) पिछले करीब तीन साल से बेवर थाना क्षेत्र के मोहल्ला काजीटोला में किराए पर रह रहा था। शनिवार की रात सुशील ने घर के कमरे में फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। जानकारी होने के बाद घर में अफरा तफरी मच गई। सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने जंगला काट कर शव को फंदे से उतारा। जानकारी मिलने के बाद मृतक की मां निर्मला देवी भी आ गईं। पता चला कि वर्ष 2017 में सुशील की पत्नी की मौत हो चुकी है। उसके दो बच्चे हैं जो

कि अपने दादा दादी के पास रहते हैं। तीन साल से वह वे पूर्वांचल की रहने वाली सुमन नाम की एक महिला के साथ किराए के मकान में लिव इन रिलेशन में रह रहा था। शनिवार रात वह ड्यूटी करने के बाद घर आया था। फौती तहरीर के आधार पर पुलिस ने रविवार को शव का पोस्टमॉर्टम कराया। प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के सही कारण का पता लग सकेगा। उसी के आधार पर पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। पुलिस ने मोहल्ला काजीटोला पहुंच कर सुशील दुबे के शव को फंदे से उतारा। इस दौरान तीन साल से लिव इन रिलेशन में रह रही महिला भी नजर आई। पुलिस ने पोस्टमॉर्टम कराने को लेकर कार्रवाई शुरू की। इस बीच महिला कहीं चली गई। महिला के अचानक गायब होने के बाद चर्चाएं हो रहीं हैं।

20लीटर अवैध कच्ची शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

मोहनलालगंज।मोहनलालगंज कोतवाली क्षेत्र के सिसेंडी में पुलिस ने शनिवार की देर रात 20ली०अवैध कच्ची शराब के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया।पुलिस ने तस्कर के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा में मुकदमा दर्ज किया है।इंस्पेक्टर संतोष कुमार आर्य ने बताया शनिवार की देर रात सिसेंडी–केसरीखेड़ा मार्ग पर चौकी इंचार्ज सुरेन्द्र सिंह पुलिस टीम के साथ गश्त कर रहे थे,तभी एक सफेद पिपिया हाथ में लिये खड़ा संदिग्ध युवक पुलिस को देखकर भागने लगा,जिसे दौड़कर पकड़ने के बाद पिपिया खोलकर चेक की तो उसमें 20ली०अवैध देशी कच्ची शराब निकली,पूछताछ में तस्कर ने अपना नाम रामसजीवन रैदास निवासी केसरीखेड़ा मजरा सिसेंडी बताया।

निगोहां पुलिस ने दो वारंटियो को किया गिरफ्तार

मोहनलालगंज।निगोहां पुलिस ने रविवार को वांरटियों की धरपकड़ के लिये अभियान चलाकर दो अभियुक्तो को गिरफ्तार कर भेज भेजा। इंस्पेक्टर विनोद यादव ने बताया न्यायालय से एनबीडब्ल्यू वारंट जारी होने के बाद अलग–अलग मुकदमो के फरार चल रहे दो अभियुक्तो दिनेश निवासी भटपुरा व अतीश कुमार निवासी पुरहिया थानाक्षेत्र निगोहां को दारोगा मुन्नालाल ने पुलिस टीम के साथ उनके घरो से गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया,जहां से दोनो को जेल भेज दिया गया।

गन्ने के खेत के पास रास्ते पर संदिग्ध ावस्था में मिला अधेड़ का शव

सीतापुर। थाना क्षेत्र अंतर्गत सिकड़िहा मजरा बम्हनावां गांव के पूर्व दिशा में रविवार की सुबह संदिग्धावस्था में एक अधेड़ व्यक्ति का शव राम खेलावन पाल के गन्ने खेत के पास रास्ते के किनारे ग्रामीणों द्वारा देखा गया। यह खबर जंगल में आग की तरह फैल गई। देखते ही देखते बम्हनावां सहित इर्द गिर्द गांवों की भारी भीड़ मौके पर एकत्रित हो गई। घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस जांच पड़ताल करने में जुट गई। पुलिस और ग्रामीणों की कड़ी मशक्कत के बाद अज्ञात व्यक्ति के शव की शिनाख्त हो पाई। थाना रेउसा क्षेत्र के बसंतापुर गांव निवासी चंद्राम शुक्ला 58 पुत्र परशुराम शुक्ला का शव संदिग्ध परिस्थितियों में सिकड़िहा गांव के पूर्व दिशा में रास्ते में कीचड़ से लथपथ ग्रामीणों द्वारा पड़ा

रेल बाजार थाने में भाजपा कार्यकर्ताओं का हंगामा,धरना,एसीपी ने शांत कराया मामला

थाना प्रभारी ने बढ़चढ़ कर लिखी गई तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज करने से किया था इनकार

कानपुर। कानपुर में रविवार को मारपीट की शिकायत करने रेलबाजार थाने पहुंचे भाजयुमो कार्यकर्ता को थाना प्रभारी रेल बाजार ने अभद्रता कर भगा दिया। इस जानकारी पर भाजयुमो कार्यकर्ताओं ने थाने का घेराव कर हंगामा शुरू कर दिया। मौके पर पहुंचे एसीपी कैंट आक्रोशित भाजपा कार्यकर्ताओं से बातचीत कर मामले को सुलझाया। भाजयुमो छावनी मंडल के महामंत्री रचित यादव ने बताया कि शनिवार रात को छावनी मंडल के अध्यक्ष अभिषेक तिवारी को दूसरे समुदाय के युवकों ने बुरी तरह से पीट दिया था। इस पर वे रेलबाजार थाने मामले की शिकायत करने पहुंचे। थाना प्रभारी विजय दर्शन शर्मा और चौकी प्रभारी ने अभिषेक से अभद्रता कर भगा दिया था। जानकारी होने पर रविवार दोपहर को भारी संख्या में भाजयुमो कार्यकर्ता रेलबाजार थाने पहुंचे। इसके बाद थाना प्रभारी समेत दोषी पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई की मांग को लेकर हंगामा शुरू कर

दिया। साथ ही थाने के गेट पर धरना देना शुरू कर दिया। मौके पर एसीपी कैंट बृज नारायण सिंह पहुंचे।

दोषियों पर कार्रवाई की मांग

फिलहाल दोनों पक्षों से बातचीत कर मामले को निपटने का प्रयास किया जा रहा है। इससे कानून व्यवस्था ना बिगड़े। पुलिस अधिकारी कार्यकर्ताओं से बातचीत कर रहे है। वहीं, कार्यकर्ताओं का कहना है कि जब तक दोषियों पर कार्रवाई नहीं होगी, तब तक वे धरना समाप्त नहीं करेंगे। इस पर एसीपी कैंट ने बीजेपी कार्यकर्ताओं को एफआईआर दर्ज करने का आश्वासन देकर शांत कराया। एसीपी ने बताया कि बीजेपी कार्यकर्ता अभिषेक तिवारी की तहरीर पर जोजो के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। जांच के बाद मामले में आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। रेलबाजार पुलिस का दावा है कि अभिषेक के नशे में होने के चलते मेडिकल कराने से इनकार कर दिया।

38वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के तहत नेत्रदान जागरूकता रैली का आयोजन

सीतापुर। 38वें राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के अंतर्गत सीतापुर आँख अस्पताल की निदेशक कर्नल डॉ मधू भदौरिया के मार्गदर्शन में डॉ एमपी मेहरे आई बैंक, सीतापुर आँख अस्पताल द्वारा नेत्रदान जागरुकता रैली का आयोजन किया गया। रैली सीतापुर आँख अस्पताल से प्रारंभ होकर लालबाग चौराहे होते हुए लाल कपड़ा कोठी से पुनः लालबाग चौराहे होकर सीतापुर आँख अस्पताल परिसर में समाप्त हुई। रैली का शुभारम्भ माननीय मुख्य चिकित्सा अधिकारी, डॉ हरपाल सिंह एवं नगर पालिका अध्यक्ष नेहा अवस्थी ने हरी झंडी दिखाकर किया। अध्यक्ष ने आंख अस्पताल द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए समाज से नेत्रदान के प्रति आगे आने हेतु अपील की। डॉ. हरपाल सिंह ने राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े की महत्ता बताते हुए नेत्रदान की संख्या बढ़ने पर जोर दिया। आंख अस्पताल के प्रोफेसर कर्नल डॉ यशवीर सिंह सिरोही ने बताया कि नेत्रदान पखवाड़े के विभिन्न कार्यक्रमों द्वारा नेत्रदान के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु प्रत्येक स्तर पर सीतापुर आंख अस्पताल कार्यरत है। ज्ञात हो कि गत 28 अगस्त को नेत्रदाता सम्मान समारोह का आयोजन भी किया गया। आँख अस्पताल के कार्यवाहक मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विक्कानंदन ने बताया कि वर्तमान में देश में 10 लाख से अधिक लोग कॉर्नियल अंधता से पीड़ित है तथा प्रतिवर्ष 20–25000 नए मरीज कॉर्नियल अंधता के लिए चिन्हित किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि सीतापुर आँख अस्पताल में ही 100 से अधिक लोग प्रतीक्षा सूची में पंजीकृत हैं जिन्हें कॉर्निया की आवश्यकता है। रैली में नेत्रदान परिवार एवं समाजसेवियों के अतिरिक्त सीतापुर आँख अस्पताल के मुख्य प्रशासनिक अधिकारी दीपक कानडे, अस्पताल के चिकित्सकगण, ऑप्टोमेट्री, एमएलओपी, डीओए विद्यार्थियों के साथ साथ अस्पताल प्रशासन उपस्थित रहा। राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़े के अंतर्गत स्टडी वेल पब्लिक स्कूल, दिल्ली पब्लिक स्कूल, सेंट बिलाल कॉलेज एवं गौरी बाल विद्या मंदिर में नेत्रदान–महादान विषय के अंतर्गत पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता एवं नेत्रदान की आवश्यकता हेतु विद्यार्थियों के मध्य चिकित्सकों द्वारा जागरुकता कार्यक्रम भी किया गया।

व्यापारी दिवस के रूप में मनाया 30 वां स्थापना दिवस

रायबरेली। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल का 30 वां स्थापना दिवस राष्ट्रीय व्यापारी दिवस के रूप में मनाया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि उ प्र युवा उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष अतुल गुप्ता, प्रदेश मंत्री राज नारायण अग्रहरि सोनू वर्मा बीबी, जिला प्रभारी संदीप जैन, युवा महिला अध्यक्ष प्रियंका अवस्थी ने दीप प्रज्जवलन कर किया। मुख्य अतिथि अतुल गुप्ता ने अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के 30 वर्षों के सफर के बारे में राष्ट्रीय अध्यक्ष संदीप बंसल का धन्यवाद करते हुए कहा कि पूरे प्रदेश में मंडल व्यापारियों के हितों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है एवं हमारे मांग पड़ी सरकार ने 29 जून को व्यापारी दिवस घोषित किया है जिससे व्यापारियों का सम्मान बढ़ा है,जिला अध्यक्ष त्रिलोचन सिंह छाबड़ा ने जिले के व्यापारियों को राष्ट्रीय व्यापारी दिवस की शुभकामनाएं देते हुए संगठन की मजबूती पर बल दिया। समारोह में व्यापारी प्रतिभाओं का सम्मान किया गया जिसमें संगीत के क्षेत्र में सत्येंद्र सिंह, आलोक चौधरी एवं व्यापारी कवियों के रूप में अभिषेक सिंह रूद्र, राघवेंद्र सिंह राघव, जमीर अंसारी एवं प्रदीप प्यारे को प्रतिभाओं के लिए सम्मानित किया गया। समारोह का संचालन संदीप जैन ने किया ।कार्यक्रम में दरीबा तिराहा व्यापार मंडल से अध्यक्ष बच्चन लाल, रिंकू जयसवाल, मुकेश गुप्ता, अरुण बाजपई, दीपक श्रीवास्तव, शिखर श्रीवास्तव, दुर्गेश वर्मा, वीरेंद्र अग्रहरि, रंजीत बग्गा, चंद्र प्रकाश गुप्ता, पंकज साहू, विक्की सिंह, अंजनी गुप्ता, प्रियंका अवस्थी, उषा किरन सिंह, प्रवीन अग्रवाल सहित सैकड़ो व्यापारी उपस्थित है।

संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुआ अधेड़

ऊंचाहार,रायबरेली। परदेस से कमाकर घर वापस लौट रहा अधेड़ रास्ते में संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया, काफी खोजबीन के बाद भी उसके बारे में जानकारी नहीं मिल पाई, बेटे ने कोतवाली पहुंचकर पिता की गुमशुदगी की तहरीर दी है। क्षेत्र के गाँव बटऊआपुर मजरे कोटिया चित्रा निवासी अंकित कुमार का कहना है कि उसके पिता यशवंतलाल को गाँव का एक युवक एक माह पूर्व काम दिलाने के लिए गुजरात प्रान्त के अहमदाबाद शहर ले गया था, जहां से 29 अगस्त को पिता के साथ घर के लिए निकला और 30 अगस्त दोपहर तक पिता से उसकी बातचीत भी हुई31 अगस्त सुबह गाँव का युवक पिता के सामान को लेकर घर पहुंचा और पिता के रास्ते में लापता होने की जानकारी दी, जिसके बाद से पिता का मोबाइल फोन भी बन्द है, रविवार को अंकित ने कोतवाली में गुमशुदगी की तहरीर दी है। कोतवाल आदर्श कुमार सिंह का कहना है कि मामले की जांच कराकर आवश्यक कार्यवाही की जा रही है।

जनसरोकारों के मुद्दों पर हमेशा संवेदनसील रहती है संस्था : सुधाकर शुक्ला

सीतापुर। शांती देवी मानव सेवा समिति एक ऐसी संस्था है जो शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण जैसे जनसरोकारों के मुद्दों पर हमेशा संवेदनशील रहती है। तहसील बिसवां इलाके में इसकी सक्रियता एक सुखद संदेश है। यह संस्था लोगों के बुनियादी सवालों को हल करने का काम करती है। उक्त उद्गार भाजपा जिला उपाध्यक्ष व संस्था के अध्यक्ष समाजसेवी सुधाकर शुक्ला ने जगह जगह वृहद शिविर का आयोजन कर लोगों को स्वास्थ्य वर्धक पेय पदार्थ वितरण कार्यक्रम के दौरान व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि मानव सेवा ही हमारी समिति का मुख्य उद्देश्य है। देखा जाये तो संस्था से संबंधित शांती देवी इंटर कालेज के माध्यम से इलाकाई छात्र व छात्राओं को दशकों से बेहतर शिक्षा प्रदान की जा रही है। जबकि संस्था द्वारा समय समय पर तहसील स्तर पर वृहद वृक्षारोपड़ करा कर वृक्षों को सुरक्षित रखने की पूरी जिम्मेदारी संस्था के लोग निभा रहे है। इसी क्रम में करीब दो माह के अंतराल में हमारी समिति द्वारा तहसील बिसवां परिसर, ब्लाक बिसवां, बिसवां नगर व तहसील इलाके के थाना मानपुर तथा महराजनगर समेत कई सरकारी व अर्ध सरकारी संस्थानों समेत क्षेत्रीय एक सैकड़ा से अधिक गांवों के हजारों लोगों में रियल कोकोनट वाटर, बुरांस केन पैक, शहद, जैम, मैंगो जूस, नींबू वाटर आदि का वितरण प्राथमिकता के आधार पर किया गया। जबकि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बिसवां में भर्ती सैकड़ों मरीजों व उनके तीमारदारों में समिति द्वारा स्वास्थ्य वर्धक डाबर समेत अन्य कई नामकारी पेय पदार्थों का वितरण किया गया।

शातिर महाठग मामला : संतोष के ठगी के नेटवर्क से जुड़े अफसरों से जुड़ा साक्ष्य पुलिस के हाथ नहीं लगा

कानपुर। कानपुर के शातिर महा ठग संतोष सिंह उर्फ अभिषेक सिंह उर्फ एपी सर को पुलिस ने शनिवार को 6 घंटे की रिमांड पर लेकर खेल कर दिया। संतोष प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) का अफसर बनकर ठगी करता था। पहले बड़े–बड़े आईएएस–आईपीएस अफसरों से अभिषेक का संपर्क होने का दावा करने वाली पुलिस अब पूरी तरह से बैकफुट पर है। रिमांड के दौरान पुलिस ने उससे सिर्फ चेन–अंगूठी और कैश बरामद किया है। पुलिस अभिषेक के साथ भ्रष्टाचार में लिप्त अफसरों से जुड़ा कच्चा चिट्ठा खोलने की जगह मामले को रफा–दफा करने में लगी है। संतोष के ठगी के नेटवर्क से जुड़े अफसरों से जुड़ा कोई भी साक्ष्य पुलिस के हाथ नहीं लगा है। एसटीएफ ने पीएमओ का अफसर बनकर ठगी का जाल फैलाने वाले संतोष सिंह उर्फ अभिषेक सिंह को जब गिरफ्तार किया, तो दंग रह गई। अभिषेक ने फर्जी पीएमओ अफसर बनकर कानपुर से लखनऊ और दिल्ली तक के आईएएस और आईपीएस समेत सैकड़ों अफसरों से उसका सम्पर्क था। अफसर उसके घर पर हाजिरी लगाने के साथ ही एक इशारे पर बड़े से बड़ा काम निपटा देते थे। इसी तरह उसने करोड़ों रुपए की ठगी की। अभिषेक के खिलाफ बिठूर थाने में एफआईआर दर्ज हुई, तो गिरफ्तारी के बाद बिठूर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की तो बड़े–बड़े अफसरों से संपर्क देखकर उसके भी हाथ–पांव फूल गए। अभिषेक के घर पर लगे 8 सीसीटीवी में बड़े–बड़े अफसरों को घर पर हाजिरी का वीडियो मौजूद था। शातिर ठग संतोष सिंह के साथ जालसाजी और ठगी में शामिल ममेरा भाई प्रदीप सिंह एफआईआर दर्ज होने के बाद से फरार है। पुलिस अभी तक प्रदीप सिंह को गिरफ्तार नहीं कर सकी है। जांच कर रही पुलिस टीम उसके पैतृक निवास गाजीपुर गई और खाली हाथ लौट आई थी। प्रदीप का फोन लगातार स्विच ऑफ है।

आरोपियों के वकील मोहित श्रीवास्तव ने बिठूर पुलिस पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मोहित का कहना है कि पुलिस ने संतोष की 6 घंटे की रिमांड देने के साथ ही आदेश दिया था कि उचित दूरी पर वकील भी रहेंगे। लेकिन पुलिस जेल से निकलते ही संतोष को लेकर भाग निकली। इसके बाद फर्जी तरीके से उससे जेवरात और कैश बरामद दिखा दिया। जबकि उस विला में पुलिस दर्जनों बार तलाशी ले चुकी है। आरोपी का भाई सब सामान समेट ले गया था। वहां से अंगूठी, चेन और कैश मिलना असंभव है। पुलिस ने माल बरामदगी के लिए झूठी कहानी गढ़ी है। ज्वाइंट पुलिस कमिश्नर आनंद प्रकाश तिवारी ने बताया,महाठग संतोष से संबंधित जांच निष्पक्ष हो सके, इसके लिए कमेटी गठित की गई है। जल्द ही जांच की समीक्षा की जाएगी। अगर साक्ष्य मिटाने या हेरफेर जैसा तथ्य सामने आते हैं, तो दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

डीआरएम स्पेशल वैगन का कांच टूटने से तीन लोको चालक घायल

ऊंचाहार,रायबरेली। लखनऊ से प्रयागराज निरीक्षण में जा रहे डीआरएम स्पेशल वैगन का कांच टूटने से वहां मौजूद तीन लोको चालक घायल हो गये, जिन्हें आरपीएफ के जवानों की मदद से इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया गया है। रविवार की सुबह रेलवे विभाग के डीआरएम लखनऊ अपनी स्पेशल वैगन से टीम के साथ निरीक्षण के लिए लखनऊ से प्रयागराज के लिए निकले थे तभी लखनऊ प्रयागराज रेलखंड मार्ग पर लक्ष्मणपुर व रामचंद्रपुर रेलवे स्टेशन के मध्य हवा के तेज प्रेशर से वैगन के अगले हिस्से में लगा कांच टूट गया, जिससे वहां मौजूद लोको चालक कुलदीप साहू 46 वर्ष निवासी भोला खेड़ा आलमबाग लखनऊ, राजेश्वर 49 वर्ष निवासी दीपनगर आर डी एस ओ लखनऊ, तथा घनश्याम 57 वर्ष निवासी मानसनगर कानपुर रोड लखनऊ कांच लगने से घायल हो गये, ऊंचाहार रेलवे स्टेशन पहुँचते ही सभी घायलों को आर पी एफ के जवानों ने इलाज के लिए सीएचसी में भर्ती कराया।

हिन्दू धर्म में मोर के पंखों का विशेष महत्व है। मोर के पंखों में सभी देवी-देवताओं और सभी नौ ग्रहों का वास होता है। ऐसा क्यों होता है, हमारे धर्म ग्रंथों में इससे संबंधित कथा है .

मयूर पंख से होते हैं हर ग्रह के दोष दूर

भगवान शिव ने मां पार्वती को पक्षी शास्त्र में वर्णित मोर के महत्व के बारे में बताया है। प्राचीन काल में संध्या नाम का एक असुर हुआ था। वह बहुत शक्तिशाली और तपस्वी असुर था। गुरु शुक्राचार्य के कारण संध्या देवताओं का शत्रु बन गया था। संध्या असुर ने कठोर तप कर शिवजी और ब्रह्मा को प्रसन्न कर लिया था। ब्रह्माजी और शिवजी प्रसन्न हो गए तो असुर ने कई शक्तियां वरदान के रूप में प्राप्त की। शक्तियों के कारण संध्या बहुत शक्तिशाली हो गया था। शक्तिशाली संध्या भगवान विष्णु के भक्तों का सताने लगा था। असुर ने स्वर्ग पर भी आधिपत्य कर लिया था, देवताओं को बंदी बना लिया था। जब किसी भी तरह देवता संध्या को जीत नहीं पा रहे थे, तब उन्होंने एक योजना बनाई। योजना के अनुसार सभी देवता और सभी नौ ग्रह एक मोर के पंखों में विराजित हो गए। अब वह मोर बहुत शक्तिशाली हो गया था। मोर ने विशाल रूप धारण किया और संध्या असुर का वध कर दिया। तभी से मोर को भी पूजनीय और पवित्र माना जाने लगा। ज्योतिष शास्त्र में भी मोर के पंखों का विशेष महत्व बताया गया है। यदि विधिपूर्वक मोर पंख को स्थापित किया जाए तो घर के वास्तु दोष दूर होते हैं और कुंडली के सभी नौ ग्रहों के दोष भी शांत होते हैं। घर का द्वार यदि वास्तु के विरुद्ध हो तो द्वार पर तीन मोर पंख स्थापित करें।

शनि के लिए

शनिवार को तीन मोर पंख ले कर आएं। पंख के नीचे काले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ तीन सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें–
ऊँ शनैश्वराय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- तीन मिटटी के दीपक तेल सहित शनि देवता को अर्पित करें।
- गुलाब जामुन या प्रसाद बना कर चढ़ाएं। इससे शनि संबंधी दोष दूर होता है।

चंद्र के लिए

सोमवार को आठ मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे सफेद रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ आठ सुपारियां भी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ऊँ सोमाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पान के पांच पत्ते चंद्रमा को अर्पित करें। बर्फी का प्रसाद चढ़ाएं।

मंगल के लिए

मंगलवार को सात मोर पंख लेकर आएं, पंख के नीचे लाल रंग का धागा बांध लेँ। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ सात सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ऊँ भू पुत्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पीपल के दो पत्तों पर चावल रखकर मंगल ग्रह को अर्पित करें। बूंदी का प्रसाद चढ़ाएं।

बुध के लिए

बुधवार को छः मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे हरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ छः सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ऊँ बुधाय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- जामुन बुध ग्रह को अर्पित करें।
- केले के पत्ते पर रखकर मीठी रोटी का प्रसाद चढ़ाएं।

गुरु के लिए

गुरुवार को पांच मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे पीले रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ पांच सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ऊँ बृहस्पते नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- ग्यारह केले बृहस्पति देवता को अर्पित करें।
- बेसन का प्रसाद बनाकर गुरु ग्रह को चढ़ाएं।

शुक्र के लिए

शुक्रवार को चार मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे गुलाबी रंग का धागा बांध लेँ। एक थाली में पंखों के साथ चार सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ऊँ शुक्राय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- तीन मीठे पान शुक्र देवता को अर्पित करें।
- गुड़-चने का प्रसाद बना कर चढ़ाएं।

सूर्य के लिए

रविवार के दिन नौ मोर पंख लेकर आएं और पंख के नीचे मैरून रंग का धागा बांध लें। इसके बाद एक थाली में पंखों के साथ नौ सुपारियां रखें, गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ऊँ सूर्याय नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- इसके बाद दो नारियल सूर्य भगवान को अर्पित करें।

राहु के लिए

शनिवार को सूर्य उदय से पूर्व दो मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे भूरे रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंखों के साथ दो सुपारियां रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ऊँ राहवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- चौमुखा दीपक जलाकर राहु को अर्पित करें। कोई भी मीठा प्रसाद बनाकर चढ़ाएं।

केतु के लिए

शनिवार को सूर्य अस्त होने के बाद एक मोर पंख लेकर आएं। पंख के नीचे स्लेटी रंग का धागा बांध लें। एक थाली में पंख के साथ एक सुपारी रखें। गंगाजल छिड़कते हुए 21 बार इस मंत्र का जप करें।
ऊँ केतवे नमः जाग्रय स्थापय स्वाहाः

- पानी के दो कलश भरकर राहु को अर्पित करें।
- फलों का प्रसाद चढ़ाएं।

कौन-से देवता होते हैं भादो मास में प्रसन्न

भाद्रपद हिन्दू कैलेंडर के अनुसार वर्ष का छठा महीना और चतुर्मास का दूसरा महीना है। इसे भादो भी कहते हैं। आओ जानते हैं कि इस पवित्र माह में कौनसे 10 देवताओं की पूजा करने से वे होते हैं प्रसन्न।

- **श्रीकृष्ण** : इसी माह में कृण जन्मोत्सव मनाया जाता है, क्योंकि उनका जनन्म भाद्रपद की अष्टमी को हुआ था। डोल ग्यारस तक उनके जन्मोत्सव की धूम रहती है। इस माह में उनकी पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। भाद्रपद कृष्ण पक्ष की षष्ठी तिथि को बलरामजी की जयंती भी रहती है।
- **माता पार्वती** : इस माह में शुक्ल पक्ष की तृतीया को हरितालिका तीज का पर्व मनाया जाता है। व्रत रखकर माता दुर्गा, पार्वती और शिवजी की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **गणेश जी** : भाद्रपद की शुक्ल चतुर्थी से अनंत चतुर्दशी तक गणेशोत्सव मनाया जाता है। भगवान गणेश की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **विश्वकर्मा जी** : भाद्रपद की परिवर्तनी एकादशी के दिन देवताओं के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **भगवान विष्णु** : भाद्रपद की चतुर्दशी को भगवान विष्णु के अनंत रूप की पूजा होती है। इसी पूजा से अनंत भगवान प्रसन्न होते हैं। इसके अलावा भाद्रपद की अजा और परिवर्तनी एकादशी के दिन भी भगवान विष्णु की पूजा होती है।
- **श्रीराधा जी** : भाद्रपद की कृष्ण पक्ष की अष्टमी को श्री कृष्ण का जन्म और शुक्ल अष्टमी को राधाजी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। राधा अष्टमी के दिन राधाजी की श्री कृष्ण के साथ पूजा करने से वे प्रसन्न होती हैं।
- **पितृदेव** : भाद्रपद माह की पूर्णिमा से ही श्राद्ध पक्ष प्रारंभ हो जाता है। इस माह में पितृदेव या पितरों के देव अर्यमा को प्रसन्न किया जाता है। ऋषियों की पूजा के साथ पितृदेव की पूजा करें।
- **शिव जी** : चातुर्मास प्रारंभ होने के बाद विष्णुजी पाताल लोग में योगनिद्रा में चले जाते हैं तब चार माह के लिए शिवजी अपने रुद्र रूप में सृष्टि का संचालन करते हैं अतः इस माह में शिवजी के रुद्र रूप की पूजा करने से वे प्रसन्न होते हैं। प्रदोष और मासिक शिवरात्रि के दिन उनकी पूजा करने चाहिए।
- **सूर्यदेव** : इस माह में सूर्यदेव की पूजा भी की जाती है। उन्हें अऱ्घ्य देने से वे प्रसन्न होते हैं।
- **हनुमान जी** : भाद्रपद के अंतिम मंगलवार को बुढ़वा मंगलवार मनाया जाता है। माना जाता है कि इसी दिन रावण ने उनकी पूंछ में आग लगा दी थी। जिसके चलते लंका दहन हो गया था।

श्रीकृष्ण के शारंग धनुष की खास बातें

श्रीराम के पास कोदंड, शिवजी के पास पिनाक और अर्जुन के पास गाण्डिव धनुष था। प्रभु श्रीकृष्ण को आपने धनुष धारण करते हुए नहीं देखा होगा परंतु उनके पास था सारंग या शारंग नाम का धनुष। आओ जानते हैं इसके बारे में कुछ खास।

- भगवान श्रीकृष्ण सर्वश्रेष्ठ धनुर्धर भी थे यह बात तब पता चली, जब उन्होंने लक्ष्मणा को प्राप्त करने के लिए स्वयंवर की धनुष प्रतियोगिता में भाग लिया था। इस प्रतियोगिता में कर्ण, अर्जुन और अन्य कई सर्वश्रेष्ठ धनुर्धरों ने भाग लिया था। द्रौपदी स्वयंवर से कहीं अधिक कठिन थी लक्ष्मणा स्वयंवर की प्रतियोगिता। भगवान श्रीकृष्ण ने सभी धनुर्धरों को पछाड़कर लक्ष्मणा से विवाह किया था। हालांकि लक्ष्मणा पहले से ही श्रीकृष्ण को अपना पति मान चुकी थी इसीलिए श्रीकृष्ण को इस प्रतियोगिता में भाग लेना पड़ा।
- शारंग का अर्थ होता है रंगा हुआ, रंगदार, सभी रंगोंवाला और सुंदर।
- कहते हैं कि भगवान श्रीकृष्ण का यह धनुष सींग से बना हुआ था।
- कुछ मानते हैं कि यह वही शारंग है जिसे कण्व की तपस्यास्थली के बांस से बनाया गया था। ब्रह्माजी के आदेश से विश्वकर्माजी ने इन बांसों से 1.गांडीव, 2. पिनाक और 3.सारंग नाम के तीन धनुष बनाए थे।
- यह भी कहा जाता है कि वत्तासुर नाम का एक दैत्य था जिसका संपूर्ण धरती पर आतंक था। उसके आतंक का सामना करने के लिए दधीचि ऋषि ने देशहित में अपनी हड्डियों का दान कर दिया था। उनकी हड्डियों से 3 धनुष बने– 1.गांडीव, 2.पिनाक और 3.सारंग। इसके अलावा उनकी छाती की हड्डियों से इन्द्र का वज्र बनाया गया। इसी सभी दिव्यास्त्रों को लेकर वत्तासुर के साथ युद्ध किया और उसका वध कर दिया गया था।
- एक कथा के अनुसार भगवान कृष्ण और राक्षस शल्व के बीच एक युद्ध के दौरान शारंग धनुष प्रकट होता है। शल्व ने कृष्ण के बाएं हाथ पर हमला किया जिससे कृष्ण के हाथों से शारंग छूट गया। बाद में, भगवान कृष्ण ने सुदर्शन चक्र से शल्व के सिर को धड़ से अलग कर दिया।
- कहते है कि भगवान विश्वकर्मा ने तीन धनुष बनाए थे। पहला पिनाक, दूसरा गांडिव और तीसरा शारंग। ब्रह्मा ने विष्णुजी और शिवजी के बीच झगड़ा पैदा कर दिया कि तुम दोनों में से बेहतर तीरंदाज कौन है। फिर दोनों में भयंकर युद्ध हुआ। शिवजी के पास पिनाक था और विष्णुजी के नास शारंग। अंत में ब्रह्माजी ने दोनों के क्रोध को शांत किया तब शिवजी ने क्रोधित होकर पिनाक देवरात को सौंप दिया। देवराज से यह धनुष राजा जनक के पास चला गया। इसी तरह विष्णुजी ने भी क्रोधित होकर अपना धनुष ऋषि ऋचिक को सौंप दिया।
- शारंग धनुष सबसे पहले भगवान विष्णु के पास था। विष्णुजी ने इसे ऋषि ऋचिक को दे दिया था। ऋषि ऋचिक ने अपने पौत्र परशुराम को दिया और परशुरामजी ने श्रीराम को दिया। श्रीराम ने यह धनुष जल के देवता वरुण को दे दिया और भगवान वरुणदेव ने खांडवदहन के दौरान इस धनुष को श्रीकृष्ण को सौंप दिया। मृत्यु से ठीक पहले, कृष्ण ने इस धनुष को महासागर में फेंककर वरुण को वापस लौटा दिया।

हताशा से घिर जाएं तो यह उपाय अपनाएं

हमारे आसपास अगर नकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ जाता है तो यह जीवन में हताशा लाता है। इसके लिए वास्तु दोष भी कारण हो सकते हैं। अगर मन में नकारात्मक विचारों का प्रवाह बढ़ रहा है तो वास्तु में बताए गए आसान से उपायों को अपना सकते हैं। यह उपाय जीवन जीने की प्रेरणा देंगे और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाएंगे। हताशा अगर घेरने लगे तो शिव स्तुति, महामृत्युंजय मंत्र, शिवकवच, देवीकवच का पाठ करें। नियमित रूप से भगवान शिव का जलाभिषेक करें। पांच अन्न गेहूं, ज्वार, चावल, मूंग, जवा और बाजरा का दान करें। पक्षियों को अन्न खिलाएं। नमक के जल से स्नान करें। घर में प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था करें। सूरज की किरणें घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर करने में सहायक हैं। घर के दरवाजे और खिड़कियों को अच्छे से साफ करें। अगरबत्ती या धूप जलाएं। गायत्री मंत्र का उच्चारण करें। घर में हवन या पूजा कराएं। घर को व्यवस्थित रखें। पुराने पर्दे या चादरें बदल दें। घर के जिस हिस्से में नकारात्मक ऊर्जा का अहसास होता हो वहां जोर-जोर से ताली बजाएं। तुलसी के पौधे को घर में जरूर लगाएं। शनिवार के दिन वस्त्र और भोजन बांटें। घर में सदैव शांति बनाए रखने का प्रयास करें। यह भी माना जाता है कि किसी दूसरी जगह जाने से हताशा और दुर्भाग्य से छुटकारा मिल जाता है।

घबराता है मन हमेशा रहती है बेचैनी ...तो यह उपाय आजमाएं

अगर बात-बात पर मन घबराता है। भविष्य को लेकर हमेशा आशंका बनी रहती है। जोखिम के बारे में सोचने से भी डर लगता है तो यह वास्तु उपाय आपके काम आ सकते हैं। इन उपायों को अपनाने से आत्मबल में वृद्धि होगी और अनिष्ट की आशंका भी दूर होगी। आइए जानते हैं इनके बारे में। घर में रोजाना सुबह-शाम भगवान की पूजा करें और पूरे घर में कर्पूर का धुआं करें। हनुमान जी अपने भक्तों का साथ कभी नहीं छोड़ते हैं। मंगलवार के दिन हनुमान जी की पूजा करें। हनुमान जी के मंदिर में चमेली के तेल का दीपक जलाएं। हनुमान चालीसा का नित्य प्रति पाठ करें। घर की छत पर लाल रंग की पताका लगाने से अनिष्ट दूर हो जाते हैं। कभी भी यात्रा पर जाने से पहले प्रकृति के विरुद्ध कुछ न कहें। नकारात्मक शब्दों का प्रयोग तो बिल्कुल न करें। नदी, आग और हवा के बारे कोई बुरी बात न करें। घर से निकलते समय हमेशा अच्छी बात कहें। घर से बाहर जाते समय मुख्य द्वार पर विराजमान गणेश जी से वापस आकर मिलने का वादा करें। घर के मुख्य द्वार के पास तुलसी का पौधा लगाएं। रोजाना तुलसी के पौधे की पूजा करें। तुलसी के सामने सरसो के तेल का दीपक भी जलाएं। दक्षिण दिशा की तरफ पैर कर न सोएं। शयन कक्ष में मुख्य द्वार की ओर पैर कर न सोएं। पक्षियों को लाल मसूर खिलाएं। घर की छत को हमेशा स्वच्छ रखें।

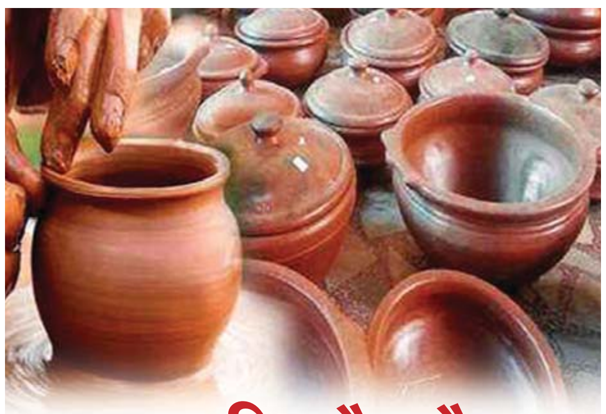

सुख, समृद्धि और सौभाग्य लाते हैं मिट्टी के बर्तन

वास्तु में माना जाता है कि मिट्टी के बर्तन सुख, सौभाग्य और बेहतर स्वास्थ्य लाते हैं। आइए जानते हैं मिट्टी के बर्तनों के कुछ ऐसे फायदे जिन्हें वास्तु में बताया गया है। वास्तु के अनुसार हर व्यक्ति को मिट्टी या भूमि तत्व के पास ही रहना चाहिए। मिट्टी से बनी वस्तुएं सौभाग्य और समृद्धिकारक होती हैं। मिट्टी के बर्तनों में पकाए अन्न में ईश्वरीय तत्व माना जाता है। हर घर में मिट्टी का घड़ा अवश्य होना चाहिए। घड़े का पानी पीने से बुध और चंद्रमा का प्रभाव शुभ होता है। घड़े को घर की उत्तर-पूर्व दिशा में रखें। मानसिक रूप से परेशान हैं तो मिट्टी के घड़े से पौधे को पानी दें। जो लोग मंगल के कोप से प्रभावित हैं, उन्हें कोई भी पेय पदार्थ मिट्टी के बर्तन में ही पीना चाहिए। मिट्टी के बर्तन में पानी भरकर घर की छत पर पक्षियों के लिए अवश्य रखें। मिट्टी से बनी भगवान की मूर्ति को घर में लाने से धन संबंधी परेशानियां दूर हो जाती हैं। रोजाना तुलसी के पौधे के पास मिट्टी का दीया जलाएं। मिट्टी से बनी वस्तुओं या खिलौनों से अपने ड्राइंग रूम को सजाएं। इससे रिश्तों में मधुरता आती है। हर त्योहार पर घर में मिट्टी के दीये जलाएं। घर में मिट्टी के बर्तन रखने से सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है।

आखिर गीता में क्या खास है?

कलियुग के प्रारंभ होने के मात्र तीस वर्ष पहले गीता को अर्जुन के अलावा संजय ने सुना और उन्होंने धृतराष्ट्र को सुनाया। गीता में श्रीकृष्ण ने 574, अर्जुन ने 85, संजय ने 40 और धृतराष्ट्र ने 1 श्लोक कहा है। हरियाणा के कुरुक्षेत्र में जब यह ज्ञान दिया गया तब मार्गशीर्ष माह के शुक्ल पक्ष की तिथि एकादशी थी। उस दिन रविवार था। कहते हैं कि उन्होंने यह ज्ञान लगभग 45 मिनट तक दिया था। अर्जुन के नन्दिघोष नामक रथ पर सारथी के स्थान पर खड़े होकर श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश किया था। कहते हैं प्रथम दिन का उपदेश प्रातः 8 से 9 बजे के बीच हुआ था। बाद के उपदेश कैंप में होते थे।

- गीता में भक्ति, ज्ञान और कर्म मार्ग की चर्चा की गई है। उसमें यम-नियम और धर्म-कर्म के बारे में भी बताया गया है। गीता ही कहती है कि ब्रह्म (ईश्वर) एक ही है। गीता को बार-बार पढ़ेंगे तो आपके समक्ष इसके ज्ञान का रहस्य खुलता जाएगा। गीता के प्रत्येक शब्द पर एक अलग ग्रंथ लिखा जा सकता है। इसका कोई सा भी अध्याय अन्य अध्याय का रिपिटेशन नहीं है। विषय भले ही एक हो लेकिन प्रत्येक अध्याय में अलग ही तरह का ज्ञान है।
- गीता में सृष्टि उत्पत्ति, जीव विकास क्रम, हिन्दू संदेशवाहक क्रम, मानव उत्पत्ति, योग, धर्म-कर्म, ईश्वर, भगवान, देवी-देवता, उपासना, प्रार्थना, यम-नियम, राजनीति, युद्ध, मोक्ष, अंतरिक्ष, आकाश, धरती, संस्कार, वंश, कुल, नीति, अर्थ, पूर्वजन्म, प्रारब्ध, जीवन प्रबंधन, राष्ट्र निर्माण, आत्मा, कर्मसिद्धांत, त्रिगुण की संकल्पना, सभी प्राणियों में मैत्रीभाव आदि सभी की जानकारी है। गीता का मुख्य ज्ञान है कैसे स्थितप्रज्ञ पुरुष बनना, ईश्वर को जानना या मोक्ष प्राप्त करना।
- श्रीमद्भगवद्गीता योगेश्वर श्रीकृष्ण की वाणी है। इसके प्रत्येक श्लोक में ज्ञानरूपी प्रकाश है जिसके प्रस्फुटित होते ही अज्ञान का अंधकार नष्ट हो जाता है। ज्ञान-भक्ति-कर्म योग मार्गों की विस्तृत व्याख्या की गई है। इन मार्गों पर चलने से व्यक्ति निश्चित ही परम पद का अधिकारी बन जाता है।

पहली ब्लैकबेल्ट एक्ट्रेस हैं नीतू चंद्रा हॉलीवुड में काम करने के बावजूद फिल्में नहीं मिली

2005 में रिलीज हुई फिल्म गरम मसाला से एट्रेस नीतू चंद्रा बॉलीवुड डेयू किया था। हिंदी समेत तमिल, तेलुगु, कन्नड़, ग्रीक और हॉलीवुड में भी अपनी एटिंग की छाप छोड़ी। हालांकि, इसके बाद भी हर कदम पर नीतू को संघर्ष का सामना करना पड़ा। 2011 के बाद वो किसी भी हिंदी फिल्म में नहीं दिखीं। काम की तलाश में कई प्रोड्यूर्स के चक्कर काटे। हॉलीवुड फिल्म में काम करने के बाद भी बॉलीवुड में खुद को प्रूव करने में फेल रहीं। जैसे-तैसे वो हर बार इन चुनौतियों से लड़ती रहीं। फिलहाल वो अपने भाई के साथ खुद के प्रोडशन हाउस में काम कर रही हैं।

बिहार में जन्मी, स्पोर्ट्स से हथयार

मेरा जन्म पटना, बिहार के एक संयुक्त परिवार में हुआ। मैं लगभग 25-30 लोगों के बीच पली-बढ़ी हूं। परिवार का कंस्ट्रशन बिजनेस था। पापा, चाचा समेत सभी लोग ये काम करते थे। 9 भाईयों में सिर्फ 2 लड़कियां थीं लेकिन कभी किसी चीज के लिए हमें रोका नहीं गया। बचपन ही मेरा झुकाव स्पोर्ट्स की तरफ रहा। मैं तायक्वोंडो में लैक बेल्ट में चैंपियन रही हूं। जब मैं नौवीं लास में थी, तब हॉन्ग कॉन्ग, चाइना में इंडिया को रिप्रेजेंट किया थ। इसी को लेकर पापा थोड़ा मां से नाराज होते थे। उनका मानना था कि लड़की हूं, खेलते वक्त चोट लग गई तो आगे चलकर दिक्कत होगी। पापा की इन बातों पर मां ज्यादा ध्यान नहीं देती थीं। एक वही थीं जिन्होंने इन चीजों के लिए मुझे हर मोड़ पर प्रोत्साहित किया। शायद यही कारण रहा कि मैं मार्शल आर्ट और स्पोर्ट्स में आगे रही। बिहार जैसे राज्य में उस समय ये सारी चीजें असामान्य थीं। बता दूं, मैं बॉलीवुड की पहली लैक बेल्ट एट्रेस हूं।

स्पोर्ट्स की बदौलत कॉलेज में एडमिशन मिला

परिवार में पढ़ाई को लेकर बहुत सती थी। भले ही मैं स्पोर्ट्स में अच्छी थी लेकिन इसके साथ पढ़ाई में अच्छा होना जरूरी था। 12वीं तक की पढ़ाई मैंने बिहार से की। इसके बाद दिल्ली आ गई। बिहार से ज्यादातर लोग आगे की पढ़ाई के लिए दिल्ली जाना पसंद करते हैं। यहां पर जब मैं इंद्रप्रस्थ कॉलेज गई तो उन लोगों ने एडमिशन देने से मना कर दिया। उनका कहना था कि 62त्नके साथ मेरा एडमिशन नहीं हो सकता। फिर मैंने अपने स्पोर्ट्स के सर्टिफिकेट दिखाए जिसके बाद स्पोर्ट्स कोटे पर मुझे एडमिशन और हॉस्टल दोनों मिल गए। कॉलेज में भी स्पोर्ट्स चैंपियन, मिस फ्रेशर और मिस हॉस्टल रही।

कैटलॉग शूट से खर्चा चलाया

सबसे बड़ा संघर्ष तो पैसे को लेकर होता था। इससे मैं भी अछूती नहीं रही। कुछ समय बाद सारी सेविंग्स खत्म हो गई। कोई बड़ा काम भी नहीं मिल रहा था, इसलिए साड़ी कैटलॉग के लिए शूट करने लगी। एक साड़ी के शूट के लिए 500 रुपए मिलते थे। पैसों की सत जरूरत थी तो एक दिन में मैं 15 से 20 साड़ियों के लिए शूट करती थी। इस तरह से मैंने कुछ दिन का खर्चा निकाला।

डायरेटर प्रियदर्शन ने बदल दी किस्मत

एक दिन मैं घर में थी, तभी कॉल आया। कॉल उठाते ही सामने आवाज आई- मैं प्रियदर्शन बोल रहा हूं। मुझे उमीद नहीं थी कि वो मुझे कॉल करेंगे। फिर जब उन्होंने दोबारा कहा कि वो डायरेटर प्रियदर्शन बोल रहे हैं, तब मैं शॉड रह गई। उन्होंने बताया कि वो फिल्म गरम मसाला बना रहे हैं जिसमें वो अक्षय कुमार और जॉन अब्राहम के अपोजिट तीन नई लड़कियों को लॉन्च कर रहे हैं। तीन लड़कियों में वो मुझे भी लॉन्च करना चाहते हैं। ये सुन मैं फूले नहीं समाई और झट से फिल्म के लिए हां कर दिया। इस तरह से मेरा फिल्मी डेयू हुआ।

हॉलीवुड में एंट्री मिली, वीजा पाने के लिए बहुत स्ट्रगल किया

मैंने लैक बेल्ट हूं और इसी हुनर ने मुझे हॉलीवुड फिल्म नेवर बैक डाउन: रिवोल्ट दिलवाई। फिर एक नई मुसीबत सामने आ गई। काम मिला लेकिन शूटिंग के लिए लंदन जाने के लिए वीजा ही नहीं मिल रहा था। इसके लिए मैं पहले मुंबई ऐंबेसी गई, लेकिन वहां बात नहीं बनी। फिर मैं दिल्ली आई। काफी चक्कर काटने पड़े लेकिन मैंने हार नहीं मानी। सोचा था कि अगर वीजा नहीं मिला तो धरने पर बैठ जाऊंगी, लेकिन लंबे संघर्ष के बाद वीजा मिल गया। पहले से कुछ सेविंग्स थीं, कुछ लोगों से पैसे उधार लेकर लंदन चली गई। यहां 1 डिग्री तापमान पर शूटिंग करती थी, लेकिन चेहरे पर कोई शिकन नहीं लाती थी। पता था कि अगर बेहतर नहीं कर पाऊंगी तो फिल्म से निकाल दी जाऊंगी, इसलिए एशन सीन की शूटिंग के वक्त चोट खाकर भी काम करती रहती थी। वहां पर मुझे रंगभेद का भी सामना करना पड़ा।

खुद के प्रोडशन हाउस में बनी फिल्म को नेशनल अवॉर्ड मिला

फिलहाल भाई के साथ मैं एक प्रोडशन हाउस चला रही हूं। इस प्रोडशन हाउस के बैनर तले हमने फिल्म मिथिला मखान बनाई थी जो बिहार की संस्कृति पर बेस्ड थी। इस फिल्म को नेशनल अवॉर्ड मिला है। तीसरी फिल्म 'वैलून' रेडी हो रही है। यह बच्चों की फिल्म भोजपुरी भाषा में होगी। इसमें हिंदी फिल्मों के दिग्गज कलाकार हैं।

ऑस्कर में भेजने की प्लानिंग कर रहे गदर-2 को

बालीवुड की गदर-2 फिल्म के मेकर्स इसे ऑस्कर में भेजने की प्लानिंग कर रहे हैं। फिल्म के डायरेक्टर अनिल शर्मा ने बताया कि इन दिनों वो और उनकी टीम अब इस फिल्म को ऑस्कर अवॉर्ड्स में भेजने की प्लानिंग कर रहे हैं। डायरेक्टर अनिल शर्मा ने ही इस फिल्म के फर्स्ट पार्ट गदर- एक प्रेम कथा का निर्देशन किया था।

एक इंटरव्यू में अनिल ने कहा, 'गदर नहीं गई थी तो मुझे नहीं पता कि गदर-2 कैसे जाएगी पर हम इस पर काम कर रहे हैं। मुझे लगता है कि गदर-2 जानी चाहिए। यह फिल्म इतना तो डिजर्व करती है। गदर भी डिजर्व करती थी। उसकी कहानी 1947 के बंटवारे पर बेस्ड थी और हमने वो कहानी एक दम अलग अंदाज में पेश की थी। वो नई और ओरिजिनल कहानी थी और गदर-2 भी कुछ ऐसी ही है।'अनिल ने अवॉर्ड ना मिलने पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, 'मैं 40 साल से काम कर रहा हूं पर ऐसा लगता है जैसे मैंने कोई काम ही नहीं किया है। मुझे नहीं पता कि अवॉर्ड पैनल में कौन बैठता है पर वो मुझे कभी कोई अवॉर्ड नहीं देते। मुझे याद है कि एक बार धरम जी ने मुझसे कहा था कि वो नया सूट सिलवाकर अवॉर्ड शो में गए थे, पर उन्हें कोई अवॉर्ड ही नहीं मिला। मुझे भी ऐसा ही लगता है जैसे मैं इस इंडस्ट्री का हिस्सा ही नहीं हूं।'

अनिल ने आगे कहा, 'हमने अपने काम से लोगों का प्यार जीता है पर सच कहूं तो अब हम भी एक अवॉर्ड जीतना चाहते हैं। पर मुझे इसकी उम्मीद नहीं क्योंकि मुझे पता है कि मुझे अवॉर्ड नहीं मिलेगा। मैं अवॉर्ड के लिए कभी लॉबी नहीं कर सकता।'फिल्म में सनी देओल के अलावा अमीषा पटेल, उत्कर्ष शर्मा और मनीष वाधवा भी अहम रोल में नजर आ रहे हैं। बता दें कि गदर-2 ने बॉक्स ऑफिस पर 481.85 करोड़ रुपए कमा लिए हैं। फिल्म अब 500 करोड़ क्लब में शामिल होने की तरफ बढ़ रही है।

इमरान ने अपनी फिल्मों को लेकर साझा किए दिलचस्प किस्से

पुरानी यादों को याद करते हुए बालीवुड अभिनेता इमरान खान ने इंस्टाग्राम पर अपनी फिल्म मेरे ब्रदर की दुल्हन और डेल्ही बेली को लेकर दिलचस्प किस्से साझा किए। इमरान ने इंस्टाग्राम पर मेरे ब्रदर की दुल्हन और डेल्ही बेली की कुछ रेट्रो तस्वीरें साझा की। उन्होंने लिखा, फ़एक समय की बात है, इंस्टाग्राम नहीं था, इसलिए लोग अपनी तस्वीरों में रेट्रो प्रभाव जोड़ने के लिए हिपस्टैमैटिक ऐप का इस्तेमाल करते थे। यहां एमबीकेडी के सेट से कुछ रेट्रो तस्वीरें हैं, मुझे याद है कि मैंने दो धारी तलवार गाने के लिए कुछ डबल शिफ्ट में काम किया था। उन्होंने खुलासा किया कि उन्होंने लगातार चार रातों तक दो धारी तलवार गाने की शूटिंग की और दिन के दौरान वह डेल्ही बेली के ट्रैक की शूटिंग कर रहे थे। उन्होंझने कहा, फ़इसे लगातार 4 रात की पालियों में शूट किया गया था, जबकि मैं एक ही समय में दिल्ली बेली से नक्कड़डवाले डिस्को और स्विटी के संगीत वीडियो की शूटिंग दिन में कर रहा था। मैं दो सेटों के बीच चलते हुए अपनी कार में सोता था।

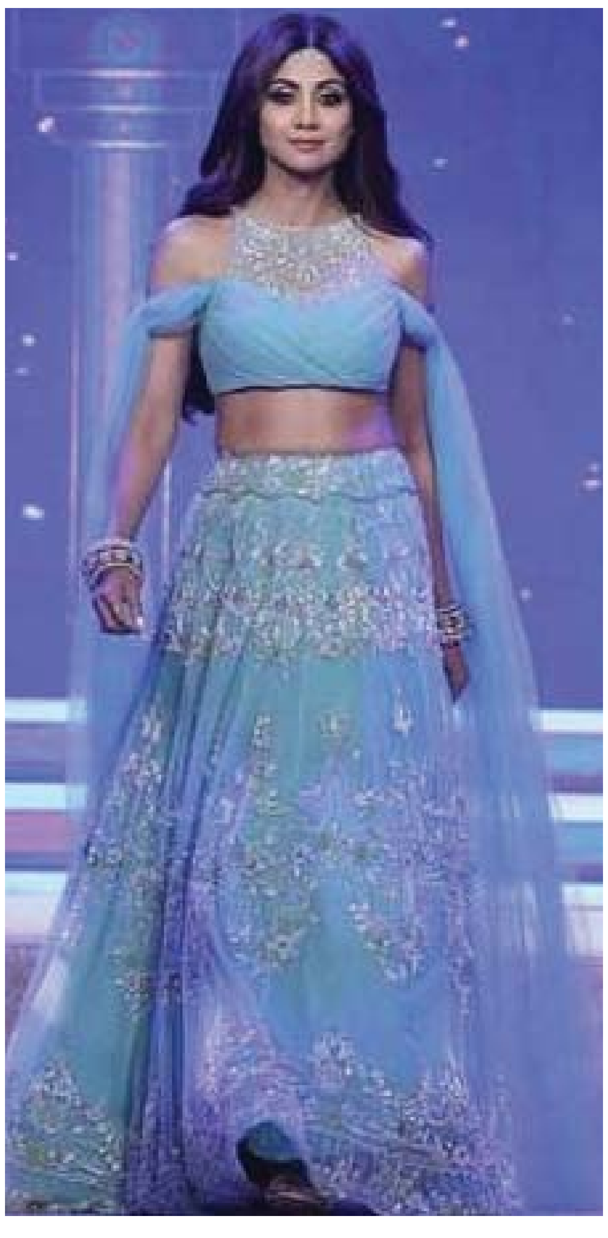

असलम खान के ब्राइडल कॉउचर में शिल्पा शेट्टी ने रैंप पर दिखाया अपना शानदार अंदाज

बॉलीवुड अभिनेत्री और एंटरप्रेन्योर शिल्पा शेट्टी कुंद्रा ने फैशन और ग्रेस का शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रसिद्ध डिजाइनर असलम खान के लिए फैशन शो का किया समापन। वेडिंग थीम पर आधारित यह इवेंट असलम खान की उत्कृष्ट कृतियों के लिए एक आदर्श कैनवास था। जिसमें शिल्पा शेट्टी कुंद्रा आकर्षक लहंगे में रैंप पर उतरीं, जो बेहद सुंदर और शानदार लग रहीं थीं।

अपनी बेबाक स्टाइल और सदाबहार खूबसूरती के लिए मशहूर शिल्पा शेट्टी कुंद्रा ने रैंप पर आते ही दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। शिल्पा ने जो लहंगा पहना था उसमें जटिल कढ़ाई, फैब्रिक और रंग का एक शानदार पैलेट था, जो शाही आकर्षण को दर्शाता था। यह पहनावा कंटेम्परारी के साथ पारंपरिक दोनों स्टाइल को पूरी तरह से मिश्रित करता है, जो असलम खान की विशिष्ट शैली को दर्शाता है।

जब शिल्पा रैंप पर चलीं, तब उनके आत्मविश्वास और ग्रेस ने इस ब्राइडल कॉउचर कलेक्शन के सार को पूरी ईमानदारी के साथ दर्शाया। शिल्पा के लहंगे की जटिल बारीकियां, नाजुक कढ़ाई वाले ब्लाउज और हैवी स्कर्ट की भव्यता देखते ही झलक रही थी।

फैशन शो का समापन करते हुए शिल्पा शेट्टी कुंद्रा ने न केवल असलम खान के उत्कृष्ट डिजाइनों का प्रदर्शन किया बल्कि बेहतरीन लहंगे में उनका सुंदर कदम शो का असाधारण क्षण बन गया, जिसने परंपरा को फैशन के साथ सहजता से जोड़ दिया। जब बात आती है फैशन और स्टाइल की तो शिल्पा ट्रेडिशनल और वेस्टर्न हर तरह के ऑउटफिट में चार चांद लगा देती हैं।

स्त्री फिल्मे का किरदार मेरी कल्पना से भी परे: बनर्जी

बालीवुड एक्टर अभिषेक बनर्जी ने कहा कि उनका स्त्री फिल्मे का किरदार उनकी कल्पना से भी परे है। फिल्म स्त्री के 5 साल पूरे होने के बारे में बात करते हुए अभिषेक ने कहा कि जना को जीवंत हुए पांच साल बीत चुके हैं। इस किरदार ने जो यात्रा की है, वह मेरी कल्पना से भी परे है। स्त्री से शुरुआत करने और इस किरदार के ब्रह्मांड का विस्तार करने के बाद जना की यात्रा उल्लेखनीय रही है।उन्होंने आगे कहा कि जबकि मैंने अपनी फिल्मी यात्रा गहरे किरदारों के साथ शुरू की, जना के किरदार ने मुझे अपने हास्य पहलुओं को अपनाने का मौका दिया। मैंने जना का किरदार निभाने हुए आनंद लिया है। मैं इसके साथ अच्छी तरह से जुड़ा हूं। जना का किरदार निभाने के लिए दर्शकों ने मुझ पर जो प्यार बरसाया है, उससे मैं बहुत खुश हूं और उतना ही उत्साहित हूं कि जना जल्द ही स्त्री 2 के साथ वापस आने वाला है।

एक्टर बनना चाहते थे गायक अनु मलिक

बालीवुड गायक अनु मलिक ने खुलासा किया कि म्यूजिक इंडस्ट्री में आने से पहले वह एक्टर बनना चाहते थे। अनु मलिक ने रियलिटी सिंगिंग शो सा रे गा मा पा में अपने पुराने दिनों को याद किया। शो सा रे गा मा पा में हिमेश रेशमिया, नीति मोहन, अनु मलिक जज और आदित्य नारायण होस्ट हैं। जहां देश भर से कंटेस्टेंट्स टॉप 12 में जगह पाने के लिए ऑडिशन दे रहे हैं, वहीं कुछ ने अपनी आवाज से जजों को मंत्रमुग्ध कर दिया है।

ऐसे ही एक कंटेस्टेंट हैं पंजाब के अनमोल, जिनके गाने इक कुड़ी की शानदार परफॉर्मेंस ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। सिंगिंग, कम्पोजिंग और लेखन में उनकी बहुमुखी प्रतिभा के बारे में जानने के बाद, अनु मलिक ने उन्हें अपने सिंगिंग स्किल के साथ-साथ लेखन को एक पेशे के रूप में ध्यान केंद्रित करने पर विचार करने की सलाह दी। उन्होंने स्टेज पर अनमोल की कविता को सराहा। उन्होंने कहा, आप एक महान सिंगर हैं लेकिन मेरे लिए, आप उससे भी बेहतर लेखक हैं। आप जीवन में क्या करना चाहते हैं, यह तय करने के लिए आपकी लड़ाई खुद से है। और मैं जो कुछ भी करता हूं उसमें अपना 100 प्रतिशत देने में विश्वास रखता हूं।

62 वर्षीय कंपोजर ने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए बताया कि जब वह छोटे थे तो कैसे एक्टर बनना चाहते थे। अनु ने कहा, जब मैं छोटा था, तो मैं एक्टर बनना चाहता था, लेकिन कुछ अभिनेताओं में जिस तरह की चाहत थी, उसे देखने के बाद मुझे एहसास हुआ कि मैं एक्टिंग के लिए नहीं बना हूं। और, फिर मैंने धुनें बनाना शुरू किया और यहां मैं आपके सामने बैठा हूं। इसलिए, मैं बस इतना ही कहना चाह रहा हूं कि कुछ ऐसा करें जिसमें आप जानते हों कि आप उत्कृष्टता प्राप्त कर सकते हैं और अपनी प्रतिभा का अधिकतम लाभ उठा सकते हैं।

सोनिया गांधी दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती

नई दिल्ली। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी को रविवार को दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में हलके बुखार के बाद भर्ती कराया गया है।कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष हाल ही में विपक्षी दलों के गठबंधन आईएनडीआईए की बैठक में शामिल होने के लिए मुंबई गई थीं। सूत्रों के मुताबिक वर्तमान में सोनिया गांधी डॉक्टरों की निगरानी में हैं और उनकी हालात सामान्य है।

गाजियाबाद में कार ठीक करने के दौरान लगी आग, मैकेनिक ने भागकर बचाई जान

गाजियाबाद। इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के वसुंधरा सेक्टर 2बी में दोपहर कार ठीक करने के दौरान अचानक आग लग गई। गनीमत रही कि मैकेनिक और अन्य कर्मचारी दौड़कर दूर भाग गए। वरना कोई भी बड़ा हादसा हो सकता था। कार में आग लगने की सूचना

मिलने पर अग्निशमन अधिकारी कुंवर पाल सिंह टीम के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने करीब 20 मिनट में कार और मैकेनिक के गोदाम में लगी आग को बुझाकर काबू पाया। एफएसओ कुंवर पाल सिंह का कहना है कि आग लगने के दौरान कोई हताहत नहीं हुई। टीम ने सावधानी से कार में लगी आग को बुझा लिया है। कार में आग से मैकेनिक की दुकान के भीतर तक आग पहुंच गई थी। जिस पर समय रहते काबू पा लिया। जबकि कार पूरी तरह से जल गई है।

गाजियाबाद में प्रेमी की बेवफाई से परेशान युवती ने फांसी लगाकर दी जान

गाजियाबाद। प्रेमी की बेवफाई से परेशान एक युवती ने फांसी का फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। मृतक युवती का प्रेमी दूसरे मजहब का है। युवती के परिजनों का आरोप है कि उसने पिंकी के साथ बेवफाई की है और खुदकुशी करने के लिए उकसाया है। परिजनों की ओर से साकिब नामक युवक तथा उसके पिता मेहताब के खिलाफ पुलिस में तहरीर दी गई है और पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू दी है। साकिब को गिरफ्तार कर लिया गया है। सहायक पुलिस आयुक्त स्वतंत्र देव सिंह ने बताया कि पिंकी गुप्ता नामक युवती रेड रॉक्स जिम में रिसेप्शनिस्ट थी। इसी दौरान वह साकिब नाम युवक

के संकल्प संपर्क में आई और दोनों का प्रेम प्रसंग पिछले चार सालों से चल रहा था। और दोनों रिलेशनशिप में रह रहे थे। रात पिंकी ने पंखे से लटक कर खुदकुशी कर ली। युवती के कमरे से एक डायरी बरामद हुई है जिसे वह 2021 से लिख रही थी। डायरी काफी मोटी है। पुलिस डायरी का भी अध्ययन कर रही है।

केजरीवाल ने खट्टर पर बोला हमला, कहा-जल्द ही हरियाणा में बनेगी हमारी सरकार

नई दिल्ली। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर पर हमला करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि दिल्ली और पंजाब के लोग आप सरकार और उसकी मुफ्त सुविधाओं से खुश हैं, और जल्द ही हरियाणा के लोग भी इससे लाभान्वित होंगे। हरियाणा के सीएम खट्टर ने कहा था कि कई पार्टियां मुफ्त सुविधाएं देने की बात करती हैं, लेकिन उनकी सरकार लोगों के विकास के लिए उनके कौशल को निखार रही है।खट्टर ने एक्स पर पोस्ट किया, 'कई पार्टियां अक्सर 'मुफ्त में दो, मुफ्त में लो' जैसे नारे लगाती हैं। मुफ्त में देने की आदत विकसित करने के बजाय हमारी सरकार की प्राथमिकता कामकाजी व्यक्ति की जरूरतों को पूरा करना और उनके विकास को बढ़ावा देने के लिए उनके कौशल का पोषण करना है। केजरीवाल ने एक्स पर खट्टर की इस बात का जवाब दिया और कहा कि जल्द ही आप पार्टी हरियाणा के लोगों को फायदा पहुंचाना शुरू कर देगी।

दिल्ली मेट्रो के टूरिस्ट स्मार्ट कार्ड की बिक्री सोमवार से होगी शुरू

नई दिल्ली। जी-20 शिखर सम्मेलन के मद्देनजर दिल्ली दर्शन के इच्छुक जी-20 प्रतिनिधियों और विदेशी पर्यटकों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए दिल्ली मेट्रो अपने चुनिंदा मेट्रो स्टेशनों के विशेष काउंटरों से सोमवार (4 सितंबर) से अगले दस दिनों के लिए टूरिस्ट स्मार्ट कार्ड की बिक्री शुरू करेगी।

अनगिनत फेरों के लिए मान्य ये टूरिस्ट स्मार्ट कार्ड विभिन्न स्टेशनों पर बने विशेष काउंटरों से खरीदे जा सकते हैं। ये दो प्रकार के होंगे- पहला, एक दिन के लिए मान्य और दूसरा, तीन दिन के लिए मान्य। एक दिन की मान्यता वाला टूरिस्ट स्मार्ट कार्ड 200 रुपये का होगा जबकि तीन दिन की मान्यता वाला कार्ड 500 रुपये का होगा। इसमें लौटायी जा सकने योग्य 50 रुपये की सुरक्षा जमा राशि भी शामिल है।

अनगिनत फेरों के अलावा ये कार्ड पर्यटकों के लिए बहुत फायदेमंद हैं जिससे वे समूचे नेटवर्क पर उस दिन की पहली ट्रेन से लेकर आखिरी ट्रेन तक में बिना किसी रुकावट के यात्रा कर सकते हैं। किसी भी स्टेशन पर प्रवेश/निकास, सिस्टम में ज़्यादा देर तक ठहरने, अधिक दूरी तक यात्रा करने आदि के लिए टूरिस्ट स्मार्ट कार्ड पर कोई जुर्माना या अतिरिक्त चार्ज नहीं लगाया जाएगा। दिल्ली मेट्रो नेटवर्क भारत

का सबसे बड़ा मेट्रो नेटवर्क है जो दिल्ली महानगर के लगभग सभी प्रमुख पर्यटन स्थलों से जुड़ा है। इनमें लाल किला, जामा मस्जिद, अक्षरधाम मंदिर, कालकाजी मंदिर आदि कुछ उल्लेखनीय स्थल हैं। पर्यटक इन कार्डों के उपयोग से दिल्ली मेट्रो के विभिन्न कॉरिडोरों पर यात्रा करके निर्बाध रूप से इन पर्यटन स्थलों तक पहुंच सकते हैं। नेटवर्क के बारे में अधिक जानकारी हासिल करने तथा अपनी यात्रा की योजना बनाने के लिए पर्यटक गूगल प्ले स्टोर से 'दिल्ली मेट्रो रेल' ऐप को भी डाउनलोड कर सकते हैं। ऐप के होम पेज पर ही (टूर गाइड) नाम का एक ख़ास सेक्शन भी है जहां से वे आस-पास के सभी स्टेशनों और पर्यटन स्थलों की सूची प्राप्त कर सकते हैं।

टूरिस्ट स्मार्ट कार्ड दिल्ली मेट्रो के समूचे नेटवर्क पर सभी मेट्रो स्टेशनों (एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन के अलावा) पर उपलब्ध हैं। दिल्ली दर्शन का इच्छुक कोई भी व्यक्ति दिन में किसी भी समय, किसी भी स्टेशन से इन कार्डों को खरीद सकता है। कश्मीरी गेट, चांदनी चौक, चावड़ी बाजार, नई दिल्ली, राजीव चौक, पटेल चौक, केन्द्रीय सचिवालय, उद्योग भवन, लोक कल्याण मार्ग, जोर बाग, दिल्ली हाट-आईएनए, लाल किला, जामा मस्जिद, दिल्ली गेट, आईटीओ, मंडी हाउस, जनपथ, खान मार्केट, जेएलएन स्टेडियम, जंगपुरा, लाजपत नगर, बाराखंभा रोड, आरके आश्रम, झंडेवालान, सुप्रीम कोर्ट, इन्द्रप्रस्थ, साउथ एक्सटेंशन, सरोजिनी नगर, छतरपुर, कुतुब मीनार, हौज खास, नेहरू प्लेस, कालकाजी मंदिर, अक्षरधाम, टर्मिनल-1 आईजीआई व कारोल बाग शामिल हैं।

पलवल से दिल्ली आ रही लोकल ट्रेन प्रगति मैदान के पास ट्रैक से उतरी

नई दिल्ली। पलवल से नई दिल्ली आ रही ईएमयू रविवार सुबह दिल्ली के प्रगति मैदान के पास ट्रैक से नीचे उतर गई। गनीमत रही कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ। लेकिन ट्रेन की बोगी क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद कई ट्रेनों का संचालन प्रभावित हो गया। ट्रेनों को दूसरे रूट से गंतव्य तक भेजा गया, जिससे ट्रेनें लेट भी हो गईं।

पुलिस के मुताबिक, पलवल नई दिल्ली इएमयू (04921) रोजाना की तरह रविवार सुबह 7:55 बजे पलवल से नई दिल्ली के लिए चली। यह ट्रेन बल्लभगढ़, फरीदाबाद, तुगलकाबाद, ओखला, हजरत निजामुद्दीन, तिलक ब्रिज, शिवाजी ब्रिज होते हुए नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर पहुंचती है। सुबह करीब 9ः47 बजे ट्रेन प्रगति मैदान के पास पटरी से नीचे उतर गई। छुट्टी का दिन होने के कारण ट्रेन में कम भीड़ थी। इसमें कोई जनहानि नहीं

हुई लेकिन ट्रेन में सवार यात्री काफी डर गए। ट्रेन का दिव्यांग कोच बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना पर रेलवे के अधिकारी मौके पर पहुंच गए हैं। ट्रेन को रूट से हटाकर ट्रैक को ठीक करने का काम किया जाएगा।

वहीं ट्रेन के पटरी से उतरने के बाद हजरत निजामुद्दीन की ओर से नई दिल्ली को आने वाली अन्य ट्रेनों का संचालन भी प्रभावित हो रहा है।

परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने रूट 434 की बसों को भाटी कलां गांव तक चलाने के दिए निर्देश

नई दिल्ली। छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के भाटी कलां गांव के ग्रामीणों द्वारा व्यक्त की गई परिवहन आवश्यकताओं पर त्वरित कार्यवाही करते हुए परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत ने बस मार्ग संख्या 434 को भाटी कलां गांव तक चलाने का निर्देश दिया है। उल्लेखनीय है कि परिवहन संबंधी मामलों पर ग्रामीणों के साथ संवाद करने के उद्देश्य से परिवहन मंत्री कैलाश गहलोत क्षेत्रीय विधायक करतार सिंह तंवर और स्थानीय पार्षद के साथ भाटी कलां गांव के दौरे पर थे।कैलाश गहलोत ने भाटी कलां और आसपास के क्षेत्रों के ग्रामीणों की चिंताओं और सुझावों को धैर्यपूर्वक सुना। उन्होंने उन्हें आश्वासन दिया कि उनके मुद्दों का तुरंत समाधान किया जाएगा।

कैलाश गहलोत ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा, सार्वजनिक परिवहन शहर की जीवन रेखा है। जब तक सार्वजनिक परिवहन शहर के हर कोने तक नहीं फैलेगा, क्षेत्र के विकास में बाधा बनी रहेगी।

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने पिछले 8 वर्षों में यह सुनिश्चित किया है कि बसों की कनेक्टिविटी न केवल प्रमुख स्थानों पर बल्कि दिल्ली के ग्रामीण हिस्सों सहित शहर के हर कोने तक हो। इस बस रूट के पुनः शुरू होने से भाटी कलां एवं आसपास के गांव के निवासी अपने घर के नजदीक ही दिल्ली सरकार की बस सेवा का लाभ उठा सकेंगे। मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल के मार्गदर्शन में हम दिल्लीवासियों को विश्वस्तरीय आधुनिकतम परिवहन सुविधा प्रदान करने के लिए कटिबद्ध हैं। जून 2023 में बसों की आवृत्ति में संशोधन के कारण इस इलाके में बस सेवा बाधित हो गयी थी। बस मार्ग 434 की पुनः शुरुआत से भाटी कलां और आसपास के क्षेत्रों जैसे भाटी खुर्द और डेरा मंडी के निवासियों को आने-जाने में आसानी होगी।

बस संख्या 434 का रूट: भाटी कलां, डेरा ग्राम चौराहा, डेरा गांव, फ़तेहपुर बेरी, सतबरी, छतरपुर एक्सटेंशन/नंदा अस्पताल, अंधेरिया बाग, लाडो सराय चौराहा, सैदुल-अ-जाब/साकेत मेट्रो स्टेशन, डीआईपीएसएआर कॉलेज ऑफ फार्मेसी, हमदर्द नगर / संगम विहार, तुगलकाबाद गांव, ई.एस.आई. अस्पताल, सीआरपीएफ कैंप/क्राउन प्लाजा, जसोला विहार

जी20 के लिए तैयार है नोएडा, मुख्यद्वार पर गौतमबुद्ध की भव्य मूर्ति से होगा स्वागत

नोएडा। जी-20 समिट की मेजबानी के लिए नोएडा-ग्रेटर नोएडा और गाजियाबाद ने कमर कस ली है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण शहर को चमकाने का खाका खींच चुका है और उस पर लगभग काम भी पूरा कर लिया गया है। स्कल्पचर, लाइटिंग, ग्रीनरी और सड़कों को चमका कर नोएडा-ग्रेटर नोएडा को नया लुक देने की कवायद लगभग पूरी हो चुकी है। विदेश से आए मेहमानों का भव्य स्वागत करने के लिए दिल्ली से नोएडा के में एंट्री पॉइंट पर गौतमबुद्ध की भव्य मूर्ति लगाई गई है और गेट का जीर्णोधार भी किया गया है। इस बारे में नोएडा अथॉरिटी के सीईओ लोकेश एम. बताते हैं कि प्रवेश द्वार में कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन इसके डिजाइन में मामूली संशोधन किया गया है और इसे और भी

आकर्षक बनाने के लिए अतिरिक्त रोशनी का इस्तेमाल किया गया है। प्रवेश द्वार अब अपने पिछले हल्के भूरे और नीले रंग के बजाय गहरे भूरे रंग में दिखाई देगा। कुछ सिल्वर डिटेलिंग का काम भी किया गया है, साथ ही फूलों की सजावट भी की गई है। भगवान बुद्ध की छवि को आकर्षक रोशनी से सजाया गया है। इसके कुल मेकओवर की लागत 86.22 लाख रूपए है। नोएडा-ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेसवे को सजाने के लिए स्कल्पचर की डिजाइन लगाई जा रही है। डीएनडी फ्लाईओवर, फिल्म सिटी गेट, महामाया फ्लाईओवर, एमिटी विवि के पास, ग्रेटर नोएडा प्रवेश द्वार, परी चौक, ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण दफ्तर समेत कई प्रमुख लोकेशनों को सजाया जा रहा है। परी चौक को जी20 के लोगो के साथ ही स्कल्पचर लगाकर और सुंदर बनाया जा रहा है। अच्छी प्रजाति के पौधे लगाकर ग्रीनरी को और बेहतर बनाया जा रहा है। ग्रेटर नोएडा के प्रमुख गोलचक्करों पर भी स्कल्पचर व लाइटिंग के जरिए और आकर्षक बनाया जा रहा है। नॉलेज पार्क के आसपास शिक्षाप्रद स्कल्पचर लगाए जा रहे हैं। जी20 समिट के दौरान ग्रेटर नोएडा को डाटा सेंटर हब के रूप में प्रस्तुत करने के लिए विशेष आकृतियां लगाई जा रही हैं।

नोएडा में डिलीवरी बॉय से धोखाधड़ी, 96.858 हजार का पार्सल लेकर 2 बदमाश भागे

नोएडा। थाना सेक्टर-126 में एक डिलीवरी बॉय ने रिपोर्ट दर्ज कराई है कि एक ग्राहक ने कोरियर ले लिया तथा 96,858 रुपया का भुगतान किए बिना पार्सल लेकर मौके से भाग गया। पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के मीडिया प्रभारी ने बताया कि राजकुमार नामक युवक ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह ब्लू डार्ट कोरियर कंपनी में डिलीवरी बॉय के रूप में कार्य करता है। पीड़ित के अनुसार 21 अगस्त को उसे सेक्टर-81 में स्थित ब्लू डार्ट कंपनी के ऑफिस से एक डॉकेट मिला। उसपर कस्टमर का नाम दीपक लिखा था। उन्होंने बताया कि दीपक सेक्टर-126 स्थित एचसीएल कंपनी में कार्यरत बताया गया

था। उसने कस्टमर से बात किया। ग्राहक ने डॉकेट लेने के लिए एचसीएल के गेट नंबर-3 पर बुलाया। कस्टमर करीब 1.30 बजे अपनी कार से अपने दोस्त के साथ वहां पर आया। उन्होंने बताया कि पीड़ित का आरोप है कि ग्राहक ने पार्सल अपने हाथ में ले लिया तथा गाड़ी के अंदर बैठे-बैठे पेमेंट करने का स्वॉग रचने लगा। उसने कहा कि पेमेंट हो गया है। जब डिलीवरी बॉय ने कहा कि पेमेंट नहीं हुआ है तो वह कार स्टार्ट करके वहां से भाग गया। उन्होंने बताया कि पीड़ित के अनुसार पार्सल पर उसकी कीमत 96,858 रुपया दर्ज थी। उन्होंने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर घटना की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

भारत की समुद्री सुरक्षा मजबूत करने के लिए तीन दिन दिल्ली में मंथन करेंगे कमांडर

नई दिल्ली। भारत की समुद्री सुरक्षा मजबूत करने के इरादे से भारतीय नौसेना के कमांडर 04 से 06 सितंबर तक दिल्ली में विचार मंथन करेंगे। नौसेना कमांडर हथियारों और सेंसर के प्रदर्शन तथा भारतीय नौसेना के प्लेटफार्मों की तैयारी की समीक्षा भी करेंगे। 2023 में नौसेना कमांडरों के सम्मेलन का यह दूसरा संस्करण नौसेना की युद्धक क्षमता बढ़ाने के तरीकों की तलाश करेगा। रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट भी नौसेना कमांडरों को संबोधित करेंगे।

रक्षा मंत्रालय के अनुसार 2023 के नौसेना कमांडरों के सम्मेलन का दूसरा संस्करण 04 से 06 सितंबर तक नई दिल्ली में निर्धारित है। यह सम्मेलन शीर्ष स्तर का द्विवार्षिक कार्यक्रम है, जिसमें नौसेना कमांडर महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णयों पर विचार-विमर्श करेंगे। 'हाइब्रिड' प्रारूप में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय सम्मेलन के दौरान नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार की अध्यक्षता में भारतीय नौसेना का

वरिष्ठ नेतृत्व प्रमुख परिचालन, सामग्री, रसद, मानव संसाधन, प्रशिक्षण और प्रशासनिक कार्यों की समीक्षा करेगा। पिछले छह महीनों के दौरान की गई गतिविधियों के साथ सम्मेलन में आगामी महीनों में अपनाए जाने वाले पाठ्यक्रम पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।सम्मेलन के दौरान रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट नौसेना कमांडरों को संबोधित करेंगे और उनके साथ बातचीत करेंगे। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान भी उपस्थित रहेंगे। यह सम्मेलन देश के समग्र आर्थिक विकास के लिए आवश्यक सुरक्षित समुद्री वातावरण के विकास की दिशा में कई अंतर-मंत्रालयी पहलों को आगे बढ़ाने के लिए वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों के साथ नौसेना कमांडरों की संस्थागत बातचीत का अवसर प्रदान करेगा। सम्मेलन में एनएसए, भारतीय सेना और भारतीय वायुसेना के प्रमुखों के साथ त्रि-सेवा तालमेल के मुद्दे पर विचार-विमर्श करने के साथ ही समुद्री बलों की तैयारी का आकलन किया जाएगा।

नौसेना के कमांडर विवेक मधवाल ने बताया कि पिछले छह महीनों के दौरान तीव्र परिचालन गति देखी गई है, क्योंकि भारतीय नौसेना का अभियान अटलांटिक से प्रशांत महासागर तक फैला हुआ है। भारतीय नौसेना के जहाज़ों ने 'ऑपरेशन कावेरी' के हिस्से के रूप में सूडान से भारतीय नागरिकों की निकासी की थी और 'ऑपरेशन करुणा' के दौरान चक्रवात मोचा के बाद म्यांमार में राहत एवं बचाव कार्य चलाया था। यह फोरम नौसेना की परिचालन तैयारियों की विस्तृत समीक्षा करेगा, जिसमें नौसेना के हथियारों, सेंसर के प्रदर्शन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।उन्होंने बताया कि कमांडर 2047 तक पूर्ण 'आत्मनिर्भरता' हासिल करने की दृष्टि के अनुरूप 'मेक इन इंडिया' के माध्यम से स्वदेशीकरण को बढ़ाने पर नौसेना परियोजनाओं की भी समीक्षा करेंगे। सम्मेलन के मौके पर नौसेना के स्वदेशीकरण, नवाचार और तकनीकी पहल का प्रदर्शन करने की भी योजना बनाई गई है। साथ ही भारतीय नौसेना में पुरानी प्रथाओं की पहचान करने और उन्हें हटाने की दिशा में हुई प्रगति की भी समीक्षा की जाएगी। उन्होंने कहा कि भारतीय नौसेना हिन्द महासागर और उसके बाहर अनिश्चित भू-रणनीतिक स्थितियों के कारण उभरने वाली सभी समुद्री सुरक्षा चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए तैयार है।

ठग सुकेश का जैकलिन फर्नांडीज के लिए विश्वस्तरीय पशुओं का अस्पताल बनवाने का दावा

नई दिल्ली। कथित करोड़पति ठग सुकेश चंद्रशेखर ने बॉलीवुड अभिनेत्री जैकलीन फर्नांडीज को एक पत्र लिखा है, इसमें दावा किया गया है कि वह बेंगलुरु में कुत्तों, बिल्लियों और घोड़ों के लिए एक विश्व स्तरीय, सुपर-स्पेशियलिटी अस्पताल का निर्माण कर रहे हैं। कहा जाता है कि यह अस्पताल 25 हजार वर्ग फुट में फैला है और इसका बजट 25 करोड़ रुपये है। सुकेश ने पत्र में कहा कि वह यह सुविधा जैकलीन फर्नांडीज के लिए बना रहे हैं। उसने दावा किया कि पालतू जानवरों के लिए अस्पताल बनाकर उसका लक्ष्य जानवरों के लिए कुछ करने के जैकलीन के सपने को पूरा करना है। अपने पत्र में, सुकेश ने कहा, यह अस्पताल जानवरों के प्रति आपके प्यार का एहसास होगा, मेरी बेबी डॉल। जैसा कि आपने कल्पना की थी, यह पूरे एशिया में अपनी तरह का एक अस्पताल होगा। मेरी टीम ने सब कुछ इकट्ठा कर लिया है, और निर्माण कार्य शुरू हो गया है।÷ 11 सितंबर, 2024 को परिचालन शुरू करने के उद्देश्य से, जो आपके अगले जन्मदिन के साथ मेल खाता है, 11 सितंबर को शुरू होने वाला है, बेबी। सुकेश ने उल्लेख किया कि उन्होंने दक्षिण भारत में एक शीर्ष बुनियादी ढांचा फर्म और संयुक्त अरब अमीरात में एक अन्य कंपनी को निर्माण अनुबंध दिया। उसके पत्र के अनुसार, किसी भी देरी को रोकने के लिए अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए थे और अग्रिम भुगतान किया गया था। सभी उपकरण जर्मनी से आयात किए जा रहे है और अस्पताल की थीम सफेद और गुलाबी होगी। हमारे पास देश के बेहतरीन पशुचिकित्सक होंगे, और सभी

उपचार और सर्जरी मुफ़्त प्रदान की जाएंगी, जैसा कि आप चाहते हैं, मेरी रानी मधुमक्खी। मुझे वास्तव में उम्मीद है कि यह आपके चेहरे पर एक सुंदर मुस्कान लाएगा। आपकी मुस्कान और प्यार है सुकेश ने पत्र में कहा, इस चरण के दौरान एकमात्र चीजें मुझे ताकत दे रही हैं। बेबी, आप संयुक्त राज्य अमेरिका में भारतीय परेड में आश्चर्यजनक लग रही थीं और इसने मुझे एक बार फिर से आपसे प्यार करने पर मजबूर कर दिया। सुकेश ने यह भी बताया कि वह फिल्म 'जवान' के गाने 'चलेया' पर डांस कर रहे थे और उन्होंने इस गाने को बनाने के लिए शाहरुख खान और अनिरुद्ध का आभार व्यक्त किया। उन्होंने पत्र में यह भी कहा कि वह फिल्म जवान के गाने 'चलेया' पर नृत्य कर रहे थे और इसे जैकलीन को समर्पित किया।

जनकपुरी के चार मंजिला कमर्शियल बिल्डिंग में लगी आग

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के जनकपुरी स्थित चार मंजिला कमर्शियल बिल्डिंग में दिन में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ग्राउंड फ्लोर से चौथी मंजिल तक पहुंच गई। मौके पर पहुंचे 65 फायरकर्मियों की टीम ने लगभग 2 घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और उसे बिल्डिंग के साथ वाले गाड़ी के शोरूम को बचा लिया, लेकिन इस हादसे में बिल्डिंग के सामने खड़ी गाड़ियां और मोटरसाइकिल आग की चपेट में आकर क्षतिग्रस्त हो गई। इस हादसे में किसी के हातात होने की सूचना नहीं है।

फायर कंट्रोल रूम के अनुसार दोपहर 1ः30 बजे के आसपास आग लगी थी। फायर कंट्रोल रूम को सूचना मिली तो मौके पर असिस्टेंट डिविजनल ऑफिसर रविनाथ को फायर ब्रिगेड की टीम के साथ भेजा गया। आग बुझाने का काम शुरू किया गया, लेकिन आग की स्थिति को देखते हुए और गाड़ियों की डिमांड की गई। मौके पर अलग-अलग फायर स्टेशन और गाड़ियों के अलावा डिवीजनल ऑफिसर वेदपाल को भी भेजा गया। लगभग 03 बजे के आसपास आग पर काबू पाया गया। आग लगने के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल सका है। हालांकि प्रारंभिक जांच में आग का कारण बिजली मीटर में शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है।

खबर दृष्टिकोण
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक आरती कश्यप द्वारा शौर्य प्रिंटर्स, शिवपुरी कालोनी, निकट बांसमण्डी चौराहा, लखनऊ से मुद्रित एवं 551घ/1316, निकट शराफत जनरल स्टोर, आजाद नगर, आलमबाग, लखनऊ- 226005 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- आरती कश्यप, Mob. : 9555229060,9838938570 Email- khabardrishtikon@gmail.com (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) R.N.I. NO.: UPHIN/2021/82210